रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.9	24.4
जमशेदपुर	32.6	24.0
डालटनगंज	32.4	23.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

www.lagatar.in रांची, गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 ● आश्विन पूर्णिमा, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 187 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

उमर अब्दुल्ला ने ली शपथ, जम्मू कश्मीर में नई सरकार

■ सुरिंदर चौधरी बने डिप्टी सीएम, कुल छह मंत्रियों ने ली शपथ ■ खरगे, राहुल-प्रियंका, अखिलेश समेत कई बड़े नेता हुए शामिल

एजेंसिया। श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में अब्दुल्ला और उनके मंत्रियों को शपथ दिलाई.

मेंढर से नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक जावेद अहमद राणा, रफियाबाद से जावेद अहमद डार, डीएच पोरा से सकीना इट्टू और नौशेरा से सुरिंदर कुमार चौधरी को भी एलजी सिन्हा ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई. सुरिंदर चौधरी डिप्टी सीएम बनाए गए हैं. चौधरी ने नौशेरा से भाजपा के रविंदर रैना को हराया है.

जम्मू कश्मीर के नए सीएम उमर अब्दुल्ला के साथ प्रियंका व राहुल गांधी.

छंब सीट से निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में जगह दी गई. शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं. वहीं, नेकां प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, केसी वेणुगोपाल, सुप्रिया सुले सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, आप नेता संजय सिंह, माकपा नेता डी राजा सहित इंडिया गठबंधन के अन्य नेता यहां मौजूद रहे. केंद्र शासित प्रदेश में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हुए हैं. कांग्रेस पार्टी ने उमर अब्दुल्ला की सरकार को बाहर से समर्थन देने का फैसला किया है.

कांग्रेस का सरकार से बाहर रहने का फैसला

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस फिलहाल जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्रालय में शामिल नहीं हो रही है. कांग्रेस ने केंद्र से जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की जोरदार मांग की है, इसके अलावा प्रधानमंत्री ने भी कई बार सार्वजनिक बैठकों में इसका वादा किया है. लेकिन जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया है. हम नाखुश हैं इसलिए फिलहाल हम मंत्रालय में शामिल नहीं हो रहे हैं, राज्य कांग्रेस प्रमुख ने कहा और कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ाई जारी रखेगी.

जम्मू-कश्मीर का नया मंत्रिमंडल

■ उमर अब्दुल्ला- मुख्यमंत्री, ■ सुरिंदर चौधरी- उपमुख्यमंत्री, ■ सतीश शर्मा- मंत्री, ■ जावेद राणा- मंत्री, ■ सकीना इट्टू- मंत्री, ■ जावेद अहमद डार- मंत्री एसके

पीएम नरेंद्र मोदी और राजनाथ ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर का नया मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है. उन्होंने कहा कि केंद्र जम्मू-कश्मीर की प्रगति के लिए उनके और उनकी टीम के साथ मिल कर काम करेगा. पीएम मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उमर अब्दुल्ला जी को बधाई. लोगों की सेवा के उनके प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं.

नायब सैनी आज संभालेंगे हरियाणा की कमान

- पीएम मोदी समेत एनडीए के कई बड़े नेता होंगे शामिल

एजेंसियां। पंचकूला

हरियाणा के नए सीएम नायब सैनी होंगे. पंचकूला स्थित भाजपा दफ्तर में भाजपा विधायक दल की बैठक में बुधवार को उन्हें सर्वसम्मति से चुन लिया गया. भाजपा के पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एमपी के सीएम मोहन यादव बैठक में मौजूद रहे. विधायक दल की बैठक में अनिल विज और कृष्ण बेदी ने सैनी का नाम रखा था. सैनी गुरुवार को पंचकूला में शपथ लेंगे. शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे. बैठक के बाद सीएम नायब सैनी राज्यपाल से मिलने पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया. अमित शाह ने कहा कि बैठक में एक ही प्रस्ताव मिला जो नायब सिंह सैनी के नाम का था. मैं उनका नाम घोषित करता हूं. नायब सैनी को बहुत बहुत बधाई देता हूं. वहीं मुख्यमंत्री सैनी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही 24 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी. गृहमंत्री अमित शाह रात को चंडीगढ़ के ललित होटल में रुकेंगे. गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा राजभवन में मीटिंग लेंगे. -पेज 12 भी देखें

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,900
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

अलका होंगी झारखंड की नयी मुख्य सचिव!

रांची। सीनियर आईएएस अलका तिवारी को झारखंड का अगला मुख्य सचिव बनाया जा सकता है. भारत सरकार ने आईएएस अलका तिवारी को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से उनके मूल कैडर झारखंड में वापस करने का आदेश जारी किया है. इसके बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उन्हें मुख्य सचिव के पद पर पदस्थापित किया जा सकता है. अलका तिवारी 1988 बैच की आईएएस हैं. फिलहाल वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं.

27 अक्टूबर को होने वाली पीसीएस परीक्षा स्थगित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की पीसीएस परीक्षा 2024 स्थगित हो गई है. आयोग ने ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर परीक्षा स्थगित होने की जानकारी साझा की है. यह परीक्षा 27 अक्टूबर, 2024 को निर्धारित थी. नयी तारीख जल्द ही आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट पर ही साझा की जाएगी. परीक्षा दिसंबर में ली जा सकती है.

अपने रिटायर कर्मियों को फिर जॉब देगी रेलवे

नयी दिल्ली। रेलवे ने अपने रिटायर कर्मियों को खुशखबरी दी है. रेलवे ने बताया कि कर्मियों की कमी देखते हुए रिटायर कर्मियों को बार फिर से कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर नौकरी देंगे. जोन के जनरल मैनेजर को यह अधिकार होगा कि वो रिटायर्ड कर्मियों को नौकरी पर रख सकेंगे. हालांकि, ये एक कॉन्ट्रैक्ट बेसिस की जॉब होगी, जिसमें कोई कर्मी दो साल या 65 साल की आयु (जो भी पहले हो) तक ही नौकरी कर सकता है.

झारखंड विस चुनाव 2024

पार्टियों में टूट, उछल-कूद दलबदल के भी मिले संकेत

सीट शेयरिंग, प्रत्याशियों की घोषणा... सिर्फ कयास ही कयास

रवि भारती। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर एक ओर जहां एनडीए में सीट शेयरिंग फाइनल हो चुका है, वहीं इस फोल्डर की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने की तैयारी कर ली है. उधर इंडी गठबंधन में सीट शेयरिंग के मामले को लेकर दिल्ली में बैठक हो रही है. कुछ सीटों पर जिच है, जिसे लेकर इंडी गठबंधन के शीर्ष नेताओं की बातचीत जारी है.

हालांकि न तो एनडीए में शामिल पार्टियों ने अपने प्रत्याशियों की आधिकारिक घोषणा की है और न इंडी गंठबंधन ने, लेकिन सोशल मीडिया पर दोनों गठबंधन की सीट शेयरिंग से लेकर प्रत्याशियों तक की सूची वायरल हो रही है. दोनों गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर जो चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही है, उसमें नेताओं के दल बदलने की बातों को भी जिक्र है. इनमें एनडीए के घटक आजसू के वैसे नेता, जिन्होंने पांच साल तक फील्ड में तैयारी कर रखी है, वे ज्यादा आहत हैं और दूसरी पार्टियों में राजनीतिक भविष्य तलाश रहे हैं. हालांकि इसकी जनकारी उस पार्टी के सुप्रीमो को भी है, लेकिन वे चाह कर भी कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं हैं. वैसे उनकी पार्टी के एक-दो नेताओं के भाजपा में शामिल होने की भी सूचना तेजी से फैल रही है. लेकिन जबतक सीट शेयरिंग व प्रत्याशियों की आधिकारिक घोषणा नहीं हो जाती, तबतक कुछ कहा नहीं जा सकता.

उम्मीदवारी की घोषणा से पहले ही इधर-उधर होने लगे नेता

विधानसभा चुनाव में एनडीए और इंडी गठबंधन अपनी-अपनी तैयारी में जुटा है. एनडीएन में सीट शेयरिंग लगभ फाइनल हो चुका है. आजसू को 10, जदयू को दो और लोजपा के एक सीट पर चुनाव लड़ने की बात सामने आ रही है. लेकिन सीट शेयरिंग व प्रत्याशियों की कथित सूची सोशल मीडिया पर वायरल होने और सबके अपने-अपने दावे के बीच नेताओं के भी इधर-उधर उछल-कूद मचाने की जानकारी मिल रही है. आजसू के प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री उमाकांत रजक के बारे में चर्चा है कि उनकी सीट भाजपा के खाते में चली गयी है, तो वे अब झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं. झामुमो इस पर सहमत है या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता है, लेकिन जब शह-मात का खेल होगा, तो दोनों गठबंधन में शामिल दलों के दिग्गज एक-दूसरे को राजनीतिक पटकनी देने का कोई भी मौका चूकेंगे नहीं. **आजसू को जो सीटें मिली हैं, उनमें से कई पर उसका जनाधार नहीं :** सीट शेयरिंग में आजसू को चार सीटें वैसी मिली हैं, जहां उसका जनाधार ही नहीं है. यानि उन सीटों पर जीत को लेकर संशय है. जहां उसके नेता अच्छी स्थिति में हैं और पूरी तैयारी कर रखी है, वैसी सीटें भाजपा के पास चली गयी हैं. ऐसे में संभव है आजसू के कुछ नेता या तो बागी रूख अपनाएंगे, गठबंधन के प्रत्याशी के खिलाफ ही चुनाव लड़ जाएंगे, या विपक्षी खेमे से हाथ मिला लेंगे,

भाजपा अपने पांच पूर्व सांसदों को मैदान में उतार सकती है

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा की ओर से पांच पूर्व सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारने की तैयारी है. दुमका से सुनील सोरेन, बेरमो से रवींद्र पांडेय, जगन्नाथपुर से गीता कोड़ा, गुमला से सुदर्शन भगत और राजधनवार से बाबूलाल मरांडी के नाम शामिल हैं. हालांकि मरांडी अभी भी राजधनवार से ही विधायक हैं. अर्जुन मुंडा के चुनावी समर में उतरने के आसार कम ही हैं.

सीटों की अदला-बदली की भी चर्चा

जानकारी के अनुसार भाजपा सीटों की अदला-बदली भी कर सकती है. हटिया से भाजपा विधायक नवीन जायसवाल को रांची सीट से उम्मीदवार बनाया जा सकता है. वहीं हटिया सीट से अजयनाथ शाहदेव को चुनावी समर में उतार कर इंडी गठबंधन को झटका देने की रणनीति पर भी भाजपा काम कर रही है. सिर्फ किसी सीट से नहीं, बल्कि कुछ और सीटों पर भी भाजपा यह खल कर सकती है.

सोशल मीडिया पर प्रत्याशियों की तरह- तरह की सूची वायरल

एनडीए व इंडी गठबंधन में शामिल पार्टियों के प्रत्याशियों की तरह-तरह की सूची सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. झामुमो की वायरल सूची में आजसू नेताओं के नाम भी शामिल हैं, वहीं एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा की सूची में कांग्रेस नेता के भी नाम शामिल हैं. वैसे अलग- अलग पार्टियों की अलग-अलग की तरह की सूची वायरल हो रही है. लेकिन आधिकारिक तौर पर किसी भी पार्टी या गठबंधन ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की है.

इन सब के बीच झारखंड पार्टी ने अपने पांच उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. एनोस एक्का ने अपने बेटे को कोलेबीरा से चुनावी समर में उतारा है. भाजपा प्रत्याशियों की घोषणा एक-दो दिन में होने की संभावना है. दिल्ली से लौटे भाजपा अध्यक्ष की बातों से तो कुछ ऐसे ही संकेत मिले हैं.

देवघर : 70 हजार रिश्वत लेते सिविल सर्जन धराए

एसीबी की टीम पूछताछ के लिए ले गई दुमका

संवाददाता। रांची/देवघर

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने देवघर के सिविल सर्जन को रंगेहाथ 70 हजार घूस लेते गिरफ्तार किया है. दुमका एसीबी की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए बेला बागान स्थित आवास से सिविल सर्जन को घूस लेते दबोचा. सिविल सर्जन ने अस्पताल से जुड़े एक काम की रिपोर्ट देने नाम पर घूस की मांग की थी. लेकिन वादी घूस देने को तैयार नहीं था.

इसके बाद वादी ने एसीबी से इसकी शिकायत की थी. एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया, तो घूस मांगे जाने की बात सही पायी गयी. इसके बाद एसीबी ने सिविल सर्जन को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम सिविल सर्जन को अपने साथ लेकर दुमका चली गयी.

प्रोविजनल प्रमाण-पत्र रेन्युअल के नाम पर मांगी घूस : एसीबी से किए शिकायत में मधुपुर में बंगाल नर्सिंग होम चलाने वाले आसनसोल निवासी महफूज आलम ने कहा कि साल 2020 में उन्होंने मधुपुर के कॉलेज रोड में दस बेड का अस्पताल खोला है. इनके नर्सिंग होम का नौ जून 2024 तक का प्रोविजनल प्रमाण-पत्र (सं0-203500021) था. जिसका रेन्युअल कराना था. इस बीच इनका गॉल ब्लाडर का ऑपरेशन हुआ था. जिसके कारण नर्सिंग होम संचालक ने 24 दिन की देरी से तीन जुलाई 2024 को प्रमाण-पत्र रेन्युअल का आवेदन सिविल सर्जन कार्यालय, देवघर को दिया.

लेकिन काफी दिन के बाद भी जब इनके आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो ये सिविल सर्जन डॉ. रंजन सिन्हा से मिले. सिविल नर्सिंग होम का प्रमाण-पत्र रेन्युअल कराने के नाम पर एक लाख रुपए घूस की मांग की थी.

गिरफ्तार सिविल सर्जन रंजन सिन्हा.

हर नौवें दिन एक गिरफ्तारी

जून से लेकर अब तक एसीबी की कार्रवाई में 15 अफसरों और कर्मियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है. 7 अक्टूबर को बोकारो के नावाडीह में पंचायत की मुखिया के पति को योजना में घूस लेने पर गिरफ्तार किया गया. सितंबर में हजारीबाग के प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार कार्यालय में क्लर्क विकास कच्छप और लातेहार सदर हॉस्पिटल में फार्मासिस्ट परमानंद को पकड़ा गया. अगस्त में गढ़वा के कांडी हाई स्कूल की प्राचार्या विद्यानी बाखला और बड़कागांव की एक पंचायत की मुखिया और उनके, जुलाई में लोहरदगा आपदा प्रबंधन पदाधिकारी विभाकर, हजारीबाग में खासमहाल के कर्मी ओहदार तिर्की, लातेहार के बारियातू के एएसआई धीरेंद्र कुमार, जून में रांची के रातू थाने के दारोगा सत्येंद्र सिंह और रांची स्थित झारखंड मंत्रालय की सेक्शन ऑफिसर ममता एक्का आदि रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए थे.

ट्रेंडिंग न्यूज

पटना

बिहार में जहरीली शराब से पांच लोगों की मौत

बिहार के सीवान और सारण जिलों में जहरीली शराब पीने से पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं. बताया गया कि कौड़िया वैसी टोला गांव में उल्टी, सिरदर्द और पेट दर्द जैसे लक्षणों के साथ लोगों को इलाज के लिए भगवानपुर स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. इलाज के दौरान पांच लोगों की मौत हो गई.

दुबई

डिविलियर्स, कूक व नीतू हॉल ऑफ फेम में

आईसीसी ने एक बड़ा ऐलान किया है. उसने बुधवार को तीन नए दिग्गज क्रिकेटर्स को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है. इस बार ये सम्मान साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स, इंग्लैंड के एलिस्टर कूक के साथ भारतीय दिग्गज नीतू डेविड को मिला है.

नयी दिल्ली

वीआईपी सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी कमांडो

केंद्र सरकर ने आदेश दिया है कि सभी वीआईपी सिक्योरिटी ड्यूटी से एनएसजी कमांडो को हटा लिया जाए. क्योंकि इनका इस्तेमाल सिर्फ आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए किया जाएगा. जिन वीआईपी को बहुत ज्यादा खतरा है, उनकी सिक्योरिटी का कमान अब सीआरपीएफ के हवाले होगी.

कैबिनेट का फैसला — किसानों और कर्मचारियों को केंद्र सरकार ने दिया दिवाली गिफ्ट

गेहूं, चना समेत रबी की छह फसलों पर बढ़ाया एमएसपी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

किसानों को मोदी सरकार ने बुधवार को दिवाली पर बड़ा गिफ्ट दिया है. सरकार ने कैबिनेट की बैठक करके रबी फसलों की एमएसपी बढ़ा दी है. केंद्र सरकार ने 2025-26 सीजन के लिए रबी की 6 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की घोषणा की. इस फैसले के तहत अलग-अलग फसलों के एमएसपी में वृद्धि की गई है, जिससे किसानों को उनकी फसलों के बेहतर दाम मिल सकेंगे.

सरकार का यह कदम किसानों को उनकी फसलों के उचित मूल्य दिलाने के मकसद से उठाया गया है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, रबी फसलों की एमएसपी बढ़ाई गई है. किसानों के कल्याण से जुड़ा सबसे बड़ा फैसला लिया गया. सरकार की सोच स्पष्ट है और किसानों के कल्याण पर पूरा ध्यान है. रबी विपणन सत्र के लिए एमएसपी को मंजूरी दे दी गई है. इस प्रक्रिया में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है. सबसे बड़ी बात यह है कि कीमत लागत से 50% अधिक होनी चाहिए. किसानों के उत्थान के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी की गई है.

काशी में बनेगा सबसे बड़ा ब्रिज : मंत्री ने बताया कि बनारस का मालवीय पुल 137 साल पुराना हो चुका है और नया पुल बनाने का फैसला हुआ है. अश्विनी वैष्णव ने कहा, नए पुल में निचले डेक पर 4 रेलवे लाइनें होंगी और ऊपरी डेक पर 6-लेन राजमार्ग होगा. यातायात क्षमता के लिहाज से यह दुनिया के सबसे बड़े पुलों में गिना जाएगा. यह 2,642 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा.

नई अधिसूचना के अनुसार घोषित एमएसपी

- गेहूं का एमएसपी 2,425 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 2,275 था.
- **जौ का एमएसपी 1,980 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 1,850 था.**
- चना का एमएसपी 5,650 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 5,440 था.
- **मसूर (लेंस) का एमएसपी 6,700 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 6,425 था.**
- सरसों का एमएसपी 5,950 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 5,650 था.
- कुसुम (सफ्लॉवर) का एमएसपी 5,940 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 5,800 था.

केंद्रीय कर्मियों का बढ़ा महंगाई भत्ता

केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक में अहम फैसलों को मंजूरी दी है. देश के एक करोड़ के लगभग सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ा है. इस तरह केंद्र सरकार ने करीब 49 लाख कर्मचारियों और 60 लाख पेंशनधारकों का महंगाई भत्ता और महंगाई राहत यानी डीए और डीआर तीन फीसदी बढ़ाया है. त्योहारी सीजन में सरकार के कर्मचारियों के लिए तो सरकार ने कम से कम बंपर खुशियों का इंतजाम कर ही दिया है. दिवाली से पहले कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 50 फीसदी से बढ़ कर 53 फीसदी हो गया है और कैबिनेट बैठक में इस फैसले पर मुहर लगा दी गई है. सरकारी कर्मियों और पेंशनर्स को इस बार अक्टूबर की सैलरी में खूब बढ़ कर राशि मिलेगी क्योंकि महंगाई भत्ता एक जुलाई 2024 से लागू माना जाएगा.

हमें विकसित राष्ट्र बनने के लिए 10 करोड़ नौकरियां पैदा करनी होंगी : एन चंद्रशेखरन

एजेंसिंया। नयी दिल्ली

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की राह में नई नौकरियों को लाए जाने की बात कही है.

चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और देश को बढ़ते कार्यबल की रोजगार जरूरतों को पूरा करने के लिए 10 करोड़ नौकरियों का सृजन करने की जरूरत है. टाटा समूह देश में अधिक से अधिक विनिर्माण नौकरियां बनाने पर भी ध्यान दे रहा है, क्योंकि पूरा इकोसिस्टम भारतीय कंपनियों, विशेषकर 500,000 छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए कई अवसरों से भरा हुआ है. चंद्रशेखरन के अनुसार, टाटा समूह सेमीकंडक्टर, प्रिसिशन मैन्युफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में निवेश कर रहा है, इसलिए वह अगले पांच वर्षों में पांच लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा कर सकता है. सेमीकंडक्टर विनिर्माण जैसे क्षेत्र कई अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कर सकते हैं.

टाटा समूह 5 साल में 5 लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करेगा

विकसित राष्ट्र बनने के लिए नौकरियां जरूरी : भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, हमें विकसित राष्ट्र बनने के लिए 100 मिलियन नौकरियां पैदा करने की जरूरत है. देश में हर महीने लगभग दस लाख लोग कार्यबल में शामिल होते हैं, जिससे देश के भविष्य के विकास के लिए विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन आवश्यक हो जाता है. चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए निर्माण नौकरियों का सृजन अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, हम विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सकते, यदि हम निर्माण नौकरियां नहीं बना सकते.

एनडीए और इंडिया गठबंधन को चुनावी मैदान में पटखनी देने के लिए छोटे दल भी हुए सक्रिय

बड़े दलों के खेल बिगाड़ने को बेचैन छोटे दल

रेहान अहमद। रांची

चुनाव आयोग ने झारखंड में विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा कर दी है. दो चरणों में चुनाव होंगे. पहला चरण 13 नवंबर और दूसरा चरण 20 नवंबर को होगा. इस चुनाव में मुख्य मुकाबला बड़े दलों, यानी एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच होगा. एनडीए में भारतीय जनता पार्टी, आजसू पार्टी और जदयू शामिल हैं, जबकि इंडिया गठबंधन में झामुमो, कांग्रेस, राजद और वाम दल शामिल हैं.

इस चुनावी मुकाबले के मैदान में बड़ी संख्या में छोटे दल भी शतरंज के मोहरे की तरह बड़े दलों के प्रत्याशी को शिकस्त देने के लिए तैयार हो रहे हैं. इन छोटे दलों के नेता पहले एनडीए या इंडिया गठबंधन का समर्थन करते थे. इनके समर्थन से भी बड़े दलों को चुनाव में लाभ होता था, लेकिन छोटे-छोटे दलों के चुनावी मैदान में उतरने से भले ही इनका कुछ हो या ना हो, लेकिन ये बड़े दलों का चुनावी खेल बिगाड़ सकते हैं.

वीआईपी 20 से अधिक सीटों पर लड़ेगी : विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) विधानसभा चुनाव में 20 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी. प्रदेश अध्यक्ष प्रो राजकुमार चौधरी समेत उनकी पार्टी चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है.

झारखंड पार्टी 25 सीटों पर लड़ेगी : झारखंड पार्टी के महासचिव अशोक कुमार ने कहा कि आज विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की ओर से सात सीटों की घोषणा की गई है. उन्होंने बताया कि जल्द ही आगे की रणनीति भी घोषित की जाएगी और उनका लक्ष्य 25 सीटों पर चुनाव लड़ने का है.

जोहरा पार्टी दो सीटों पर लड़ेगी

जोहरा पार्टी के महासचिव कमलेश कुमार राय ने कहा कि वे विधानसभा चुनाव में हटिया और बोकारो से दो सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. हटिया से केंद्रीय अध्यक्ष विजय कुमार महतो और बोकारो से मनोज महली पार्टी के उम्मीदवार होंगे.

मुस्लिम लीग 20 सीटों पर लड़ेगी : इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के महासचिव मो शहाबुद्दीन ने कहा कि वर्तमान में राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से बातचीत चल रही है, और पार्टी 20 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है.

लोकहित अधिकार पार्टी 12 से अधिक सीटों पर लड़ेगी : लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू, प्रधान महासचिव मो अजहर आलम, प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाथ साहू, प्रदेश महासचिव संजय स्नेही, और प्रदेश मंत्री कुंज बिहारी साव की मौजूदगी में पार्टी ने अब तक 12 उम्मीदवारों की सूची विधानसभा चुनाव में मुकाबले के लिए जारी की है. पार्टी इससे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है.

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी 15 सीटों पर लड़ेगी : संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के संयोजक खालिद खलील ने कहा कि उनकी पार्टी की ओर से विधानसभा चुनाव में 4 सीटों पर चुनाव लड़ने की सूची जारी की गई है. पार्टी कुल 15 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जल्द ही अगली सूची जारी की जाएगी.

आंदोलनकारी मोर्चा, सीट नहीं तो रणनीति स्थापित करेंगे : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के पुष्कर महतो ने कहा कि उन्होंने इंडिया गठबंधन से कम से कम एक आंदोलनकारी को उम्मीदवार बनाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है. यदि बात नहीं बनती है, तो आगे की रणनीति तैयार की जाएगी.

सहमति नहीं बनी, तो सीपीआई 25 सीटों पर लड़ेगी : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के सचिव हरेंद्र पाठक और कार्यालय सचिव अजय सिंह ने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन के साथ सहमति बनती है, तो वे लोग साथ रहेंगे. अन्यथा, वे 25 सीटों पर चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं.

दस राजनीतिक दलों की पार्टी 'जनमत' 81 सीटों पर लड़ेगी

झारखंड के दस राजनीतिक दलों की पार्टी "जनमत" में शामिल हैं. झारखंड पीपुल्स पार्टी (अध्यक्ष पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा), झारखंड मुक्ति मोर्चा (उलगुलान) (अध्यक्ष पूर्व सांसद कृष्णा मार्डी), भागीदारी पार्टी (अध्यक्ष श्याम बिहारी प्रजापति), झारखंड पार्टी (होरो) (प्रभारी अलेस्टर बोदरा), आरपीआई (अम्बेडकर) (अध्यक्ष प्रीतम लोहरा), लोकजन समाज पार्टी (अध्यक्ष सतीश कुमार चतुर्वेदी), राष्ट्रीय जनक्रांति मोर्चा (अध्यक्ष मोलाना मोबीन रिजवी), बहुजन मुक्ति पार्टी (अध्यक्ष मुरलीधर राम), अखिल भारतीय मानव सेवा दल (अध्यक्ष शिव प्रसाद अग्रवाल) और आदर्श संग्राम पार्टी (अध्यक्ष गौतम भारती). इमाम सफी ने बताया कि जनमत की पूर्व प्रस्तावित पंचशील नामक घोषणापत्र पर चर्चा होगी, जिसमें सुशासन, सत्ता का विकेंद्रीकरण, पांच वर्षों में पांच मुख्यमंत्री, गांवों के सशक्तिकरण के लिए पांच करोड़ हस्तांतरण, जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं का विकास, और "अबूआ दिसुम आबुआ राज" (स्वराज) शामिल हैं. जनमत के सभी घटक दलों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में "जनमत" मजबूती से चुनाव लड़ेगी.

दोनों बड़े दलों से मांगा है उम्मीदवार, नहीं मिला तो करेंगे मुकाबला: वैश्य मोर्चा

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के मीडिया प्रभारी राहुल वैश्य ने कहा कि वैश्य मोर्चा ने एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों से अपने समाज के प्रत्याशी विधानसभा चुनाव में देने की मांग की है. यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया, तो मोर्चा मुकाबले के लिए मैदान में उतरने को बाध्य होगा.

चुनाव अपडेट

झारखंड में जनता दल यूनाइडेट को गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न मिला

जमशेदपुर। झारखंड में जनता दल (यू) गैस सिलेंडर के चुनाव चिन्ह पर विधानसभा चुनाव लड़ेगा. यह चुनाव चिह्न भारतीय जनतंत्र मोर्चा का था. भारतीय जनतंत्र मोर्चा का विलय जदयू में हो जाने के कारण निर्वाचन आयोग ने यह चुनाव चिह्न जदयू को आवंटित कर दिया है. इस प्रकार सरयू राय जमशेदपुर पश्चिम से चुनाव लड़ेंगे तो उनका चुनाव चिन्ह गैस सिलेंडर होगा. 2019 में जब उन्होंने जमशेदपुर से चुनाव लड़ा था, तब भी उनका चुनाव चिह्न गैस सिलेंडर ही था. गौरतलब है कि इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय की अंडर सेक्रेट्री जसमीत कौर ने 16 अक्टूबर 2024 को झारखंड के मुख्य चुनाव अधिकारी को पत्र लिखा है. इस पत्र में उन्होंने लिखा है कि झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में जदयू ने गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न आवंटित करने की मांग की थी. उनकी मांग के आलोक में आयोग ने जदयू को झारखंड में गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया है. उन्होंने पत्र में लिखा है कि जनता दल यूनाइटेड पार्टी बिहार, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में मान्यता प्राप्त पार्टी है, जहां उनका चुनाव चिन्ह तीर है.

- झारखंड के मुख्य चुनाव अधिकारी को निर्वाचन आयोग सचिवालय ने पत्र लिख कर दी सूचना

विधानसभा चुनाव में एनडीए में लोजपा को भी मिल सकती है एक सीट

बाबूलाल से मिले लोजपा सांसद अरुण भारती

रांची। एनडीए फोल्डर में शामिल लोजपा (रामविलास) को झारखंड विधानसभा चुनाव में एक सीट मिल सकती है. इस मसले को लेकर नयी दिल्ली में असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से लोजपा सांसद अरुण भारती ने मुलाकात की. जानकारी के अनुसार इन तीनों नेताओं के बीच सीट शेयरिंग पर भी चर्चा हुई, जिसमें एक सीट लोजपा को देने पर सहमति बनी. बताते चलें कि झारखंड विधानसभा चुनाव में एनडीए फोल्डर में आजसू, जदयू और लोजपा (रामविलास) मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं.

छह सीटों पर आजसू का रहा है जनाधार, चार सीटें ऐसी, जहां वोट बैंक ही नहीं

जहां जनाधार नहीं, वहां भी अपनी किस्मत आजमाएगी आजसू पार्टी

रवि भारती। रांची

सीट शेयरिंग में आजसू का प्रेशर पॉलिटिक्स काम नहीं आया. जानकारी के अनुसार, एनडीए फोल्डर में शामिल आजसू को 10 सीटें मिली हैं. इनमें से चार पाकुड़, डुमरी, मनोहपुर और लोहरदगा की सीटें ऐसी हैं, जहां आजसू का जनाधार नहीं रहा है. या यो कहा जाए कि इन सीटों पर आजसू की राह आसान नहीं है. इन सीटों पर झामुमो और कांग्रेस का दबदबा रहा है. अब इन सीटों पर आजसू अपनी किस्मत आजमाएगी. जानकारी के अनुसार आजसू के खाते में सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, जुगसलाई, मनोहरपुर, पाकुड़, डुमरी, मांडू, ईचागढ़ और लोहरदगा की सीटें आई हैं.

पाकुड़, डुमरी, मनोहपुर और लोहरदगा में आजसू की राह कठिन : जानकारी के अनुसार, आजसू के खाते में 10 में से चार सीटें पाकुड़, डुमरी, मनोहरपुर और लोहरदगा में पार्टी के लिए जीत की राह आसान नहीं होगी. बात करें पाकुड़ की, तो पिछले चार चुनाव में इस सीट पर तीन दफा कांग्रेस और एक बार झामुमो ने कब्जा जमाया है. डुमरी में पिछले चार चुनाव में झामुमो ने जीत हासिल की है. मनोहरपुर सीट से पिछले चार चुनाव में दो बार झामुमो, एक दफा भाजपा और एक दफा यूजीडीपी के उम्मीदवार ने जीत हासिल की है. वहीं लोहरदगा सीट से दो बार आजसू और दो बार कांग्रेस ने जीत हासिल की है.

पाकुड़, डुमरी, मनोहरपुर और लोहरदगा में रहा है कांग्रेस और झामुमो का दबदबा

क्या है आजसू का राजनीतिक सफर

2019 के चुनाव में आजसू अकेले 53 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन केवल दो सीटें ही जीत पाई. सिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से सुदेश महतो ने और गोमिया से लंबोदर महतो ने चुनाव जीता. बाद में हुए रामगढ़ उपचुनाव में आजसू को जीत मिली और सीटें बढ़ कर तीन हो गईं.

2014 का विधानसभा चुनाव आजसू और भाजपा ने साथ मिल कर लड़ा था, उसका फ़ायदा दोनों पार्टियों को मिला था. भाजपा ने 37 और आजसू पार्टी ने पांच सीटें जीतीं. गठबंधन ने कुल 42 सीटें जीतकर सरकार बनायी थी.

2019 विधानसभा चुनाव
डुमरी : बेबी देवी (झामुमो)
लोहरदगा : डॉ रामेश्वर उरांव(कांग्रेस)
मनोहरपुर : जोबा मांझी(जेएमएम)
पाकुड़ : आलमगीर आसम (कांग्रेस)

2014 विधानसभा चुनाव
डुमरी : जगन्नाथ महतो(झामुमो)
लोहरदगा : कमल किशोर भगत (आजसू)
मनोहरपुर : जोबा मांझी (झामुमो)
पाकुड़ : आलमगीर आलम(कांग्रेस)

2009 विधानसभा चुनाव
डुमरी : जगन्नाथ महतो (झामुमो)
लोहरदगा : कमलकिशोर भगत(आजसू)
मनोहरपुर : गुरुचरण नायक(बीजेपी)
पाकुड़ : अकील अख्तर (झामुमो)

2005 विधानसभा चुनाव
डुमरी : जगन्नाथ महतो(झामुमो)
लोहरदगा : सुखदेव भगत(कांग्रेस)
मनोहरपुर : जोबा मांझी(यूजीडीपी)
पाकुड़ : आलमगीर आलम(कांग्रेस)

परिवार भी टूटा, सीट भी हाथ से फिसला

एनडीए फोल्डर में शामिल आजसू को सीट शेयरिंग में तगड़ा झटका लग सकता है. इससे परिवार भी टूटेगा और एक सीट भी हाथ से निकल जाएगा. बड़कागांव सीट से दावेदारी कर रहे रौशनलाल चौधरी को भाजपा से टिकट देने की बात चल रही है. चर्चा है कि वे भाजपा में शामिल होकर इस सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. आजसू के आला नेताओं ने भी इसकी पुष्टि की है. भाजपा नेताओं का मानना है कि किसी भी सिंबल से चुनाव लड़े, सीट गठबंधन के खाते में ही आएगी. बताते चलें कि रौशन लाल चौधरी गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के बड़े भाई हैं. वे बड़कागांव सीट से कई दफा चुनाव सड़ चुके हैं.

कई नेताओं के टूट सकते हैं दिल

एनडीए के घटक दल आजसू में भी कई नेताओं के दिल टूटेंगे. पार्टी को अलविदा भी कह सकते हैं. खासकर चंदनक्यारी विधानसभा सीट से दावा ठोंक रहे पूर्व मंत्री उमाकांत रजक टिकट की आस में बैठे हैं. इधर भाजपा के सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने साफ कर दिया है कि चंदनक्यारी सीट भाजपा की सीटिंग सीट है. वहीं उमाकांत ने हर हाल में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है.सूत्रों के अनुसार, वे झामुमो के टिकट से चुनाव लड़ सकते हैं. वहीं आजसू के शिवपूजन मेहता हुसैनाबाद सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं लेकिन इस सीट से वर्तमान विधायक कमलेश सिंह भाजपा में शामिल हो गए हैं.

भाजपा ने ओबीसी और अनुसूचित जाति को जमकर छला है : राजद

संवाददाता। रांची

प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि झारखंड निर्माण के बाद भाजपा ने राज्य में ओबीसी को 27 से 14 और अनुसूचित जाति की 15 से 10 फीसदी आरक्षण में कटौती कर बहुसंख्यक समाज का मौलिक अधिकार छीनने का काम किया है. इसका दंश आज तक बहुसंख्यक ओबीसी, एससी की करीब 75 फीसदी आबादी झेल रही है. इस कारण अब तक 20 लाख युवा बेरोजगार हुए हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड निर्माण के बाद तत्कालीन राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने बाबूलाल मरांडी ने जदयू- आजसू के साथ एनडीए सरकार चलायी. इस दौरान उन्होंने कई जनविरोधी निर्णय लिए, जिससे राज्य और यहां के वाशिंदों का अहित ही हुआ. डोमिसाइल लागू कर लोगों को आपस में लड़वाने का काम किया. ओबीसी और अनुसूचित जाति के आरक्षण में कटौती कर बहुसंख्यक आबादी को पीछे धकेलने का काम किया. राज्य में विगत पांच वर्षों से झामुमो, राजद व कांग्रेस की महागठबंधन सरकार ने कई जनसरोकार के कार्य कर लोगों की जनाकांक्षाओं को पूरा करने का काम किया है. किसानों की दो लाख रु तक की ऋण माफी, बिजली बिल माफी, 200 यूनिट तक बिजली बिल माफ, मंईयां सम्मान योजना, छात्रवृत्ति और गंभीर बीमारी के लिए राशि निर्गत करने जैसे कार्य किए हैं.

> बाबूलाल मरांडी ने डोमिसाइल लागू कर लोगों को आपस में लड़ाने का काम किया था

झारखंड पार्टी 20 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, पांच उम्मीदवारों की घोषणा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड पार्टी राज्य के 20 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी. पार्टी प्रमुख एनोस एक्का ने बुधवार को पांच सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. रांची के कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मनोहरपुर से महेंद्र जमुदा, सिमडेगा से आयरिन एक्का, चाईबासा से कोलंबस हांसदा, कांके से अनिल कुमार पासवान और कोलेबिरा से संदेश एक्का का उम्मीदवार बनाया गया है.

दो दिन बाद बची हुई सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा होगी : एनोस एक्का ने बताया कि दो दिनों के बाद बची हुई सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी. उन्होंने कहा कि झारखंड के हित की बात करने वाले और समान विचारधारा वाले दलों से भी गठबंधन किया जाएगा. जो भी नई सरकार बनेगी, उसमें झारखंड पार्टी की भूमिका अहम होगी.

राजकुमार मुंडा ने झापा ज्वाइन की : कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक स्वर्गीय रमेश सिंह मुंडा के बड़े पुत्र राजकुमार मुंडा ने अपने समर्थकों के साथ झारखंड पार्टी का दामन थाम लिया. बताते चलें कि राजकुमार मुंडा के भाई विकास मुंडा झामुमो से विधायक हैं. इस बार वे तमाड़ से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं.

> नयी सरकार के गठन में झारखंड पार्टी की भूमिका होगी अहम : एनोस

झामुमो को है बैद्यनाथ राम पर पूरा भरोसा

क्या फिर से जीत दिला पाएंगे बैद्यनाथ राम?

आशीष टैगोर। लातेहार

झारखंड में चुनाव की तिथियों का एलान हो चुका है. कुल दो चरणों में झारखंड में चुनाव कराये जाएंगे. लातेहार जिले के लातेहार व मनिका विधानसभा सीट में पहले चरण में ही 13 नवंबर को चुनाव संपन्न कराया जाएगा. चुनावों की तिथियों का ऐलान होते ही राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है. झामुमो कोलातेहार विधानसभा सीट से सिटिंग विधायक बैद्यनाथ राम पर पूरा भरोसा है, ऐसे में बैद्यनाथ झामुमो के टिकट पर दोबारा चुनाव लड़ेंगे, ऐसा तय माना जा रहा है. बता दें कि साल 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर बैद्यनाथ राम झामुमो में शामिल हो गये थे और चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचे थे. लेकिन यहां यह भी बताना आवश्यक है कि झारखंड अलग राज्य बनने के बाद लातेहार विधानसभा सीट से अब तक कोई विधायक लगातार दूसरी बार जीत का सेहरा अपने सिर नहीं बांध सका है. क्या बैद्यनाथ राम झामुमो के भरोसे पर खरा उतर पाएंगे और क्या इस मिथक को तोड़ पाएंगे, इसे लेकर यहां चर्चाओं का बाजार गर्म है.

प्रकाश राम को 16,328 मत से हराया था : पिछले 2019 के विधानसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो झामुमो के बैद्यनाथ राम ने भाजपा के प्रकाश राम को 16,328 मतों से हराया था. बैद्यनाथ राम को कुल 76,507 और प्रकाश राम को 60,179 मत मिले थे. साल 2019 के विधानसभा चुनावों में 2,69,835 मतदाताओं में से कुल 1,81,967 मतदाताओं ने वोट दिया था. यह 67.44 % था. बैद्यनाथ राम ने 42.04 % और प्रकाश राम ने 33.07 % वोट हासिल किया था. उस वर्ष के चुनाव में झामुमो का वोट % 27.67 और भाजपा का वोट 5.35 % बढ़ा था.

लातेहार से कोई विधायक लगातार दोबारा नहीं चुना गया

अब तक दो ही लोग बन पाए हैं विधायक

झारखंड गठन होने के बाद से लातेहार विधानसभा क्षेत्र से मात्र दो ही लोग विधायक चुने गये हैं. एक हैं बैद्यनाथ राम तो दूसरे प्रकाश राम. एक-दो चुनावों को छोड़ कर हमेशा बैद्यनाथ राम और प्रकाश राम के बीच ही जोर आजमाइश होती रही है. झारखंड गठन के बाद पहली बार साल 2000 में विधानसभा चुनाव हुए. इस चुनाव में जदयू के बैद्यनाथ राम राजद के प्रकाश राम को हरा कर विधानसभा में पहुंचे. 2005 के विधानसभा चुनाव में राजद के प्रकाश राम ने जेएमएम के रामदेव गंझू को हराया था. जदयू के बैद्यनाथ राम तीसरे स्थान पर रहे थे. 2009 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के बैद्यनाथ राम ने एक बार फिर राजद के प्रकाश राम को हराया. साल 2014 के चुनावों में जेवीएम के प्रकाश राम ने भाजपा के ब्रजमोहन राम को हराया था. उस वर्ष बैद्यनाथ राम चुनाव नहीं लड़े थे. साल 2019 में बैद्यनाथ राम झामुमो के टिकट से चुनाव लड़े और भाजपा के प्रकाश राम को पराजित कर दिया था.

बैद्यनाथ राम

गीता कोड़ा, सोनाराम सिंकु और लक्ष्मी सुरेन लड़ सकते हैं चुनाव

जगन्नाथपुर में त्रिकोणीय मुकाबला के आसार

शैलेश सिंह। किरीबुरु

झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से बतौर भाजपा प्रत्याशी के रूप में पूर्व सांसद गीता कोड़ा, इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में विधायक सोनाराम सिंकु को टिकट मिलने की संभावना अधिक है. इसके अलावे झामुमो से जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन भी इंडिया गठबंधन से प्रत्याशी बनने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है. लेकिन अब देखना है कि जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस अथवा झामुमो से सोनाराम सिंकु अथवा लक्ष्मी सुरेन इंडिया गठबंधन की संयुक्त प्रत्याशी होते हैं. इनके अलावे पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा ने भी इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी बनने के लिए 14 व 15 अक्टूबर तक रांची में डेरा डालकर झामुमो व कांग्रेस के कई बडे.नेताओं व मंत्रियों से मुलाकात की है. हालांकि वे झामुमो अथवा कांग्रेस के प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं. इसके बावजूद वे इस विश्वास के साथ टिकट की आस में हैं कि बीते लोकसभा चुनाव में उन्होंने खुलकर सारी ताकत झोंक जोबा माझी को सांसद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. अगर उन्हें इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी नहीं बनाया जाता है तो वे निर्दलीय भी चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा कर चुके हैं. ऐसी स्थिति में जगन्नाथपुर सीट पर भाजपा की संभावित प्रत्याशी पूर्व सांसद गीता कोड़ा, इंडिया गठबंधन से कांग्रेस विधायक सोनाराम सिंकु या झामुमो से लक्ष्मी सुरेन तथा पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा के बीच रोचक त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है. मंगल सिंह बोबोंगा निश्चित ही बतौर निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में इंडिया गठबंधन को भारी नुकसान पहुंचाकर परंपरागत वोट बैंक में सेंधमारी कर सकते हैं. मंगल सिंह बोबोंगा के साथ पूर्व प्रत्याशी सन्नी सिंकु, जयारानी पाडेय़ा, झारखंड आंदोलनकारियों की टीम समेत कई चर्चित चेहरे साथ देते नजर आ रहे हैं.

दूसरी तरफ विधायक सोनाराम सिंकु ने भी अपना जनाधार व वोट बैंक में भारी इजाफा किया है. सारंडा जैसे क्षेत्र में उन्होंने अपनी ताकत बढ़ाई है. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के चुनाव में मंगल सिंह बोबोंगा झाविमो की टिकट पर चुनाव लडे.थे और वे 20,893 वोट प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे थे. पहले स्थान पर कोड़ा दम्पती समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी सोनाराम सिंकु 32,499 वोट पाकर रहे थे. भाजपा प्रत्याशी सुधीर सुंडी 16,450 वोट के साथ तीसरे स्थान, आजसू प्रत्याशी मंगल सिंह सोरेन 14,222 वोट के साथ चौथे स्थान पर रहे थे. इनके अलावा निर्दलीय लक्ष्मी सुरेन 6,617 को वोट, एआईटीसी से सन्नी सिंकु को 5,062 वोट, निर्दलीय मानसिंह तिरिया को 4,415 वोट, जयारानी पाडेय़ा को 2,489 वोट, जगजीवन केराई को 1,709 वोट, जयसिंह सिंकु को 1,539 वोट, राजेश सिंकु को 1,396 वोट, सोनु कुंकल को 1,155 वोट, अमित कुमार लागुरी को 1,020 वोट मिले थे.

गीता कोड़ा

सोनाराम सिंकु

लक्ष्मी सुरेन

तापमान
29.4° अधिकतम | 21.6° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 ● आश्विन पूर्णिमा, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 187 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

विधानसभा चुनाव 2019 में भाजपा-आजसू के अलग-अलग लड़ने का सीधा नुकसान हुआ था एनडीए को, यूपीए की एकजुटता ने दिलाई थी जीत

41.83% वोट लाकर भी हारा था एनडीए, 35.35% वोट पाकर यूपीए ने जीती थी 47 सीटें

कौशल आनंद। रांची

इस बार के विधानसभा चुनाव की आबो-हवा बदली-बदली सी नजर आ रही है. पिछली बार एनडीए के प्रमुख दल खंड-खंड में विभक्त होकर चुनाव लड़े थे, जिसका खमियाजा भाजपा और आजसू दोनों को उठाना पड़ा था. मगर इस बार वह बात नहीं है. गत विधानसभा चुनाव में मिले वोट और मत प्रतिशत पर गौर करें तो केवल भाजपा और आजसू को क्रमश 33.37 और आजसू को 8.10 प्रतिशत वोट मिले थे, जिसका कुल प्रतिशत 41.83 है. इसके बाद भी भाजपा केवल 25 और आजसू दो सीट जीत पाई और सत्ता से बाहर हो गई. वहीं तत्कालीन यूपीए गठबंधन की बात करें तो झामुमो, कांग्रेस और राजद ने मिल कर मजबूती से चुनाव लड़ा, वोट प्रतिशत एनडीए से कम मिलने के बावजूद 47 सीट लाकर

- इस बार कितनी राह आसान होगी इंडिया ब्लॉक के लिए, एनडीए के तीन प्रमुख दल भाजपा, आजसू और जदयू लड़ रहे साथ-साथ चुनाव

सत्ता के शिखर तक पहुंच गया. चूंकि इस बार एनडीए पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहा है. जिसमें भाजपा, आजसू और जदयू भी शामिल हैं. इतना ही नहीं पिछले विधानसभा में चुनाव 5.45 फीसदी मत प्राप्त करने वाली पार्टी झाविमो का विलय भी भाजपा में हो चुका है यानी अगर इसे जोड़ दिया जाए तो एनडीए का वोट प्रतिशत बढ़कर 47.28 तक पहुंच जाता है, हालांकि गत विधानसभा चुनाव में यह कहा जा रहा था कि बाबूलाल मरांडी की पार्टी झाविमो भाजपा की बी टीम बन कर चुनाव लड़ रही थी. फंडिंग भी भाजपा के द्वारा ही हुई थी.

कितनी कारगर होगी हेमंत सोरेन की मास्टर स्ट्रोक स्कीम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोरोना के बाद करीब ढ़ाई साल में एक से बढ़ कर मास्टर स्ट्रोक स्कीम लाए. जिसमें सबसे चर्चित मंईयां सम्मान योजना प्रमुख है, जिसके तहत अगस्त माह से महिलाओं को एक-एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं, इतना ही इसमें ऐड ऑन करते हुए मुख्यमंत्री इसकी उम्र सीमा का दायरा बढ़ाते हुए 18 साल से 50 वर्ष करके बालिकाओं को इससे जोड़ दिया. अंतिम कैबिनेट की बैठक में भाजपा की गोगो दीदी योजना 2100 रुपए को टक्कर देने के लिए 2500 रुपया कर दिया. इसके अतिरिक्त 39 लाख बिजली कंज्यूमरों की पुरानी बिल माफी, 200 यूनिट तक फ्री बिजली स्कीम, अबुआ आवास योजना सहित कई ऐसी स्कीम लाए, जो मास्टर स्ट्रोक के रूप में देखा जा रहा है. फिर भी पिछली बार की तरह इस बार राह आसान नहीं दिख रही है. क्योंकि इस बार एनडीए ब्लॉक एकजुट होकर चुनाव लड़ रहा है.

2019 चुनाव में विभिन्न दलों व गठबंधन को प्राप्त मत प्रतिशत इस प्रकार रहा

राजनीतिक दल	प्राप्त हुए मत	प्रतिशत	सीट
यूपीए			
झामुमो	28,17442	18.72	30
कांग्रेस	20,88,863	13.88	16
राजद	4,13,167	2.75	01

यूपीए को कुल प्राप्त मत : 53,19,472

प्राप्त मत प्रतिशत : 35.35

47 कुल विजयी सीट

राजनीतिक दल	प्राप्त हुए मत	प्रतिशत	सीट
एनडीए			
भाजपा	50,22,374	33.37	25
आजसू	12,19,535	8.10	02
झाविमो	8,20,757	5.45	03

एनडीए कुल प्राप्त मत : 70,62,666

प्राप्त मत प्रतिशत : 47.28

30 कुल विजयी सीट

नोट : झाविमो गैर यूपीए और गैर एनडीए फोल्डर से चुनाव लड़ा था. जिसमें बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव और बंधु तिर्की की जीत हुई थी. हेमंत सरकार गठन के समय झाविमो ने यूपीए को समर्थन दिया, मगर तीन महीने बाद ही बाबूलाल मरांडी झाविमो का विलय भाजपा में करते हुए खुद शामिल हो गए. जबकि प्रदीप यादव और बंधु तिर्की कांग्रेस में शामिल हो गए. दल बदल का मामला अब भी स्पीकर न्यायाधिकरण में फैसला विचाराधीन है.

ब्रीफ खबरें

गुमला में हाइवा ने बाइक सवार समेत तीन को रौंदा

गुमला। टैंसेरा स्कूल के समीप तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार तीन लोगों को रौंद दिया, जिसमें मुरकुंडा ढिढौली टोली की सालो देवी, पोढ़ा टोली के शनिचर बड़ाइक और उसकी पत्नी रोहिता की मौत हो गई. सालो देवी अपने भाई शनिचर के घर मेहमानी गई थी. टैंसेरा मोड़ के पास स्कूटी से बाइक की टक्कर हुई, जिससे बाइक सवार तीनों रोड पर जा गिरे. तभी तेज रफ्तार हाइवा तीनों को रौंदते हुए निकल गई. ग्रामीणों ने गुमला राउरकेला मार्ग को जाम कर दिया. प्रशासन द्वारा आश्वासन के बाद शाम जाम खुला. पुलिस छानबीन कर रही है.

ब्रह्मदेव की गाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर, ड्राइवर की मौत

विश्रामपुर(पलामू)। बीती देररात सड़क हादसे में इनोवा की ट्रक से भीषण टक्कर हो गई. हादसा गया के पास स्थित ताराचंडी, बाराचट्टी थाना नामक स्थान पर हुआ. गाड़ी से ओबीसी एकता अधिकार मंच के अध्यक्ष और बिश्रामपुर के विधायक प्रत्याशी ब्रह्मदेव प्रसाद, मंतोष व विजय शर्मा रांची से गया जा रहे थे. गाड़ी को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मारी, जिससे ड्राइवर विजय की मौके पर ही मौत हो गई. ब्रह्मदेव व मंतोष गंभीर रूप से घायल हो गए. ब्रह्मदेव की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना रेफर कर दिया गया है. उनका इलाज जारी है.

पड़वा और हरिहरगंज में भारी मात्रा में शराब जब्त

मेदिनीनगर। विस चुनाव को लेकर चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान पड़वा व हरिहरगंज पुलिस ने भारी मात्रा में शराब जब्त की है. पड़वा पुलिस ने एक बोलेरो मैक्सी ट्रक से रायल स्टैग का 29 कार्टन व ऑफिसर च्वाइस की 68 कार्टून में 3264 पीस शराब जब्त की.वहीं हरिहरगंज पुलिस ने बोलेरो से 216 बोतल व केन बीयर (गॉड फादर) का 48 केन बरामद किया गया है. इस संबंध में हरिहरगंज थाना कांड सं.-141/2024 दर्ज कर विधिवत कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

झामुमो ने एक ही जिले में दो अलग-अलग तिथि में चुनाव कराने को बताया कुटिल प्रयास

भाजपा-इलेक्शन कमीशन बंटी व बबली की भूमिका में : सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने इलेक्शन कमीशन पर भाजपा के इशारे में काम करने आरोप लगाया है. कहा कि जिस प्रकार बंटी और बबली मूवी में दोनों की जोड़ी ताजमहल बेच देते थे, उसी प्रकार भाजपा और इलेक्शन कमीशन बंटी और बबली की भूमिका निभाते हुए जम्हूरियत और लोकतंत्र को प्रभावित करना चाहते हैं. अगर झारखंड के इलेक्शन शिड्यूल पर बारीकी से नजर डाली जाए, तो कमाल की कुटिल नीति चली गयी है.

झारखंड विधानसभा की पटकथा असम में लिखी गयी, मुहर दिल्ली भाजपा मुख्यालय में लगी और इलेक्शन कमीशन ने उसे केवल जारी किया. आखिरकार एक ही जिले में दो अलग-अलग तिथियों में चुनाव कराने का निर्णय क्यों हुआ. क्या ये लोग ही बहुत अधिक बुद्धिमान और शातिर हैं और देश में सारे बेवकुफ. ऐसा नहीं है. मांडू, रामगढ़, खिजरी और सिल्ली की चुनाव तिथि पर नजर डाली जाए तो सारी तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी. ये विधानसभाएं निकट की विधानसभा के चौहद्दी को छूती हैं. अगर सिल्ली और खिजरी की बात करें तो वह तमाड़, ईचागढ़, हटिया सहित कई विधानसभा को प्रभावित करती हैं. इसी तरह से मांडू और रामगढ़ की बात करें तो इसकी सीमा कांके, हजारीबाग, बड़कगांव, गिरिडीह, कोडरमा विधानसभा की टच करती है. यानी की स्पष्ट है कि चुनाव के दिन निकट के वैसे विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की सभा कराई जाए, ताकि जहां चुनाव है, वहां उसे प्रभावित किया जा सके. ये बातें झामुमो के महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में बुधवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

कहा : वोटिंग के दिन निकट की विधानसभा सीट पर मोदी-शाह की सभा कराकर जम्हूरियत को प्रभावित करने का प्रयास

इलेक्शन कमीशन से मांग : एक जिले में एक ही दिन हो मतदान, सभी स्टार प्रचारकों को मिले समान सुविधा और अवसर

हरियाणा में चंडीगढ़ मेयर इलेक्शन जैसी चालाकी की इलेक्शन कमीशन ने

सुप्रियो ने इलेक्शन कमीशन की साख पर सवाल उठाते हुए कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में चंडीगढ़ मेयर इलेक्शन जैसी चालाकी की गयी. ऐसी चालाकी लोकसभा चुनाव में भी की गयी. चाहे वह वोट गिनती में बढ़ोतरी का हो फिर ईवीएम मशीन चार्जिंग का. इसके तहत 70 सीटें प्रभावित की गयीं. सुप्रियो ने सीधा सवाल करते हुए कहा कि कोई भी बैटरी वाला उपकरण हम चलाते हैं तो सात से आठ घंटे के बाद उसकी बैटरी कम होती है, आखिरकार हरियाणा विधानसभा चुनाव में इतने घंटे मशीन चलने और उपयोग होने के बाद कई इवीएम की बैटरी कम क्यों नहीं हुई. यह बड़ी चालाकी और खेला था इलेक्शन कमीशन का. कई ऐसे सवाल हैं जिससे आने वाले दिनों में इलेक्शन कमीशन को जुझना पड़ेगा. सुप्रियो ने भाजपा और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह अब भी केंद्रीय एजेंसियों और संस्थाओं को अपने हिसाब से संचालित करना छोड़ दे और उन्हें निष्पक्ष तरीके से काम करने की आजादी दे. फिर हम बंटी और बबली की जोड़ी से सामना करने को पूरी तरह से तैयार हैं.

हमारे स्टार प्रचारकों को भी मिले समान सुविधा और समान अवसर

उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में न जनता मूर्ख है न राजनीतिक दल या नेता. इतनी सी चालाकी तो हम लोग भी भाजपा से सीख ही गए हैं. सुप्रियो ने कहा कि चुनाव में सभी राजनीतिक दलों ओर प्रत्याशियों को समान अवसर प्रदान होना चाहिए. अगर भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह स्टार प्रचारक हैं, नो फ्लाइंग जोन घोषित हो सकता है तो हमारे नेता भी हमारे दलों के स्टार प्रचारक हैं. इसलिए इलेक्शन कमीशन सभी दलों, सभी नेताओं और सभी प्रत्याशियों को समान अवसर एवं सुविधा प्रदान करे.

झारखंड में सरकार बदलने का समय आ चुका : मेघवाल

संवाददाता। धनबाद/मैथन

- चिरकुंडा और धनबाद में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रबुद्धजन सम्मेलन
- हेमंत पर किए कड़े प्रहार, कहा झारखंड को चाहिए डबल इंजन की सरकार

झारखंड में चुनावी बिगुल बजने के साथ भाजपा चुनावी मैदान में जोरशोर से उतर गई है. बुधवार को चिरकुंडा टाउनहाल और धनबाद के हीरापुर अग्रसेन भवन में भाजपा एससी मोर्चा द्वारा आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में केंद्रीय कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्य सरकार पर खूब तीर चलाए. कहा कि झारखंड में झामुमो-कांग्रेस की जो सरकार है, उसने केवल लोगों को छलने का काम किया है. पिछले चुनाव में किया एक भी वादा पूरा नहीं किया. इसको बदलने का समय आ चुका है.

उन्होंने कहा कि सभा में जिस तरह से महिलाएं मौजूद हैं. साफ जाहिर है कि चुनाव में महिलाओं की भूमिका अहम होगी. केंद्र की मोदी सरकार गरीब असहायों के लिए है. सरकार ने नारी को वंदन करने का मौका दिलाया है. अटके हुए बिल को संसद से पास कराकर इतिहास रचा है. मेघवाल ने कहा कि हरियाणा चुनाव में अनुसूचित जाति के लोगों ने अहम भूमिका निभाते हुए विजयी दिलाई है. इसके बाद सभी दलों की नजर इस जाति के वोटरों पर टिकी है. इसलिए आपलोगों को सजग रहना है और एकजुट होकर भाजपा के लिए वोट करना है. जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को मोदी सरकार ने हटाकर पूर्ण रूप से भारत के अभिन्न अंग बनाने का काम किया है. इससे पहले मंत्री मेघवाल हेलीकॉप्टर से केएफएस मैदान पहुंचे. जहां पर विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने उनका स्वागत किया.

केंद्र के फंड का करते हैं डायवर्सन मुख्यमंत्री : मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बैठक से प्रेस वार्ता भी की. उन्होंने कहा कि भाजपा का चुनावी एजेंडा गुड गवर्नेन्स और विकास है. क्योंकि भाजपा का सुशासन पर विश्वास है व विकास ही प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि जहां डबल इंजन की सरकार है वहां विकास की गति बढ़ी है और गुड गवर्नेन्स तेजी से आया है. इसलिए आपको अगर सही मायने में झारखंड में विकास चाहिए तो भाजपा का शासन आवश्यक है. केंद्र से मिलने वाले फंड का दूसरे दल के सीएम अपने नाम से योजना चलाने के लिए डायवर्सन शुरू कर देते है. जैसे झारखंड सरकार केंद्र से मिलने वाली पेंशन की सारी योजनाओं को बंद कर मंइयां सम्मान योजना लेकर आई. यह गवर्नेंस मॉडल नहीं है.

गवर्नेंस मॉडल का मतलब जो सारी योजनाएं चल रही हैं, वो चलें. लेकिन जो नई योजनाएं राज्य सरकार द्वारा शुरू की जा रही हैं, उसके लिए पहले प्रॉपर फाइनेंशियल मैनेजमेंट किया जाए. कहा कि 2014 से नरेंद्र मोदी की सरकार ने फंड देने में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया. गड़बड़ दूसरे दल के मुख्यमंत्री करते हैं, जो अपने नाम से योजनाएं चलाते हैं.

रांची सीट पर महुआ माजी पिछले एक साल से हैं सक्रिय, लगा रहीं पूरा जोर

इधर, कांग्रेस के कई दावेदार पोस्टर वार में जुटे

रांची। चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद सियासी हलचल तेज है. सभी पार्टियां चुनाव की तैयारियों में लगी हैं. सीट बंटवारे को लेकर भी मंथन चल रहा. वहीं रांची सीट को लेकर करीब-करीब तय है कि यह झामुमो की ही रहेगी. हालांकि इंडिया गठबंधन में अब तक ऑफिशियली सीट शेयरिंग नहीं हुई है. मगर इस सीट को लेकर दावेदार अपने-अपने तरीके से तैयारी में जुटे हैं और पार्टी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है.

कांग्रेस की ओर से ये हैं प्रमुख दावेदार : रांची से झामुमो की प्रबल दावेदार डॉ. महुआ माजी महीनों से तैयारी में जुटी हैं. अपने पुराने कैडर को चुस्त-दुरुस्त करने में जुटी हैं, दुआ-सलाम भी जारी है. शहर में विगत एक साल से ही पोस्टर उनकी शोभा बढ़ा रहे हैं. मगर दूसरी तरफ कांग्रेस के दावेदार ने सोशल मीडिया पर पोस्टरबाजी शुरू कर दी है. इसमें युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश सिन्हा सन्नी सबसे आगे हैं. कांग्रेस की ओर से प्रमुख दावेदारों में राजेश सिन्हा के अलावा प्रदेश महासचिव राजेश गुप्ता, आदित्य विक्रम जायसवाल, कुमार राजा, रोहित सिंह शामिल हैं. राजेश तो इतने आगे बढ़ चुके हैं कि चुनाव की घोषणा के पूर्व ही कैडरों के साथ कई बैठक करके अपनी दावेदारी को मजबूत करने में जुट गये थे. वहीं चुनाव घोषणा होते ही सन्नी ने सोशल मीडिया में पोस्टर जारी किया है, जो चर्चा का विषय बना हुआ है. अब रांची सीट किसके खाते में जाती है, इसका इंतजार सभी को है.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र, कहा

पंडरा में दर्ज केस की जांच करे सीबीआई, ताकि निष्पक्ष हो चुनाव

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा है. पत्र में मरांडी ने आग्रह किया है कि पंडरा में दर्ज केस की जांच सीबीआई से कराई जाए. पत्र में आगे लिखा है कि कथित वकील सुजीत कुमार पर ईडी को मैसेज करने के नाम पर अफसरों से ठगी का आरोप लगाया गया है.

पुलिस अफसर कर रहे उगाही: पत्र में लिखा है कि जांच अधिकारी इस मामले का उपयोग कई अधिकारियों से भारी मात्रा में धन उगाही कर रहे. अधिकारियों के निर्देश पर विपक्षी दलों को फंसाने के लिए इस केस को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है. इसके पीछे सत्ता पक्ष के लोग काम कर रहे हैं.

पैसे का इस्तेमाल चुनाव के लिए किया जा रहा : बाबूलाल ने पत्र में लिखा है कि ईडी के नाम पर धोखाधड़ी से जो राशि अर्जित की गई है, उसका इस्तेमाल चुनाव के लिए किया जा रहा है. कई सरकारी अफसर जांच के दायरे में हैं, उन्हें चुनाव के दौरान मतदान का प्रबंधन करने और चुनाव के दौरान उनके एजेंट के रूप में कार्य करने की धमकी दी जा रही है. इस मामले में पुलिस ने संजीव पांडे और वकील सुजीत कुमार को गिरफ्तार किया है.

उन्हें विभिन्न थानों में छिपा कर रखा गया है. बाबूलाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त से आग्रह किया है कि पुलिस एसीबी से इस मामले को सीबीआइ में स्थानांतरित किया जाना चाहिए, ताकि चुनाव निष्पक्ष और उचित तरीके से हो सके.

तैयारी

झारखंड में अपनी तरफ से चुनाव तैयारी में जुट गयी है पुलिस, सुरक्षा रहेगी चाक-चौबंद

चुनाव को लेकर 63 बड़े नक्सलियों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गयी है. राज्य में दो चरणों में चुनाव होगा. पहले चरण का मतदान 13 नवंबर और दूसरे चरण का 20 नवंबर को होगा. वहीं चुनाव परिणाम 23 नवंबर को आयेंगे. तारीखों की घोषणा के बाद झारखंड पुलिस भी चुनावी तैयारियों में जुट गयी है, ताकि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो सके.

इसे लेकर झारखंड पुलिस की नजर 63 बड़े नक्सलियों पर रहेगी. चुनाव आयोग के निर्देश पर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने को लेकर झारखंड को 100 कंपनी अर्द्धसैनिक बल मिल गया है. इनमें सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसएसबी और आइटीबीपी शामिल हैं. इन बलों को राज्य के सभी 24 जिलों में तैनात किया जाएगा.

इन 63 बड़े नक्सलियों पर रखी जाएगी नजर : झारखंड पुलिस की नजर 63 बड़े नक्सलियों पर रहेगी. इनमें राजू यादव, गुलशन उरांव, विरेंद्र गंझू, जितेंद्र सिंह, अकेला, शिवराज, प्रभात, लवलेश गंझू, कुंदन खेरवार, पप्पू शर्मा, मृत्युंजय, रविंद्र गंझू, छोटू खेरवार, मनोहर गंझू, मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, चमन, रघुनाथ हेंब्रम, अजय महतो, संजय महतो, साहेबराम मांझी, अमोद मोदक,साधु चरण, सुलेमान हांसदा, राहुल चंपिया, सागेन अंगरिया, सालुका कायम, सामएल बूढ़, सहेंद्र यादव, करीम, आक्रमण गंझू और ब्रजेश गंझू, फिरोज अंसारी और अनिल तुरी,लालचंद्र हेंब्रम, कुंवर मांझी, रणविजय महतो,प्रयाग मांझी, मोछू, रामप्रदास मारडी, पांचा उरांव, बलराम लोहरा, मार्टिन केरकेट्टा,राजू भुइया, पंकज कोरवा,कृष्णा यादव, जयंती, गुलशन मुंडा, अमित मुंडा,सहदेव सोरेन, बिरसेन गंझू, सहदेव महतो,बिरेन सिंह, प्रभात मुंडा, आरिफ, गोदराय यादव और रविंद्र यादव शामिल हैं.

झारखंड में अब सिर्फ चाईबासा जिला है घोर नक्सल प्रभावित

झारखंड का एकमात्र जिला चाईबासा है, जो देश के घोर नक्सल प्रभावित 12 जिलों में शामिल है. केंद्रीय गृह मंत्रालय के वामपंथ उग्रवाद डिविजन ने अप्रैल 2024 में देशभर की नक्सल समस्या से ग्रस्त जिलों की सूची जारी की थी. इसमें नौ राज्यों के 38 जिले शामिल थे. इनमें झारखंड के पांच जिलों (गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा और चाईबासा) को नक्सल प्रभावी जिला माना गया था.

राज्य में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया था लोकसभा चुनाव

बता दें कि झारखंड में लोकसभा चुनाव 2024 शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया था. झारखंड पुलिस ने अपनी विशेष रणनीति के बल पर नक्सलियों की तमाम हिंसा की साजिश को नाकाम कर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराया था. अब झारखंड पुलिस के सामने विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने की चुनौती है. झारखंड पुलिस का मानना है कि चुनाव में नक्सली हिंसा पुरानी बात हो गयी है. विधानसभा चुनाव में भी झारखंड पुलिस बेहतर काम करेगी.

लोहे के हथियार के साथ छह अपराधी गिरफ्तार, गये जेल

संवाददाता। लातेहार

जिले के एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर मनिका पुलिस ने हथियारों के साथ छह अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. एसडीपीओ भरत राम ने मनिका थाने में प्रेसवार्ता में बताया कि एसपी को सूचना मिली कि कुछ अपराधी उग्रवादी संगठनों के नाम पर संवेदकों व व्यापारियों से लेवी मांग रहे हैं. किसी बड़ी तैयारी में हैं.

सूचना के बाद एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम का गठन हुआ. इसमें मनिका थानेदार शशि कुमार व अन्य जवान शामिल थे. टीम के सदस्यों ने रेड कर मनिका थाना क्षेत्र के जुंगुर ग्राम से अनिल यादव, सागर यादव, अखिलेश, मिथिलेश, शिवानंद उर्फ शिव, जावेद अंसारी को गिरफ्तार किया है. उनकी निशानदेही पर जंगल में तालाब से राइफलनुमा लोहे का चार हथियार व एक देसी कट्टा बरामद किया. आठ एमएम के चार कारतूस, छह मोबाइल और चार वर्दी बरामद की गई है. राम ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से संगठन बना कर इनके द्वारा सरकार द्वारा चलायी जा रही विकास योजनाओं से ठेकेदार से लेवी वसूलने का काम करते थे. गिरफ्तार लोगों के ऊपर विभिन्न थानों में मामले भी दर्ज हैं. अनिल यादव पहले भी पलामू से गिरफ्तार हो कर जेल जा चुका है. इस संबंध में मनिका थाना कांड संख्या 65 / 2024 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

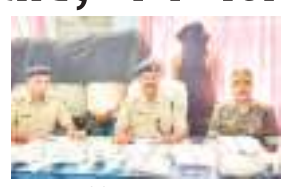

जानकारी देते एसडीपीओ.

ब्रीफ खबरें

बालूमाथ व बारियातू थाना प्रभारियों ने दिया योगदान

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ थाना के नए थाना प्रभारी के रूप में अमरेंद्र कुमार ने यहां अपना योगदान दिया. जबकि पूर्व थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय को लातेहार जिला मुख्यालय बुलाया गया है. नव पदस्थापित थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार रांची जिले के ठाकुर गांव में थाना प्रभारी के रूप में कार्य कर चुके हैं. अमरेंद्र कुमार ने कहा कि उनका क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखना प्राथमिकता होगी. योगदान देने के पश्चात बालूमाथ थाना के कई पुलिस अवर निरीक्षक और सहायक पुलिस अवर निरीक्षक के साथ पुलिस कर्मियों ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया.

डॉ. अमित को सीडीपीओ का अतिरिक्त प्रभार

पाटन (पलामू)। पाटन के प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉक्टर अमित कुमार झा को सीडीपीओ का अतिरिक्त प्रभार मिला है. पाटन के सीडीपीओ अनिता कुमारी का स्थानांतरण लातेहार के सदर में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के पद पर हो गया, जहां पाटन कार्यालय में सीडीपीओ अनिता कुमारी ने पाटन बीडीओ डॉ. अमित कुमार झा को पदभार सौंपा. वहीं सीडीपीओ का अतिरिक्त पदभार ग्रहण किया.

पार्टियों के बैनर और पोस्टर हटवाए

पाटन (पलामू)। पाटन प्रखंड के अंचलाधिकारी सह सहायक निर्वाची निबंधन पदाधिकारी राकेश कुमार श्रीवास्तव ने पाटन चौक, कु डवा समेत अन्य जगहों पर लगाए गए बैनर, पोस्टर को अपने नेतृत्व में हटवाया. आदर्श आचार संहिता लागू होते ही प्रखंड प्रशासन रेस हो गया है. चुनाव आयोग के आदेशों का पालन कराने को लेकर प्रशासन सक्रिय है. मौके पर राजस्व कर्मचारी सीमा कुमारी, प्रकाश राम, अंचल अनुसेवक ददन पासवान समेत कई लोग मौजूद थे.

राशन गबन की उच्च स्तरीय जांच हो: पवन

पंडवा (पलामू)। पंडवा प्रखंड अंतर्गत भाकपा माले पलामू जिला कमेटी मेंबर पवन विश्वकर्मा ने कहा कि बीते दिन राशन से संबंधित कई समस्याएं सुनने को मिल रही हैं. पेपर व अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर पंडवा प्रखंड अंतर्गत लगभग 15 हजार क्विंटल गबन का मामला कुछ दिन पूर्व प्रकाश में आया है. उन्होंने ने इस मामला को उजागर करते हुए कहा कि कार्डधारियों का जो आरोप है, बिल्कुल सत्य है. उन्होंने ने कहा कि पूरे सिस्टम की घोर लापरवाही की वजह से यह दिन देखना पड़ रहा है. इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए.

मतदाता जागरूकता अभियान चलाया

लातेहार। आसन्न विधानसभा चुनाव मे शत प्रतिशत मतदान के लिए नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर नगर पंचायत कर्मियों ने स्वीप कार्यक्रम के तहत शहर के कइ इलाकों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया. उन्होने लोगों से स्वयं मतदान करने एवं दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करने की अपील की. नगर प्रबधंक जया लक्ष्मी भगत ने मतदाताओं से कहा कि एक सशक्त लोकतंत्र के लिए शत प्रतिशत मतदान जरूरी है. जितना अधिक मतदान होगा हमारा लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा. उन्होने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवक व युवतियों से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की अपील की.

इंडिया गठबंधन धर्म का पालन करे झारखंड सरकार : विकास गौड़

सपा को 11 सीट दें, वरना 81 पर लड़ेंगे चुनाव : रंजन यादव

संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड विधानसभा चुनाव के बिगुल बजते ही राजनीतिक दलों में टिकट को लेकर व सीट शेयरिंग को लेकर माथापच्ची शुरू हो गयी है. इसी के तहत समाजवादी पार्टी यूपी के पूर्व मंत्री विकास गौड़ व झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव ने संयुक्त रूप से बुधवार को कृष्णा इन होटल में संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता की. यूपी के पूर्व मंत्री विकास गौड़ ने केंद्र सरकार व झारखंड सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि ये दोनों सरकार निकम्मी साबित हुई है. जनता के सुख सुविधा को नकारते हुए लोक लुभावन चुनावी घोषणा कर लोगों को बरगलाने का काम किया जा रहा है. झारखंड सरकार आदिवासियों की हितों की रक्षा करने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है. उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में देश स्तर पर इंडिया गठबंधन का गठन किया गया, जिसके तहत केंद्र में सत्तासीन दलों को छोड़कर देश के लगभग सभी राजनीतिक दल एक मंच पर आकर लोकसभा चुनाव को अपनी अपनी क्षमता के अनुसार लड़ने का काम किया. आज विधानसभा चुनाव झारखंड में होने जा रहा है. इसमें झारखंड के इंडिया गठबंधन दल के घटक संगठन गठबंधन धर्म का पालन करते हुए सपा को सम्मानजनक सीट दे. यदि ऐसा नहीं किया गया तो समझा जायेगा कि झारखंड में इंडिया गठबंधन धर्म का पालन नहीं हो रहा है. ऐसी स्थिति में सपा अपना निर्णय लेने को स्वतंत्र होगा. वहीं प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव ने कहा कि झारखंड के इंडिया गठबंधन दलों के लोग सपा को भी 11 सीट दे, वरना राज्य के सभी 81 सीटों पर सपा अपना उम्मीदवार खड़ा करने को बाध्य होगा. श्री यादव ने कहा कि झारखंड में मेरा कोई भी प्रतिनिधित्व करनेवाला विधायक नहीं है. इसके बावजूद भी सरकार के कार्यों पर हमेशा सहयोग करने का काम किया है. यदि हमें छोटा समझा गया तो आगामी परिणाम बुरा होगा. प्रेस वार्ता में सपा के युवा प्रदेश अध्यक्ष अभिनव कुमार, जिलाध्यक्ष मोहन यादव समेत कई लोग शामिल थे.

किसी प्रत्याशी की 10 लाख से ज्यादा निकासी पर सूचना जरूर दें

बैंकों को एकमुश्त राशि निकासी में सचेत रहने की जरूरत: डीसी

संवाददाता। लातेहार

बैंक के शाखा प्रबंधकों के साथ बैठक में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में अग्रणी बैंक प्रबंधक एवं जिले में संचालित सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों के साथ बैठक का आयोजित की गयी. बैठक में उपायुक्त ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है. ऐसे मे बैंकों को संदेहास्पद राशि के निकासी एवं एक खाता से अन्य खाता में राशि हस्तांतरण के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है. यदि ऐसा कोई मामला संज्ञान में आता है तो शाखा प्रबंधक अविलंब निर्वाचन व्यय अनुश्रवाण कोषाग को इसकी सूचना उपलब्ध करायें. बैठक में बैंकों के शाखा प्रबंधकों को बताया गया चुनाव व्यय के लिए प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अलग बैंक खाता चेकबुक सहित खोला जाना है. जिसके लिए सभी शाखा प्रबंधकों को एतद क्रम में सभी उम्मीदवारों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध करायेगें. उन्होंने संदेहास्पद लेन-देन की सूचना इंफोर्समेंट एजेंसी को भी देने की बात कही. कहा कि किसी प्रत्याशी या उसके प्रतिनिधि के द्वारा अगर 10 लाख रुपये से उपर की निकासी हो तो इसकी सूचना तुरंत व्यय कोषांग और आयकर विभाग को उपलब्ध करायें. उन्होंने एटीएम वैन के परिवहन के संदर्भ में गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्गत एसओपी का अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया. बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा, जिला कोषागार पदाधिकारी निहारिका वर्मा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, एलडीएम विजय मंदिलवार व आइसीआइसीआई बैंक के शाखा प्रबंधक ऋतुरंजन समेत कई बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे.

फेक और पेड न्यूज पर रखनी है नजर: डीडीसी

लातेहार। मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) की एक बैठक वरीय प्रभारी सह उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में श्री सिंह ने मीडिया प्रमाणन व मीडिया प्रबंधन से संबंधित तथ्यों की चर्चा की और कमेटी के सदस्यों को उनके दायित्व व कार्यों से अवगत कराया. उन्होंने चुनावों के द्वारा प्रिंटिंग, इलेक्ट्रानिक एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फेक और पेड न्यूज पर नजर रखने की बात कही. चुनावों के दौरान प्रत्याशियो के छपने वाले विज्ञापनों पर भी नजर रखने एवं इसका कतरन व्यय कोषांग को भेजने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि एमसीएमसी कोषांग को दायित्व महत्वपूर्ण है. श्री सिंह ने एमसीएमसी कोषांग के सदस्यों से परिचय प्राप्त किया और अपने कार्यों को पूरी तन्यमता के साथ करने का निर्देश दिया. उन्होंने कार्मिक, प्रशिक्षण एवं अन्य कोषांगों से समन्वय स्थापित कर कार्यों को करने का निर्देश दिया. जिला सूचना पदाधिकारी डॉ. चंदन को उन्होने विभिन्न संचिकाओं को खोल कर संधारण करने की बात कही. बैठक में डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी चंदन, एपीआरओ सुधा राज आदि मौजूद थे.

मतदाता जागरूकता अभियान में करें सहयोग: डीपीआरओ

लातेहार। आसन्न विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान कराने एवं मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वीप नोडल पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन के द्वारा सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के साथ बैठक की गयी. इस दौरान उन्होने मतदाताओं को जागरूक करने में सहयोग करने की अपील की. उन्होंने कहा कि इंफ्लुएंसर की यह बैठक हमें वोट प्रतिशत बढ़ाने, युवा मतदाताओं को प्रेरित करने के साथ-साथ कम मतदान वाले क्षेत्रों में विभिन्न इंटरनेट मीडिया मंचों पर प्रचार और प्रसार में हमारी मदद करेगी. आगे उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया एक बहुत ही शक्तिशाली एवं प्रभावशाली प्लेटफॉर्म है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और वाट्सएप के बड़ी संख्या में उपयोगकर्ता हैं. इस दौरान कई इनफ्लुएंसर ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए सभी ने अपने-अपने विचारों को रखा. संगीत, रील्स व ब्लागर के माध्यम से तो किसी ने लघु फिल्म के माध्यम से जागरूक करने का सुझाव दिया. मौके पर सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी सह सोशल मीडिया पदाधिकारी सुधा राज के अलावा जनसंपर्क कार्यालय के राकेश मिश्रा, सूर्यतनय सिंह, दीपक कुमार और मुर्शीद आदि मौजूद थे.

मोहम्मदगंज में राजनीतिक दल के पोस्टर-बैनर हटाए गए

मोहम्मदगंज। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी चुनाव की तिथि की घोषणा के बाद पूरे झारखंड में आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है. इसे लेकर बुधवार की दोपहर दो बजे हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के हुसैनाबाद नगर पंचायत की कई जगह से अविलंब पोस्टर बैनर हटाने का निर्देश जारी किया है. इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी तर्निश कुमार ने नगर पंचायत कर्मियों से शहर के मुख्य चौक चौराहों पर लगे पोस्टर बैनर को हटाए. उन्होंने आदेश देते हुए कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के हर गली मोहल्ले में राजनीतिक दल व सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए पोस्टर बैनर को हटा लें अन्यथा उनके विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

कमलेश एनएफडी-20 टूर्नामेंट के लिए राजस्थान गये

लातेहार। डीसीसीआई द्वारा चौथा नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी टी-20 टूर्नामेंट उदयपुर, राजस्थान में होगा. झारखंड समेत 24 राज्य के दिव्यांग खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. झारखंड दिव्यांग क्रिकेट टीम में लातेहार जिले के मनिका प्रखंड के बंदुवा पंचायत के ग्राम पलहेया से दिव्यांग कमलेश उरांव का भी चयन किया गया. कमलेश उरांव ने बताया कि 14 सितंबर को रांची के धुर्वा मैदान में दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों का ट्रायल हुआ था, जिसमें उनका सेलेक्शन हुआ है. क्रिकेटर उरांव ने झारखंड की दिव्यांग टीम के साथ रवाना हो गए हैं.

एसडीओ ने की राजनीतिक दलों के साथ बैठक, दिये कई निर्देश

संवाददाता। हैदर नगर

हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी डॉ कृष्ण कांत कनवाडिया ने बुधवार को 12 बजे दिन में सभी राजनीतिक दल के अलावा हुसैनाबाद प्रखंड के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के साथ अनुमंडल कार्यालय के सभागार में बैठक की. बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी कृष्णकांत कनवाडिया ने कहा कि चुनाव की तारीख की घोषणा हो गई है. उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कोई भी मतदान केंद्र पर मतदाता वोट देने के लिए कतार में खड़े हैं तो वह अपना मतदान कर के ही लौटेंगे. मतदान पूर्ण होने के बाद ही मतदान कर्मी घोषणा कर मतदान बंद करेंगे. उन्होंने बैठक के दौरान यह भी कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा, जिससे केंद्र पर उपस्थित सभी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता पर पैनी नजर रखी जाएगी. अगर कैमरा में गड़बड़ी करते देखा गया तो उनके विरुद्ध कार्रवाई होना तय है. मतदान केंद्र के दो सौ मीटर के इर्द-गिर्द किसी भी पार्टी का झंडा या बैनर दिखाई दिया तो उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी. बैठक में मुख्य रूप से एलआरडीसी गौरांग महतो, अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार के अलावा कांग्रेस नेता नवल किशोर पाठक, राजद खुर्शीद अहमद, सुंदरेश्वर राम, बसपा के अजय भारती, भाजपा के राम राज मेहता, शिव पुजन गुप्ता, राजेश सिंह, मनोज शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे.

कठौतिया माइंस चालू कराने की मांग

संवाददाता। मेदिनीनगर

एचआर प्रबंधक अरूप बनर्जी को ज्ञापन देते राकेश कुमार व अन्य.

जनता मजदूर संघ कठौतिया कोल माइंस हिंडाल्को इंडस्ट्रीज इकाई के संयोजक सह लोजपा (रामविलास) के पलामू जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों का एक प्रतिनिधिमंडल युवा मजदूर नेता महाराणा प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कठौतिया कोल माइंस के एचआर प्रबंधक अरूप बनर्जी से मिला. साथ ही उन्हें मांग पत्र सौंपकर माइंस को चालू कराने की मांग की. मांग पत्र में कहा गया है कि कठौतिया कोल माइंस विगत नवंबर 2023 से बंद पड़ा है, जिससे प्रभावित क्षेत्र के सैकड़ो मजदूरों की स्थिति खराब हो गयी है. माईंस बंद होने के कारण कार्यरत कर्मचारी, ठेका श्रमिक, ट्रांसपोर्टिंग कार्य में कार्यरत कर्मी आदि बेरोजगार हो गए हैं. स्थानीय लोगों ने अपने पूर्वजों की जमीन प्रोजेक्ट के लिए समर्पित कर प्रोजेक्ट एवं प्रभावित क्षेत्र के उज्जवल भविष्य का सपना संयोजा था कि क्षेत्र का चौमुखी विकास होगा. इस दौरान अनुरोध किया गया कि बंद पड़े माईंस को जल्द से जल्द चालू कराया जाय. प्रतिनिधिमंडल में रामप्रवेश पासवान, विवेक कुमार सिंह, मुन्नालाल पासवान, संतोष कुमार सिंह, चंदन पांडेय समेत श्रमिक शामिल थे.

महायज्ञ

सिंगरा में चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में परिक्रमा के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

अंतिम क्षण तक कर्म का त्याग नहीं करना चाहिए: जीयर स्वामी

संवाददाता। मेदिनीनगर

यज्ञशाला में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़.

सिंगरा में चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के चतुर्थ दिन श्रीमद्भागवत कथा-प्रवचन के दौरान श्री लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामीजी महाराज ने कहा कि सृष्टि में कोई भी व्यक्ति बिना कर्म किए नहीं रह सकता. शास्त्रों में मुख्य रूप से तीन प्रकार के कर्म बताए गए हैं जिनमें एक होता है क्रियमाण कर्म, जिसका फल इसी जीवन में हमें तुरंत प्राप्त हो जाता है. दूसरा संचित कर्म, जिसका फल बाद में मिलता है. तीसरा होता है प्रारब्ध कर्म जो व्यक्ति के भाग्य और जीवन का निर्माण करते हैं. यदि विपरीत परिस्थितियों में भी लोग सुखी रहकर मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे होते हैं तो इसका श्रेय उनके संचित कर्म को जाता है. स्वामी जी महाराज ने कहा कि अपने विचारों पर नियंत्रण रखो, नहीं तो वह विचार तुम्हारा कर्म बन जाएंगे और अपने कर्मो पर नियंत्रण रखो, नहीं तो वह कर्म तुम्हारा भाग्य बन जाएंगे. पुरुषार्थी और कर्मठशील व्यक्ति को हमेशा अपने कर्म में अंतिम क्षण तक रहना चाहिए. कर्म का त्याग कभी नहीं करना चाहिए.भगवान् श्रीकृष्ण की महिमा का वर्णन करते हुए स्वामीजी ने कहा कि द्वारिकापुरी में धन -बल, पद-प्रतिष्ठा, रूप-वैभव, ऐश्वर्य, यश-कीर्ति भी अपूर्व है थी. किसी चीज की कमी नहीं थी. केवल एक चीज की कमी हो गई वह है धर्म, महात्मा, धर्म शास्त्र के वाक्यों पर शब्दों पर अश्रद्धा, अविश्वास हो गई.

यज्ञ की पूर्णाहुति आज

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक वैदिक मंत्रोचार के साथ आहुति और स्वाहा वेद मंत्र, ऋत्विक से यज्ञशाला यज्ञमय हो गया है. श्रद्धालुओं के काफी भीड़ उमड़ रही है. महायज्ञ के चौथे दिन श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही. वहीं प्रवचन सुनने को लेकर भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे. बुधवार को सुबह पांच बजे से ही परिक्रमा करने वालों की हुजूम उमड़ पड़ा. पुलिस प्रशासन और यज्ञ समिति के महिला-पुरुष वोलेंटियर को भीड़ संभालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी.

सनातन धर्मप्रेमी सिंगरा यज्ञ में पहुंचे

पांडू। पांडू क्षेत्र के सनातन धर्म प्रेमी लोगों ने सिंगार श्रीश्री 1008 श्री जीयरस्वामी जी महाराज के चातुर्मास यज्ञ सह धर्म सम्मेलन में करमडीह, पांडू, मुसिखाप, महुगावां, डाला, झरना, ढांचा बार, तिसिबार, वृद्ध खैरकुटुमू सहित अन्य गांव के लोग पहुंचे. सभी ने यज्ञशाला की परिक्रमा की. सभी ने श्रीश्री 1008 श्री जीयरा स्वामी जी महाराज के दर्शन किये. वहीं स्वामी जी महाराज ने सभी सनातन धर्मालंबियों को प्रसाद व महाप्रसाद लेने का आग्रह किया. सभी ने प्रवचन पंडाल में राम कथा भी सुनी.

न्यूज अपडेट

झारखंड आंदोलनकारी के निधन पर शोक की लहर

मुरली प्रसाद (फाइल फोटो)

चंदवा (लातेहार)। पलामू प्रमंडल के दिग्गज झारखंड आंदोलनकारी एवं समाजसेवी बरवाडीह प्रखंड निवासी मुरली प्रसाद के निधन पर स्थानीय लोगों ने शोक प्रकट किया है. चंदवा के झारखंड आंदोलनकारी जितेंद्र सिंह, राजीव कुमार उरांव व धनेश्वर उरांव समेत झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य सह जिला प्रवक्ता दीपू कुमार सिन्हा ने गहरा शोक व्यक्त किया. उन्होंने दिवगंत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. श्री सिन्हा ने कहा कि मुरली प्रसाद पलामू प्रमंडल के प्रमुख झारखंड आंदोलनकारी रहे हैं. झारखंड अलग राज्य बनाने के लिए उन्होंने अपने परिवार तक की परवाह नहीं की और तीव्र संघर्ष व आंदोलन किया. उनके नेतृत्व में पलामू प्रमंडल से सैकड़ों लोगों ने झारखंड आंदोलन में भाग लिया और अपनी भागीदारी निभाई. वे आजीवन गरीबों एवं वंचितों की सेवा में लगे रहे. उनका जीवन सभी राजनीति करने वाले लोगों और समाजसेवियों के लिए प्रेरणादायक व अनुकरणीय है.

किस्त भुगतान के लिए भटक रहे छतरपुर के लाभुक

मेदिनीनगर। छतरपुर नगर पंचायत के दर्जनों लाभुकों ने अपने आवास निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है. बावजूद उन्हें अंतिम किस्त का भुगतान नहीं किया जा रहा है. इसे लेकर लाभुक इधर-उधर भटक रहे हैं. खास कर जिन्होंने कर्ज लेकर घर बनाया है, उनके लिए यह आवास सरदर्द बन चुका है. कई ऐसे भी लाभुक हैं, जिन्हें आवास आवंटन होने के बाद से अब तक किसी भी किस्त का भुगतान नहीं हो पाया है. इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता सह नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष प्रत्याशी अरविंद गुप्ता चुनमुन ने कहा कि इसे लेकर कार्यपालक अधिकारी और सिटी मैनेजर को एक ज्ञापन सौंपा है जिसमें आवास पूर्ण कर चुके लाभुकों को अविलंब किस्तों का भुगतान किए जाने की मांग की गई है. सिंगल विंडो सिस्टम की व्यवस्था कर पीएम आवास के लाभुकों की समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि पहली, दूसरी व तीसरी किस्त के लिए लाभुक नगर कार्यालय का चक्कर लगाकर परेशान हैं, लेकिन नगर पंचायत की उदासीनता से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है. उन्होंने नगर पंचायत के अधिकारियों से आग्रह किया है कि लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें अन्यथा नगरवासी बाध्य होकर आंदोलन को विवश होंगे.

चुनावों की घोषणा होते ही प्रशासन हरकत में

बालूमाथ (लातेहार)। झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार चुनाव संहिता लागू हो गयी है. इसके बाद प्रशासनिक महकमा पूरी तरह से सक्रिय हो गया है. बुधवार को बालूमाथ अंचल अधिकारी विजय कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव, सर्किल इंस्पेक्टर परमानंद बिरुवा ने संयुक्त रूप से आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के उद्देश्य से सरकारी बिल्डिंग, सार्वजनिक स्थानों पर लगे विभिन्न राजनीतिक दलों के झंडे और बैनरों को हटवाया. प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गया है. सभी राजनीतिक दलों को निर्देशित किया गया है कि 72 घंटे के अंदर सार्वजनिक स्थानों से झंडा व बैनर हटा लें.आदेश की अवहेलना पर विधि सम्मत कार्यवाही की जाएगी. उन्होंने बताया कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए कैश, शराब एवं अन्य अवैध गतिविधियों के रोकथाम के लिए बालूमाथ स्थित शहीद चौक में अस्थाई चेकनाका लगाया गया है. यहां 24 घंटे दंडाधिकारी की देख रेख में जांच का कार्य किया जाएगा.

उपवास पर रहे स्टेशन मास्टर, बैज लगा किया कार्य

मेदिनीनगर। विभिन्न मांगों के समर्थन में ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन के केंद्रीय पदाधिकारियों के आह्वान पर बरवाडीह से गढ़वा रोड स्टेशन के सभी स्टेशन मास्टरों ने बुधवार को सुबह 10 बजे से उपवास में रहकर ड्यूटी की. डालटनगंज स्टेशन पर स्टेशन मैनेजर ने डिमांड बैज लगा कर काम किया. इसके साथ मांगों से संबंधित ज्ञापन पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम के नाम सौंपा और उनसे मांगों को पूरा कराने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया है. उपवास पर रहकर कार्य करने वालों में स्टेशन अधीक्षक अनिल कुमार द्विवेदी, लक्ष्मण ऊरांव, श्रवण सिंह, अमृतेश कुमार, भीम कुमार, मनीष केरकेट्टा, अजय कुमार एक्का, उमेश कुमार, शशांक शेखर, सुधीर कुमार, जयंत कुमार, बेंजामिन लकड़ा, नमंती सोसन कुजुर, संजीव कुमार सिंह, सबीर, इंद्रजीत राम, संजय कुमार, आशीष रंजन, बिनोद कुमार, मिथुन कुमार पासवान, सतीश कुमार, सुमन बैठा, आदि स्टेशन मास्टर शामिल हैं. स्टेशन प्रबंधक अनिल कुमार द्विवेदी ने कहा कि स्टेशन मास्टर सदैव भारतीय रेलवे के जरिए देश के लिए काम करता है लेकिन उनकी भी कई समस्याएं हैं.

भूखे पेट सोने वालों की संख्या में नहीं आई है कमी: मोर्चा

मेदिनीनगर। बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में विश्व खाद्य दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. गोष्ठी की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने कहा कि विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को दुनिया भर में हर साल मनाया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है. इस दिवस को मानते हुए 35 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है. यह संख्या आज भी तेजी से बढ़ती जा रही है. आज विश्व में कई ऐसे लोग हैं, जो भुखमरी से जूझ रहे हैं। विश्व के करीब 2 अरब 30 करोड़ आबादी को भुखमरी का सामना करना पड़ रहा है, भारत सरकार भी हर व्यक्ति तक भोजन की पहुंच और विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना एवं अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रम चलाती है, इस मामले में विकासशील या विकसित देशों में किसी तरह का कोई फर्क नहीं है, उन्होंने कहा कि विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया गया है और इसमें 80 प्रतिशत लोग विकासशील देशों में रहेंगे. ऐसे में किस तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए यह बड़ा प्रश्न है. इस अवसर पर संजीत कुमार, दीपक कुमार, सूरज कुमार, जयपाल मोची, कृष्णा राम संतोष विश्वकर्मा, राम नरेश महतो, नानक सिंह, मनोज सिंह आदि उपस्थित थे.

युवाओं ने निकाली आक्रोश रैली, लगाए नारे

नीलांबर-पीतांबरपुर / तरहसी। 75 पांकी विधानसभा क्षेत्र के नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड के सैकड़ों युवाओं ने आक्रोश रैली निकाली. रैली विधायक आवास तक गयी. वहां युवाओं ने कहा, हमें जवाब चाहिए. पांच साल का कार्यकाल में हमारे नेता जी जो कार्य किए हैं, उसका हिसाब चाहिए, युवा के रोजगार के लिए युवाओं के विकास कुछ भी कार्य नहीं किया गया. युवाओं रोजगार के लिए आज दर-दर कर भटकते रहे हैं और दूसरे दूसरे जगह पर जाने को मजबूर हो जाते है जैसे मुंबई दिल्ली हरियाणा पंजाब जाने को मजबूर हैं. उन्होंने कहा था कि रोजगारों के लिए नयी-नयी फैक्ट्री इंडस्ट्री खुलवाएंगे, एक भी कार्य नहीं किया. आज मजबूरी में हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं.

लोहरदगा : अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट

सीटीसीए,जीटीपीएस व नदिया हाई स्कूल ने दर्ज की जीत

- एसएस पब्लिक स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाए

संवाददाता । लोहरदगा

जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित अंडर 16 स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में तीन मुकाबला आयोजित हुआ. जिसमें पहला मैच एसएस पब्लिक स्कूल कुटमू बनाम सीटीसीए के बीच में खेला गया. इस मैच में एसएस पब्लिक स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 57 रन ही बना सकी. इधर टीम की ओर से शीर्ष ने 30 रन बनाए. वहीं सीटीसीए टीम के तरफ से प्रिंस ने तीन विकेट अनिरुद्ध ने दो विकेट तथा आर्यन सिंह ने तीन विकेट लिए. यहां पर जवाबी पारी खेलने उतरी सीटीसीए की टीम एक विकेट के नुकसान पर 9 ओवर में 60 रन बना लिया. इस बीच टीम के तरफ से अर्जुन ने 22 तथा सुशांत ने नाबाद 19 रन बनाए. इस मैच को सीटीसीए की टीम 9 विकेट से जीत ली.

इस टूर्नामेंट का दूसरा मैच चुन्नीलाल हाई स्कूल व जीटीपीएस के बीच में खेला गया. जिसमें जीटीपीएस की टीम टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया. इस बीच चुन्नीलाल हाई स्कूल की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए. इधर टीम की ओर से सोनू ने सर्वाधिक 42 रन इरफान ने 24 तथा कुणाल साहू ने 13 रन बनाया. वहीं जीटीपीएस की टीम की ओर से बोलिंग में आयुष ने दो विकेट जैगम खान ने एक विकेट लिए. यहां पर जवाबी पारी खेलने उतरी जीटीपीएस की टीम 16 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 154 रन बना लिया. इस बीच टीम के तरफ से जागृत ने 42 रन तथा आयुष और जैगम ने 16-16 रन बनाए. चुन्नीलाल हाई स्कूल की टीम के तरफ से बोलिंग में वंश ने दो विकेट तथा आयुष और सुमित ने एक विकेट लिया. इस मैच को जीटीपीएस की टीम तीन विकेट से जीत लिया.

प्रतिभावान खिलाड़ी को पुरस्कृत करते अतिथिगण.

इसी तरह तीसरा मैच नदिया हाई स्कूल बनाम डीएवी पब्लिक स्कूल के बीच में हुआ. जिसमें नदिया हाई स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाया. इधर टीम की ओर से विवेक ने 38 तथा रंजीत ने 37 रन बनाए, डीएवी के टीम के तरफ से बॉलिंग में उज्ज्स और आदित्य ने एक-एक विकेट लिए. यहां पर जवाबी पारी खेलने उतरी डीएवी की टीम 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 80 रन ही बना सकी. इस बीच टीम के तरफ से अथर्व साहू ने 28 रन बनाए, वहीं नदिया स्कूल के तरफ से बॉलिंग में मनीष उरांव तीन विकेट तथा रंजीत महली ने दो विकेट लिए, इस मैच को नदिया हाई स्कूल 77 रन से जीत लिया.

ब्रीफ खबरें

बच्चे का जपला रेलवे स्टेशन पर किया रेस्क्यू

पलामू । पूर्व मध्य रेलवे के जपला रेलवे स्टेशन पर मंगलवार रात आरपीएफ ने एक 12 वर्षीय बच्चे का रेस्क्यू किया है. बच्चा बिहार के जहानाबाद का रहने वाला है. बुधवार सुबह 10 बजे आरपीएफ बच्चे को लेकर मेदिनीनगर पहुंची और बाल कल्याण समिति पलामू को सौंप दिया. बच्चे को बाल गृह में रखा गया है. काउंसलिंग के बाद परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की जाएगी. जानकारी के अनुसार, रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मीणा के निर्देशन में सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र प्रताप यादव और उमेश राम के साथ प्रधान आरक्षी दिनेश कुमार, प्लेटफार्म संख्या-03 पर गश्त कर रहे थे. इस दौरान लगभग 20:50 बजे उन्होंने 12 वर्षीय रोहित राज को अकेले भटकते हुए देखा और उससे पूछताछ की.

ग्रामीणों ने बीडीओ को दिया आवेदन

कांडी । प्रखंड अंतर्गत बलियारी पंचायत में मनरेगा योजनाओं में डिमांड नहीं लगाने को लेकर दर्जनों ग्रामीणों ने डीसी को संबोधित आवेदन बीडीओ को सौंपा है. जिसमें कहा गया है कि बीपीओ कमलेश कुमार के द्वारा कांडी प्रखंड के बलियारी पंचायत में मनरेगा से संबंधित किसी भी योजना में डिमांड नहीं लगाया जा रहा है. जबकि बलियारी पंचायत में पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23, और 2023-24 से लगभग 250 से अधिक योजनाएं स्वीकृत हैं. जिसका जियो टैग भी रोजगार सेवक के द्वारा किया जा चुका है. यहां तक कि जिस लाभुक के द्वारा कार्य किया गया है उनकी योजना में भी डिमांड नहीं लगाया जा रहा है. योजना कोडिंग और सैंसन में बीपीओ कमलेश कुमार के द्वारा प्रति योजना 3000 मेढ़बंदी के लिए तो 20 हजार रुपए तालाब और कुआं की कोडिंग के लिए लिया गया है.

चौक-चौराहों से हटाए गए बैनर-पोस्टर

मझिआंव । विस चुनाव 2024 की अधिसूचना जारी के पश्चात लगे आदर्श आचार संहिता के पश्चात जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर नगर पंचायत के द्वारा सार्वजनिक चौक चौराहा एवं सरकारी संस्थानों में लगे बैनर पोस्टर को हटाने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है. इधर प्रखंड कार्यालय परिसर में होर्डिंग बोर्ड पर लगे बैनर को कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार की निगरानी में हटाया गया. जानकारी देते हुए शैलेश कुमार ने बताया कि चुनाव 2024 की अधिसूचना के पश्चात लगे आदर्श आचार संहिता की घोषणा होते ही नगर पंचायत कार्यालय के द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र के में लगे तमाम बैनर पोस्टर को हटवाया जा रहा है. इस कार्य में सिटी मैनेजर जितेश कुमार व राकेश पाठक, राकेश श्रीवास्तव सहित तमाम नगर पंचायत कर्मी लगे हैं.

गढ़वा में तीन दिवसीय 24वीं राज्यस्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता

कलाई व दिमाग का जोर आजमाइश कर रहे हैं झारखंड के 143 खिलाड़ी

गढ़वा में टेबल टेनिस की दुनिया में बादशाहत की खोज शुरू हुई

संवाददाता । गढ़वा

राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का शुभारंभ करते अतिथि.

गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ की मेजबानी में आयोजित 24वीं राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का उद्घाटन बुधवार को जिला मुख्यालय के नवादा मोड़ स्थित बंधन मैरिज हॉल में किया गया. इसके साथ ही टी.टी. की दुनिया में बादशाहियत की खोज शुरू हो गई. इस क्षेत्र में महारथ हासिल करने के लिए झारखंड के 143 खिलाड़ी अपनी कलाई और दिमाग का जोर आजमाइश कर रहे हैं. प्रतियोगिता का उद्घाटन संघ के संरक्षक अलख नाथ पांडेय, झारखंड टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष सेबल गुप्ता, सुप्रसिद्ध युवा सर्जन डॉ कुमार निशांत, अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी, सचिव आनंद सिन्हा, सिस्टर रोशना, संजय सोनी, सुशील केशरी, नंद कुमार गुप्ता, ललन सोनी, रविन्द्र जायसवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया.

मौके पर संरक्षक पांडेय ने कहा कि खेलों में हार जीत आम बात है. अनुशासित खिलाड़ी हर हार से सबक लेकर जीत की ओर अग्रसर होते रहते हैं. आप सभी अनुशासन दिखाते हुए अपने खेल का शत प्रतिशत प्रदर्शन करें. विशिष्ट अतिथि डॉ कुमार निशांत ने कहा कि गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ पांच साल के अंदर दूसरी बार प्रतियोगिता आयोजित कर रही है इसके लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई देता हूं. खेल के विकास के लिए संघ लगातार प्रयासरत है. खेल में हार-जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण खेल भावना और खेलना जरूरी है.

अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी ने कहा कि गढ़वा जिला ने टेबल टेनिस के क्षेत्र में ओलंपिक खेलने का सपना देखा है और यह सपना झारखंड टेबल टेनिस संघ अपने खिलाड़ियों के बदौलत पूरा करने का प्रयास करेगा. सचिव आनंद सिन्हा ने कहा कि गढ़वा जिले को तीसरी बार राज्य का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है और यह प्रतियोगिता गढ़वा जिला सभी के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न करेगा.

ज्ञात हो कि इस प्रतियोगिता में राज्य के 10 जिले के विभिन्न आयु वर्ग में 143 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. जिसमें 91 बालक और 52 बालिकाएं शामिल हैं. प्रतियोगिता छह टेबल पर खेले जाएंगे. प्रतियोगिता दो मुख्य रेफरी और 12 अंपायर की देखरेख में सम्पन्न होगी. प्रतियोगिता का समापन 20 अक्टूबर को होगा. मौके पर गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, कमलेश कुमार दुबे, दीपक, ललन सोनी, अशोक दुबे, मुजीबुद्दीन खान, प्रिंस सोनी, रामाशंकर सिंह, अभय कुमार, संजय सिंह, आमोद कुमार पाण्डेय, अजय कुमार ठाकुर, पलामू जिला टेबल टेनिस संघ के सचिव नवनीत सुंदरम, प्रवीण मिश्रा सहित कई लोग शामिल थे.

जनवितरण प्रणाली की दुकानों पर स्वीप कार्यक्रम का आयोजन

लोहरदगा । मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत बुधवार को स्वीप कोषांग की ओर से विभिन्न प्रखंडों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. उक्त कार्यक्रम प्रखंडों के विभिन्न गांवों के जनवितरण प्रणाली की दुकानों में आयोजित किये गये. इधर जिले के भण्डरा प्रखण्ड के बलसोता गांव और बड़ अंबेरा में स्वीप कोषांग की वरीय पदाधिकारी सीता पुष्पा के नेतृत्व में नये मतदाताओं को जोड़ने के लिए फार्म-6 की जानकारी दी गई. साथ ही अपील की गई कि आगामी विधानसभा आम निर्वाचन में 13 नवंबर को अपने मतदान केंद्र पर पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें.

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

गढ़वा । आगामी विधानसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर बुधवार को निर्वाचन के स्वीप कोषांग के द्वारा जिले के सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में स्वीप के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उपस्थित शिक्षकों, कर्मियों एवं विद्यार्थियों से नैतिक मतदान सह मतदाता जागरूकता विषय पर विशेष रूप से सक्रिय संवाद किया. इस दौरान उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर जागरूकता कार्यक्रम में हिस्सा लिया एवं अपने-अपने विचार रखें. मौके पर शाहनवाज अख्तर, विमलेश शुक्ला, दिवाकर मिश्रा, नेहा नूतन लकड़ा, नितिन तिवारी, अमित शुक्ला आदि उपस्थित थे.

भाजपा की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करें कार्यकर्ता : टिंकू

कैरो/लोहरदगा । भाजपा की बैठक प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र महतो की अध्यक्षता में कैरो सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के समीप हाताबारी में की गई. उक्त कामकाजी बैठक में पार्टी के द्वारा पिछले दिनों बूथ स्तर पर किये गये कार्यों की समीक्षा की गई. वहीं आगामी विधानसभा चुनाव के निमित्त प्रखंड के सभी 37 बूथों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक रणनीति तय की गई. बैठक में प्रखंड के सभी 06 शक्ति केंद्र के संयोजक, सह संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी इत्यादि के गठन पर भी आवश्यक चर्चा की गई. मौके पर उपाध्यक्ष प्रभारी नवीन कुमार टिंकू ने कहा कि संथाली में गोगो का मतलब मां होता है, भाजपा झारखंड के माता बहनों के सम्मान व सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. बैठक में श्रवण मुंडा, विशेश्वर दीन, कैलाश महतो, सुखन उरांव, विवेक, नसीर आलम, कुंवर, राजेश, जगलाल, सुजीत, विनोद, दीपक साहू आदि उपस्थित थे.

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी अनिमा सोनकर बोलीं

भाजपा झारखंड में बहुमत की सरकार बनाएगी

संवाददाता । लोहरदगा

आरक्षण को कोई नहीं खत्म कर सकता है. झारखंड में भीमराव अंबेडकर आवास योजना का शुभारंभ वर्ष 2016 में किया गया. इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति के गरीब परिवारों को पक्के मकान प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उनकी जीवनस्तर में सुधार हो सके. उक्त बातें भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी अनिमा सोनकर ने कही. सोनकर लोहरदगा विस क्षेत्र में जिला कार्यालय में आयोजित जिला एवं मंडल की संगठनात्मक बैठक के दौरान कही. उन्होंने कहा कि झारखंड के लिए भाजपा ने 'पंच प्रण' लिया है. जिसके तहत भाजपा गोगो दीदी योजना शुरू करेगी, जिसके तहत झारखंड की हर महिला के बैंक खाते में हर महीने की 11 तारीख को 2,100 रुपये तक की वित्तीय सहायता हस्तांतरित की जाएगी. बैठक के बाद कुडू के अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्र में प्रबुद्धजनों के साथ मुलाकात की. बैठक में जिला अध्यक्ष भाजपा मनीर उरांव, प्रकाश नायक, राजीव राज लाल, राजू रजक, रामखेलावन राम, वीरेंद्र भुईया बजरंग करूवा, फलिन्दर राम, रानी कुमारी, मुस्कान नायक, बिनोद राम, प्रोफेसर जनार्दन राम, राजू रजक, शुकूल राम, सुरेश बैठा, चंपा देवी, बसंती देवी एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

सेन्हा अस्पताल के प्रयोगशाला कक्ष में लगी आग

- मरीजों में मची अफरा-तफरी प्रयोगशाला प्रभारी मामले पर मौन

सेन्हा/लोहरदगा । जिले के सेन्हा प्रखंड मुख्यालय पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत अस्पताल प्रबंधक की लचर व्यवस्था का नमूना प्रयोगशाला कक्ष में लगी आग ने जगजाहिर कर दिया. यहां पर बता दें कि अस्पताल में आग लगने से मरीजों के बीच में अफरा-तफरी मच गई. हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ है. बता दें कि अगलगी से जांच किट पूरी तरह से जलकर राख हो गया.

इधर, चालक की सूझबूझ से आग पर काबू पाया गया. विदित हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड मुख्यालय के समीप संचालित सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा में अगलगी की घटना सामने आया है. बताया जाता है कि प्रयोगशाला कक्ष में शॉट सर्किट से आग लगा है. यहां पर शॉट सर्किट होने का कारण अस्पताल बंद होने के बाद भी बिजली सप्लाई पूरे रूम में चालू था. घटना को लेकर अस्पताल के डॉक्टर विनोद सोरेन से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि प्रयोगशाला में आग लगने की सूचना बुधवार को सुबह में मिला, जिसका जायजा लिया जा रहा है और जो भी दोषी होंगे उनके विरुद्ध निश्चित रूप से कार्रवाई होगी. वहीं प्रयोगशाला टेक्नीशियन घटना को लेकर मौन धारण किए हुए हैं.

जनता का आशीर्वाद मिले तो बदलेंगे क्षेत्र की तस्वीर : अंजू

लोहरदगा । आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव अंजू देवी एनडीए गठबंधन के तहत लोहरदगा विधानसभा चुनाव में पूरी तरह से अपनी किस्मत आजमाने के उद्देश्य से चुनावी मैदान में उतर चुकी हैं. इधर जनसंपर्क अभियान चलाते हुए अंजू देवी ने कहा कि स्वर्गीय कमल किशोर भगत जो सपना लोहरदगा के जनता के लिए देखे थे, उसे पूरा करना हमारी प्राथमिकता होगी. उन्होंने कहा कि कमल किशोर भगत

हमारे लिए आदर्श थे और हमेशा रहेंगे, उनके आदर्शों पर चलकर लोहरदगा विस क्षेत्र को विकसित क्षेत्र स्थापित करना लक्ष्य है. अंजू देवी ने कहा कि क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद मिले तो निश्चित रूप से लोहरदगा की तस्वीर कुछ और होगी.

जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने की जांच

मझिआंव । गोलगप्पे में हार्पिक सहित अन्य पदार्थ जैसे जानलेवा केमिकल की मिलावट की खबर आने पर जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अंजना मिंज ने पुलिस दलबल के साथ मझिआंव पहुंचकर सैंपल कलेक्ट किया. इस दौरान उन्होंने बताया कि एक गुपचुप (गोलगप्पे) बनाने वाले के द्वारा जानलेवा केमिकल मिलाने की सूचना पर जांच करने पहुंची हूं. जहां से गोलगप्पे, गोलगप्पे के साथ प्रयोग की जाने वाली पानी एवं गोलगप्पे का पानी बनाने वाले केमिकल का सैंपल कलेक्ट किया गया है. कहा कि कलेक्ट की हुई सैंपल को लैब में भेज कर जांच करवाई जाएगी. तभी पता चल पाएगा कि गोलगप्पे में उपयोग करने वाले केमिकल, या कुछ अन्य सामग्री है जो मनुष्य के शरीर के लिए कितना हानिकारक है.

सियासत

झामुमो महिला मोर्चा ने बैठक कर लिया मंत्री को जिताने का संकल्प, मंत्री बोले-

विरोधी जितना भी जोर लगा लें, भ्रमित नहीं होगी जनता

संवाददाता । गढ़वा

झामुमो महिला मोर्चा की बुधवार को गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर बैठक आयोजित की गई. बैठक में महिला मोर्चा के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मंत्री को ऐतिहासिक मतों से जिताने का संकल्प लिया है. सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में जाकर सघन जनसंपर्क अभियान चलाते हुए लोगों को झारखंड सरकार के कार्यों से अवगत कराने एवं बूथ कमेटी को मजबूत करने का निर्णय ली.

मौके पर मंत्री ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार ने काफी विषम परिस्थितियों के बावजूद राज्यहित एवं जनहित में बहुत ही बेहतर कार्य की है. राज्य सरकार की ओर से चलायी जा रही सभी जनहित की योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएं. साथ ही विरोधियों की झूठ फरेब की नीति से भी जनता को अवगत कराएं. उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता तन, मन से लोकतंत्र के महापर्व चुनाव में लग जाएं. उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को अपने बूथ को मजबूत करते हुए चुनाव जीतने की टिप्स भी बताया.

मंत्री ने कहा कि विरोधी चाहे जितनी भी ताकत लगा लें, जनता भ्रमित होने वाली नहीं है. आगामी विस चुनाव में हर हाल में महागठबंधन बहुमत के आंकड़े को पार करेगा. गढ़वा की जनता विकास करने वाले को ही अपना जनप्रतिनिधि चुनेगी. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में ही सरकार बनेगी. बैठक में मुख्य रूप से महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, चंदा देवी, अराधना सिंह, रेखा पाठक सहित काफी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित थी.

न्यूज अपडेट

विस चुनाव शांतिपूर्ण और भयमुक्त हो : उपायुक्त

लोहरदगा । उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा है कि आसन्न विधानसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण, भयमुक्त एवं स्वच्छ बनाने हेतु लोहरदगा जिला के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों एवं शस्त्रों का सत्यापन, निरीक्षण किया जाना है एवं शस्त्रों को संबंधित थाना, पुलिस केंद्र, लोहरदगा, वैध शस्त्र दुकान में जमा करना आवश्यक है. उपायुक्त ने सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को निर्देश दिया है और कहा कि अपने-अपने थाना में अपना शस्त्र सत्यापित कराते हुए संबंधित थाना, पुलिस केंद्र में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे. लोहरदगा जिला में आवासित वैसे सभी शस्त्र अनुज्ञप्ति धारियों जिनकी अनुज्ञप्ति झारखंड राज्य के अन्य जिले या अन्य राज्य से निर्गत है, परंतु लोहरदगा जिला में पंजीकृत नहीं है एवं वैसे सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी जिनकी अनुज्ञप्ति लोहरदगा जिला से निर्गत है परंतु वर्तमान में वे अन्य जिले या अन्य राज्यों में आवासित है, निर्धारित तिथि के अन्दर नजदीकी, ओपी अथवा वैध शस्त्र एवं कारतूस विक्रेता दुकान में अपने शस्त्र को जमा करना सुनिश्चित करेंगे.

पूर्व माओवादी अनिल का तालाब में डूबने से निधन

चतरा । जिले के वशिष्ठ नगर थाना अंतर्गत सलैया पंचायत के ग्राम गोडरा निवासी अनिल सिंह भोक्ता (49) का निधन तालाब में डूब जाने से हो गया. घटना सोमवार की है. 24 घंटे बाद मंगलवार की शाम मृतक के शव को तालाब से बाहर निकाला गया. उसके बाद शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया. अंतिम संस्कार बुधवार को उसके पैतृक गांव गोडरा में किया गया. जानकारी के अनुसार मृतक अपने रिश्तेदार के यहां सदर थाना क्षेत्र के ग्राम जलेध गया था. सोमवार को वह स्नान करने के लिए तालाब में गया था. स्नान करने के दौरान ही वह तालाब के गहरे पानी में डूब गया काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर उसकी खोजबीन शुरू की गई लेकिन कहीं कोई आता पता नहीं चला. 24 घंटे बीत जाने के बाद उसका शव तालाब में उतराता हुआ दिखा. तत्काल इसकी सूचना सदर थाना को दी गई. मृतक अनिल वर्ष 1994 में माओवादी दस्ते में शामिल हो गया था. तब वह अनिल के अलावा राकेश उर्फ किताब जी उर्फ तूफानी जी उर्फ रोशन जी के नाम से भी जाना जाता था.

पब्लिक रूट से बेधड़क हो रही फ्लाई ऐश की ढुलाई

चतरा । जिले के टंडवा स्थित एनटीपीसी प्लांट से निकलने वाले गीले कचरे (फ्लाई ऐश) की ढुलाई घनी आबादी वाले पब्लिक रूट से हो रही है. मोदी कंस्ट्रक्शन कंपनी के वाहन ओवरलोड लेकर फ्लाई ऐश की ढुलाई कर रहे हैं. वाहनों पर कचरा ओवरलोड होने से यह घनी आबादी वाले पब्लिक रूट में गिरता रहता है, जिससे काफी प्रदूषण होता है. सूत्रों की माने तो एनटीपीसी से फ्लाई ऐश की ढुलाई के लिए बीजूपाड़ा रूट निर्धारित है, लेकिन कंपनी दो टोल की चोरी तथा किराए में प्रति टन 100 रुपये की बढ़ोतरी के कारण इस कचरे की ढुलाई घनी आबादी वाले पब्लिक रूट से कर रही है. ऐसा कर कंपनी महीने में लाखों रुपये की अवैध कमाई कर रही है. इतना ही नहीं, इस अवैध कमाई का हिस्सा नियमित रूप से अधिकारियों तथा बिचौलियों में वितरित भी की जाती है. इस समस्या से जहां ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है वहीं जिला परिवहन विभाग पूरी तरह से बेखबर है. इस संबंध में पूछे जाने पर जिला परिवहन पदाधिकारी इंद्र कुमार ने बताया कि एनटीपीसी द्वारा कचरा निकाले जाने के रूट की जानकारी नहीं है.

मछली मारने गए दादा-पोती की नहर में डूबने से मौत

चतरा । थाना क्षेत्र के महेशा गांव में बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना घटी. एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत अंजनवा नहर में डूबने से हो गई. दोनों रिश्ते में दादा व पोती थे. परिजनों के अनुसार नित्य दिन की भांति कल्लू भुईयां (55) अपनी 11 वर्षीय पोती के साथ अंजनवा डैम से निकलने वाले नहर में मछली मारने के लिए गए हुए थे. इस दौरान नाले में पहले पोती उतरी, जहां पानी अधिक होने से वह डूबने लगी, जिसे देख दादा बचाने गया. दुर्भाग्य से दोनों की डूबने से मौके पर ही मौत हो गई. नहर में मछली मारने का सामान बहता आता देख मृतक बच्ची के पिता मुकेश भुईयां घटना स्थल पर पहुंचा तो दोनों पानी में डूबे पाये. इसके बाद हो हल्ला सुनकर अन्य ग्रामीणों ने घटना स्थल पर पहुंच कर दोनों शवों को बाहर निकाला. घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस थाने को दी गई. अवर निरीक्षक शिवदोय तिर्की दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेजा. जेएमएम नेता मनोज चंद्रा व मुखिया मंजित सिंह मृतक ने परिजनों से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया.

अफीम उन्मूलन को लेकर चलाया गया अभियान

कुंदा (चतरा)। अफीम की खेती की रोकथाम को लेकर बुधवार को थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया. थाना क्षेत्र के

मरगड्डा, एकता व गेंदरा में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया. अफीम उन्मूलन अभियान के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत की गई और उन्हें अफीम के दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया. अधिकारियों ने कहा कि अफीम का दुष्प्रभाव न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह समाज के लिए भी एक बड़ा खतरा है. उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफीम के खिलाफ लड़ने में पुलिस को सहयोग करें. जागरूकता अभियान में कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह, एएसआई अनेश्वर सिंह, प्रभारी वनपाल व सभी वनरक्षी समेत थाना के जवान शामिल थे.

सहायक अध्यापकों ने मंत्री का आभार जताया

चतरा । सहायक अध्यापकों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार की सुबह मंत्री आवास में झारखंड के श्रम नियोजन कौशल विकास सह उद्योग विभाग

के मंत्री सत्यानंद भोक्ता का आभार जताया. झारखंड कैबिनेट से ईपीएफ एवं अनुकंपा तथा दुर्घटना बीमा को स्वीकृति मिलने पर सहायक अध्यापकों ने मंत्री को माला पहना कर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया. मंत्री ने सहायक अध्यापकों को आगे भी मदद का भरोसा दिलाया. मौके पर अभय सिंह, गोपेंद्र यादव, कुमुद सिंह, विकास त्रिवेदी, मिथलेश पांडे, जितेंद्र सिंह, नंदकिशोर यादव, पप्पू कुमार, रानी मिश्रा, प्रभा देवी, रागनी गुप्ता, राजू पांडे, प्रमोद राणा, विनय रजक, जागेश्वर महतो, अजय मल्हार, संजय साव राजेश सिंह, सियाराम यादव आदि मौजूद थे

वर्तमान मानदेय पर हो चार प्रतिशत की वृद्धि

गढ़वा । सरकार तथा शिक्षा सचिव एवं परियोजना निदेशक की गलत मनोवृत्ति के कारण सहायक अध्यापक आन्दोलन करने को मजबूर हैं. झारखंड के समस्त 62000 सहायक अध्यापकों का कोई मूल मानदेय निर्धारित नहीं है. सरकार समय -समय पर मानदेय बढ़ोतरी करती आई है. वर्तमान मानदेय ही हमारी मूल मानदेय है. अगर विभाग इस पर किसी तरह का छेड़छाड़ करती है तो सरकार तथा शिक्षा सचिव एवं परियोजना निदेशक का विरोध सड़क से सदन तक किया जाएगा. उपरोक्त बातें टेट पास सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के प्रदेश संयोजक दशरथ ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कही. ठाकुर ने कहा कि सहायक अध्यापक के नियमावली में साफ तौर पर लिखा है कि सहायक अध्यापकों का प्रतिवर्ष 4% की दर से मानदेय में बढ़ोतरी की जाएगी. साथ ही राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा राज्य के सभी सहायक अध्यापकों को जनवरी 2023 से मिल रहे मानदेय का चार प्रतिशत बढ़ाकर भुगतान किया गया है. इसके बाद भी जनवरी 2024 से सभी सहायक अध्यापकों का मिल रहे मानदेय का 4% बढ़ाकर जुलाई 2024 तक दिया गया है.

क्षेत्र की जनता प्रचंड जीत दिलाएगी : सत्येंद्रनाथ तिवारी

गढ़वा । पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के आवास पर गढ़वा-रंका विधानसभा क्षेत्र के करीब आधा दर्जन से अधिक गांवों के दो सौ से अधिक लोगों ने झामुमो सहित अन्य दलों को छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की. सभी को पूर्व विधायक ने पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया. मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि गढ़वा सहित झारखंड के सभी जगहों पर भाजपा और पीएम मोदी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है. यही कारण है कि प्रत्येक दिन भारी संख्या में लोग दूसरे दलों को छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे है. उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने गरीबों के हित में कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की शुरूआत की है. लेकिन झारखंड की हेमंत सरकार ने केंद्र की योजनाओं का लाभ गरीबों तक नहीं पहुंचने दी. केंद्र प्रायोजित सभी योजनाओं में भी भारी घोटाला किया गया है.

विधानसभा चुनाव : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, दिए जरूरी दिशा निर्देश

उपायुक्त का निर्देश, आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए

संवाददाता। रामगढ़

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने समाहरणालय सभा कक्ष में विभिन्न राजनीतिक दालों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया. इस दौरान सभी को जानकारी देते हुए कहा कि विधानसभा निर्वाचन की अधिसूचना जारी किए जाने के उपरांत आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है. विधानसभा क्षेत्र रामगढ़ जिले में 22 बड़कागांव, 23 रामगढ़ एवं 24 मांडू विधानसभा अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की जानकारी दी गयी.

उपायुक्त ने सभी प्रतिनिधियों को पेड न्यूज मॉनिटरिंग, एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग आदि के तहत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी वहीं उन्होंने आदर्श आचार्य संहिता का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने की बात कही. बैठक के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता ने उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पीपीटी के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के दौरान क्या करें क्या ना करें इस संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी. उपायुक्त ने उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए बताया कि आचार संहिता के बाद निम्न कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध है.

वाहनों में नहीं लगा सकेंगे झंडे : वाहनों और बैठकों में लाउडस्पीकर का प्रयोग करने की अनुमति सुबह 6 बजे से लेकर रात 10 बजे तक ही दी जाएगी. इसके बाद आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा. किसी भी वाहन किसी भी पार्टी का झंडा नहीं लगाया जा सकेगा. केवल राजनैतिक दलों के पदाधिकारी आर ओ से अनुमति लेकर गाड़ी में झंडे का प्रयोग कर सकेंगे.

सरकारी वाहन राजनीतिक कार्य में प्रयोग नहीं : निर्वाचन के समय में कोई भी सरकारी कर्मचारी पॉलिटिकल एक्टिविटी में शामिल नहीं हो सकता है. अगर ऐसा होता है तो इसे भी अचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी. मंत्रियों द्वारा ऑफिशियल वाहनों का प्रयोग राजनैतिक कार्यों के लिए रोक लगा दी गई है.

लाउस्पीकर के लिए लेनी होगी अनुमति : किसी भी दशा में बिना अनुमति के लाउडस्पीकर का प्रयोग निषेध किया गया है. वहीं किसी भी जुलूस व रैली के लिए जगह, समय और रूट का निर्धारण पहले से करके पुलिस प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य है. बिना पूर्व सूचना के किसी भी जुलूस/रैली को अनुमति नहीं दी जाएगी.

200 मीटर के दायरे में प्रचार नहीं : पोलिंग स्टेशनों के 200 मीटर दायरे के अंदर किसी भी प्रकार की चुनावी मीटिंग, कन्वेंसिंग, कोई भी आपत्तिजनक कार्य या कोई भी कैम्पेनिंग करने की अनुमति नहीं होगी. निर्वाचन के दौरान शराब का वितरण नहीं किया जा सकेगा. नॉमिनेशन के दौरान केवल 3 वाहनों को ही आर ओ ए आर ओ के कार्यालय के 200 मीटर के दायरे में आने की अनुमति होगी.

राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते उपायुक्त चंदन कुमार.

इन कार्यों पर भी पूर्ण प्रतिबंध

- ऑफिशियल कार्यों को कैम्पेनिंग के कार्यों में मिक्स नहीं किया जाएगा.
- किसी भी प्रकार का प्रलोभन चाहे आर्थिक अथवा कोई और तरह से मतदाताओं को देने पर रोक है.
- निर्वाचक के द्वारा किसी भी प्रकार की जातीय और साम्प्रदायिक अपील नहीं की जाएगी.
- दूसरी पार्टियों व उनके कार्यकर्ताओं के द्वारा असत्यापित आरोपों और विकृतियों के आधार पर किसी की आलोचना नहीं की जाएगी.
- किसी भी धार्मिक स्थल का प्रयोग चुनाव प्रचार (जैसे भाषणों, पोस्टरों, बैनरों) के लिए नहीं किया जाएगा.
- ऐसे किसी भी जगह पर रैली की अनुमति नहीं दी जाएगी जहां पर पहले से किसी पार्टी की बैठक चल रही हो.
- बूथों और पोलिंग स्टेशनों के आस पास किसी भी प्रकार के झंडे, पोस्टर, चिन्हों या प्रचार सामग्री का प्रयोग करना निषेध है.
- सरकारी परिसर में किसी भी प्रकार का डिफेंसमेंट (जैसे वॉल पेंटिंग, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग व झंडे) की अनुमति नहीं होगी.
- गेस्ट हाउसों में किसी भी प्रकार की पॉलिटिकल एक्टिविटी की अनुमति नहीं होगी.
- लाउड स्पीकर के प्रयोग के लिए अनुमति लेना अनिवार्य है. बिना अनुमति के लाउड स्पीकर का प्रयोग निषेध है.

ब्रीफ खबरें

बैठक में राजनीतिक प्रतिनिधि हुए शामिल

विष्णुगढ़। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रखंड सह अंचल कार्यालय में बुधवार को सहायक निर्वाचक निबंधक सह अंचल अधिकारी नित्यानंद दास ने राजनीतिक दलों की बैठक बुलाई. इसमें बीडीओअखिलेश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सागेन मुर्मू तथा भाजपा के किशोर कुमार मंडल, सुशील महतो, कांग्रेस के अब्बास अंसारी, रामजन्म राय व माले के घनश्याम पाठक आदि शामिल हुए. समन्वय बनाकर चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर चर्चा हुई.

मध्यस्थता शिविर का आयोजन किया गया

प्रतापपुर (चतरा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में बुधवार को थाना परिसर में मध्यस्थता शिविर का आयोजन किया. इसमें थाना क्षेत्र जोगियारा, चन्द्रीगोविंदपुर, एघारा, बरूरा समेत अन्य पंचायतों से जमीन, धरेलू विवाद व मारपीट का मामले आये. पुलिस पदाधिकारी व पीएलवी विहारी कुमार ने चार मामले को दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कर सुलह करा दिया. वहीं दो मामले को न्यायालय के लिए भेज दिया. शिविर में सअनि राम, जुबैरल गुडिया, गौतम कुमार आदि मौजूद थे.

बाइक दुर्घटना में डीलर गंभीर रूप से घायल

मयूरहंड(चतरा)। थाना क्षेत्र के जिहू इटखोरी मुख्य मार्ग तेतरीया मोड के समीप मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से पलट गई, जिससे पथरा गांव निवासी डीलर धनेश्वर भगत गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी अनुसार भगत पदमा से अपने घर पथरा जा रहा था. तभी तेतरीया मोड़ के समीप मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस घटना में भगत के दाहिने पैर व कंधे में गंभीर चोट आई है. राहगीरों ने घायल डीलर को झामुमो नेता मनोज चंद्रा उपचार के लिए भेजवाया और हर संभव मदद का भरोसा दिया.

स्वीप के तहत निबंध प्रतियोगिता आयोजित

रामगढ़। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से स्वीप नोडल पदाधिकारी इंदु प्रभा खालखो को विभिन्न प्रतियोगिता एवं कार्यक्रमों आदि के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने हेतु कई दिशा निर्देश दिए. इसी क्रम में स्वीप नोडल पदाधिकारी सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खालको के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों में मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

विधानसभा चुनाव : सिमरिया एससी सीट पर भाजपा ने चार बार दर्ज की है जीत

विस्थापन व सिंचाई बड़ी समस्या

संवाददाता। मयूरहंड/चतरा

झारखंड में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है. इंडिया और एनडीए गठबंधन सियासी बिसात पर गोटियां चलाने लगे हैं. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को प्रभारी बनाकर झारखंड भेज दिया है. वहीं बात करें सिमरिया एससी सीट की तो यहां 4 बार भाजपा जीती है. इसके बावजूद विस्थापन और सिंचाई आज भी बड़ी समस्या बनी हुई है.

2019 में 12 साल बाद टूटा भाजपा का वनवास : वर्ष 2019 में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सिमरिया विधानसभा सीट जीतकर किशुनदास ने भाजपा का 12 वर्षों का वनवास तोड़ा था. इस सीट से उपेंद्रनाथ दास 4 बार विधायक रहे. पहली बार वर्ष 1977 में वे जीएनपी के टिकट पर जीते थे. इसके बाद 1990, 1995 व 2005 में उपेंद्रनाथ दास भाजपा के विधायक बने. उपेंद्रनाथ दास के निधन के बाद इस सीट से उप चुनाव में भाकपा के रामचंद्र राम जीत गये थे. इसके बाद हुए दोनों चुनाव में झारखंड विकास मोर्चा का कब्जा रहा था.

1977 में अस्तित्व में आया था सिमरिया विधानसभा : सिमरिया विधानसभा क्षेत्र 1977 में अस्तित्व में आया था. पहले यह इलाका बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में ही आता था. यहां से भाजपा चार, कांग्रेस दो, जेवीएम दो और राजद, भाकपा, जीएनपी को एक-एक बार जीत मिली है. सिमरिया विधानसभा क्षेत्र की जनता समय-समय पर अपना प्रतिनिधि तो बदला है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है.

विस्थापन और सिंचाई है सिमरिया की सबसे बड़ी समस्या : क्षेत्र में विस्थापन, सिंचाई और बेरोजगारी बहुत बड़ा मुद्दा है. क्षेत्र के विस्थापित रैयतों को उनका अधिकार नहीं मिल रहा है. कई समस्याओं से रैयत जूझ रहे हैं. इसी तरह सिंचाई का साधन नहीं होने से हजारों एकड़ भूमि परती है. सिंचाई के अभाव में किसान खेती नहीं कर पाते हैं, जबकि अधिकांश लोग कृषि कर अपना जीविकोपार्जन करते हैं. इसके अलावा पर्याप्त बिजली भी लोगों को नहीं मिलती है. वहीं एशिया की सबसे बड़ी कोयला परियोजना मगध व आम्रपाली टंडवा में स्थापित है, पर यहां के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है. आज भी रैयत नौकरी व मुआवजा की मांग को लेकर आंदोलित हैं. मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं. क्षेत्र का विकास होना चाहिए, ताकि लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठ सके.

वर्षों से बंद है प्राथमिक शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय : सिमरिया का प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय कई वर्षों से बंद पड़ा है. महाविद्यालय में प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग शिक्षक बनते थे. यह रोजगार का बड़ा साधन था. प्राथमिक शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय को चालू कराने का मुद्दा हमेशा गरम रहा है. इसके लिए यहां कई बार आंदोलन भी किया गया है. सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सात प्रखंड आते हैं, जिसमें सिमरिया, टंडवा, लावालौंग, पत्थलगड्डा, गिद्धौर, इटखोरी व मयूरहंड प्रखंड शामिल है.

क्या कहते हैं किसान

क्षेत्र में सिंचाई का कोई साधन नहीं हैं. किसान बारिश पर निर्भर हैं. साल भर खेती नहीं कर पाते हैं. सिंचाई का साधन रहता, तो किसान खेती कर अच्छी आमदनी करते.
–नरसिंह प्रसाद दांगी, किसान

नियमित बिजली नहीं मिलती हैं. शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता है. बिजली की कमी से क्षेत्र के लोगों का जीवन और उद्योग धंधे और व्यवसाय प्रभावित है.
–सुरजीत सिंह, किसान

सिमरिया से अब तक के विधायक

चुनाव का वर्ष	विधायक का नाम	पार्टी का नाम
1990	उपेंद्रनाथ दास	भाजपा
1995	उपेंद्रनाथ दास	भाजपा
2000	योगेंद्रनाथ बैठा	राजद
2005	उपेंद्रनाथ दास	भाजपा
2007 (उपचुनाव)	रामचंद्र राम	भाकपा
2009	जयप्रकाश सिंह भोक्ता	जेवीएम
2014	गणेश गंझू	जेवीएम
2019	किशुन दास	भाजपा

वर्ष 2019 के चुनाव परिणाम

प्रत्याशी का नाम	पार्टी का नाम	प्राप्त मत
किशुन कुमार दास	भाजपा	61438
मनोज कुमार चंद्रा	आजसू	50442

वर्ष 2014 के चुनाव परिणाम

प्रत्याशी का नाम	पार्टी का नाम	प्राप्त मत
गणेश गंझू	जेवीएम	67404
सुजीत कुमार भारती	भाजपा	51764

वर्ष 2009 के चुनाव परिणाम

प्रत्याशी का नाम	पार्टी का नाम	प्राप्त मत
जयप्रकाश भोक्ता	जेवीएम	34007
गणेश गंझू	जेएमएम	25982

जनता की उम्मीद पर खरा उतरे हैं : किशुन दास

भाजपा विधायक किशुन कुमार दास ने कहा कि चुनाव के वक्त जनता से जो भी वादे किये थे, वे पूरे किये. बिजली, सड़क की मांग पूरी की गयी. चोरकारी पावर ग्रिड से पूरे जिले में बिजली बहाल की गयी. विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया गया है. डीएमएफटी फंड से क्षेत्र में कई विकास कार्य किये गए हैं. 22 प्लस टू स्कूल भवन, चहारदीवारी का निर्माण कराया गया. टंडवा में इंडोर स्टेडियम का निर्माण किया गया. टंडवा व गाड़ीलौंग के लिए 19 करोड़ की पेयजलापूर्ति योजना की प्रक्रिया चल रही है, बहुत जल्द टेंडर किया जायेगा. क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में हमेशा साथ रहा और समस्याओं का समाधान किया.

पांच वर्षों में नहीं हुआ क्षेत्र का विकास : मनोज चंद्रा

वर्ष 2019 के विस चुनाव में दूसरे स्थान पर रहने वाले मनोज चंद्रा ने कहा कि पांच साल में क्षेत्र का कोई विकास नहीं हुआ. चुनाव के वक्त किये गये वादे पूरे नहीं हो पाये हैं. मुआवजा नीति नहीं बनी, जिसके कारण कोल वाहनों के कहर से मौत के गाल में समा रहे लोगों के परिजनों को समुचित मुआवजा नहीं मिल रहा है. बिजली, पानी, सड़क जैसी समस्या आज भी क्षेत्र में बरकरार है. क्षेत्र के विकास को लेकर विधायक द्वारा कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया गया.

आचार संहिता लगते ही 6.22 लाख रु के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता। चौपारण

आचार संहिता लगते ही चौपारण सीओ सजंय यादव व प्रभारी थानाप्रभारी पुअनि बिंदेश्वरी महतो द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई. इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर चौपारण पुलिस ने बताया कि आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के दौरान बुधवार को करीब 08.30 बजे चौपारण थाना गेट के सामने अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव चौपारण एवं प्रभारी थाना प्रभारी पुअनि बिन्देश्वर महतो एंव अन्य बलों के साथ सयुंक्त वाहन चेकिंग के दौरान महारानी बस में एक व्यक्ति के पास से एक बैग में रखे थैला से कुल नगद राशि कुल 6,22,970 रुपये बरामद हुए. जांच करने पर पकड़ाये व्यक्ति कमलेश प्रसाद शर्मा, जिला-गया, बिहार द्वारा सही जानकारी एवं कैश से संबंधित कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया. छापामारी दल में अंचल पदाधिकारी संजय कुमार यादव, पुअनि विन्देश्वर महतो, सअनि बादल कुमार महतो, सअनि मो. कमरुद्दीन आदि शामिल थे.

पुलिस द्वारा जब्त की गई राशि.

राजनीतिक पार्टियों को 24 घंटे के अंदर बैनर-पोस्टर हटाने का निर्देश

संवाददाता। चौपारण

राजनीतिक पार्टियों को 24 घंटे के अंदर बैनर पोस्टर हटाने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी ने दिया है. इस संबंध में बीडीओ ने भाजपा, कांग्रेस, जेएमएम, आम आदमी पार्टी सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्षों को पत्र लिखा है. पत्र के आलोक में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही चौपारण प्रखंड में 15 अक्टूबर से आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गयी है. इस संबंध में आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में प्रखंड क्षेत्रांतर्गत सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों तथा अन्य सार्वजनिक स्थान यथा बस स्टैंड, रोड, पुल, पिलर, बिजली/टेलीफोन के पोल, पेट्रोल पंप, एम्बुलेंस इत्यादि स्थानों से अपने-अपने राजनीतिक पार्टी से संबंधित पोस्टर, बैनर, दिवार लेखन, होर्डिंग, फ्लैक्स, पोलटीसीएन के फोटो, नाम आदि 24 घंटे के भीतर हटाना / मिटाना/ कवर करने को कहा गया है. तय समय सीमा के अंदर ऐसा नहीं करने पर संबंधित पर सुसंगत धाराओं के अनुरूप कानूनी कार्रवाई की जायेगी.

चुनावी प्रक्रियाओं को साफ व स्वच्छ तरीके से संपन्न कराएं

- विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की बैठक

संवाददाता। हजारीबाग

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में बुधवार को गठित सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ सभाकक्ष में बैठक की गई. इसमें कार्मिक कोषांग, प्रशिक्षण कार्यक्रम, ईवीएम प्रबंधन, मीडिया मॉनीटरिंग, कम्युनिकेशन प्लान, स्वीप प्लानिंग, आदर्श आचार संहिता, विधि व्यवस्था, एसएमएस मॉनिटरिंग एंड कम्युनिकेशन प्लान, परिवहन कोषांग, पोस्टल बैलेट कोषांग, मीडिया सेल समेत अन्य कोषांगों के दायित्व के निर्वहन और कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी गई. उपायुक्त ने चुनावी प्रक्रियाओं को साफ-स्वच्छ, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर संपन्न कराने की बात कही. साथ ही उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंच मार्ग, मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन, चुनावी प्रबंधन, मतदान प्रक्रिया, ईवीएम, वीवीपैट की कार्य प्रणाली,आदर्श आचार संहिता, मीडिया कोषांग की भूमिका, कानून व्यवस्था आदि का ज्ञान रहे। इसलिए सभी बातों को अच्छी तरह से समझ लें. मौके पर उप विकास आयुक्त इशितयाक अहमद, उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया, प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे, एसडीएम सदर एवं बरही, डीसीएलआर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आदि मौजूद रहे.

गोमिया रेलवे स्टेशन के पास ओवरब्रिज का काम फिर से जल्द ही होगा शुरू

- विस्थापित संघर्ष समिति ने पूर्व मध्य रेलवे के उप मुख्य अभियंता निर्माण को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। हजारीबाग

गोमिया के लोगों ने उप मुख्य अभियंता निर्माण पूर्व मध्य रेलवे, हजारीबाग को ज्ञापन सौंप रेलवे स्टेशन के पास ओवर ब्रिज बनाने काम पुनः शुरू करने की मांग की. बता दें कि गोमिया के लोग विस्थापित संघर्ष समिति बनाकर वर्षों से लगातार संघर्ष कर रहे हैं. उनके आंदोलन ने रंग लाया और एक दिसंबर 23 से ओवर ब्रिज निर्माण कार्य आरंभ हो गया. लेकिन अचानक एक सप्ताह काम चलने के बाद ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य अचानक रोक दिया गया और निर्माण कार्य में लगी सभी मशीनों को वहां से हटा लिया गया. इसको देखते हुए विस्थापित संघर्ष समिति गोमिया के लोगों ने लोकल स्तर पर रेलवे के सभी अधिकारियों से मिलकर काम आरंभ करवाने का आग्रह किया तो उन्होंने कहा कि अगर काम आरंभ करवाना है तो उप मुख्य अभियंता निर्माण, पूर्व मध्य रेलवे, हजारीबाग से जाकर मिले. बुधवार को विस्थापित संघर्ष समिति के सचिव राकेश कुमार और सीआईटीयू के उपाध्यक्ष गणेश सीटू के नेतृत्व में लोगों ने पूर्व मध्य रेलवे के उप मुख्य अभियंता से उनके कार्यालय में वार्ता की. उप मुख्य अभियंता ने कहा कि गोमिया वासियों को चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है. कुछ तकनीकी समस्या के कारण काम रोक दिया गया है. इस माह के अंदर काम पुणः आरंभ कर दिया जाएगा.

रेलवे के अधिकारी को ज्ञापन सौंपते विस्थापित संघर्ष समिति के लोग.

रेलवे यूनियन की मान्यता के लिए मुलाकात का दौर जारी रहा

संवाददाता। रामगढ़

4 एवं 5 दिसंबर को यूनियन की मान्यता के लिए होने वाले चुनाव के आलोक में ईसीआरकेयू ने रेलकर्मियों से मुलाकात करने का सिलसिला जारी रखा है. मंगलवार को ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री मो ज़्याऊद्दीन तथा एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा द्वारा टीसीआई कार्यालय पहुंचने पर सीटीसीआई अभय प्रकाश ने बुके और शॉल प्रदान कर स्वागत किया. मौके पर उपस्थित सिगनल व टेलकम विभाग के कई रेलकर्मी उपस्थित रहे. मौके पर शाखा सचिव महेन्द्र प्रसाद महतो, वरीय सदस्य सरयू प्रसाद, बिनोद बेदिया, चंदन कुमार, राहुल, बुटुक, गौतम, पबुत्तर, मंजु देवी, आशा देवी, सुमित्रा देवी, रवींद्र प्रसाद, कपिल कुमार, एच यू जोजो, डी के नायक, प्रदीप आनंद मांझी, संतोष, एम तिर्की, एस पी सिंह, आजाद, अमोल कुमार आदि मौजूद रहे.

समस्या गंदगी के कारण झील के साथ तालाबों की हो रखी है दुर्दशा

व्रतियों को अभी से सताने लगी छठ घाटों की सफाई की चिंता

संवाददाता। हजारीबाग

कार्तिक मास हिंदू समाज के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण माना जाता है. इसी महीने आस्था का महापर्व छठ बहुत ही शुद्धता के साथ मनाया जाता है. हिंदू समाज का हर एक तबका आगे बढ़कर पर्व में हिस्सा लेता है और कोशिश करता है कि वह कुछ ऐसा करें जिससे छठ करने वाले को आराम मिले. इसके लिए सड़क की सफाई होती है और तालाबों को भी साफ किया जाता है. लेकिन हजारीबाग की झील के साथ तालाबों की दुर्दशा बनी हुई है.

दरअसल हजारीबाग में चार प्रमुख जल स्रोत हैं जहां अर्घ्य पड़ता है. पहला झील, दूसरा छठ तालाब, तीसरा मीठा तालाब और चौथा खजांची तालाब. इन चारों की स्थिति बहुत ही खराब है. झील में जलकुंभी इस तरह फैला हुआ है कि वहां अर्घ्य देने के लिए महिलाएं उतर नहीं सकतीं. छठ तालाब में पानी ही नहीं है और गंदगी का अंबार है. मीठा तालाब में गंदगी है. खजांची तालाब की भी स्थिति खराब है. ऊपर से चुनाव की घोषणा हो गयी. अधिकारी- कर्मी चुनाव की तैयारियों में जुट जायेंगे. ऐसे में सफाई कैसे होगी ये चिंता लोगों को खायी जा रही है. प्रशासन के रवैये को देखते हुए ऐसा लग रहा है जैसे उन्हें तालाबों की साप-सफाई खुद ही करनी पड़ेगी.

जलकुंभी की चादर से पटी पड़ी है झील : हजारीबाग़ झील में जलकुंभी दिनों दिन बढ़ती जा रही है. इसे हटाने के लिए नगर निगम से कई बार गुहार लगायी गयी, लेकिन निगम के अधिकारियों के कानों पर जू तक नहीं रेंग रही है. झील के सौंदर्यीकरण व सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये का खेल हो गया. कितने ठेकेदार और अधिकारी मालामाल हो गए लेकिन झील की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ. झील के किनारों पर दूर-दूर तक जलकुंभी की परत देखी जा सकती है. झील में फैली जलकुंभी पक्षियों के लिए अभिशाप बन गई है. झील में पक्षियों का कलरव बंद हो गया है, उनके बैठने के लिए किनारे पर पर्याप्त जगह नहीं हैं. इन पक्षियों में ज्यादातर फिश फीडर है, यानी मछली खाने वाले हैं. जलकुंभी से ऑक्सीजन की कमी होने के कारण से मछलियां दम तोड़ रही हैं. ये मछलियां जलकुंभी के नीचे हैं, इसलिए पक्षियों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है. जलकुंभी का असर मछलियों की सेहत पर पड़ रहा है.

निगरानी व उड़नदस्ता दल को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता। रामगढ़

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की अधिसूचना जारी किए जाने के उपरांत बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से स्थैतिक निगरानी दल एवं उड़न दस्ता दल में प्रतिनियुक्ति पदाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इस दौरान सभी को जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की अधिसूचना जारी किए जाने के उपरांत से आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है. चुनाव को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु जिले के 7 चेक नाका स्थलों पर स्थैतिक निगरानी दल एवं 6 उड़न दस्ता दल का गठन किया गया है, जो जिले में आने जाने वाले वाहनों पर निगरानी रखेगी. इस दौरान किए जाने वाले सभी कार्यों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई. साथ ही उपस्थित सभी स्थैतिक निगरानी दल एवं उड़न दस्ता दल के प्रतिनियुक्ति प्रभारी पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारियों की कठिनाइयों को भी दूर किया गया. बैठक के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता ने ईएसएमएस ऐप एवं सी विजिल ऐप की कार्यों को भी विस्तार पूर्वक सभी प्रतिनियुक्ति पदाधिकारियों को जानकारी दी गई. बैठक में मुख्य रूप से निर्वाची पदाधिकारी 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र सह अनुमंडल पदाधिकारी, निर्वाची पदाधिकारी 22 बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र सह भूमि सुधार उप समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से समय में विशेष सुधार होगा. सही मेहनत का सही फल मिलने का समय है. समय बहुत ही उत्तम है. धन का आगमन होगा, पर यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद-विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें.

वृष गलत खर्च में नियंत्रण अति आवश्यक है. मानसिक तनाव खत्म होगा, पर खर्च में वृद्धि होगी. विरोधी हार मानेंगे, पर बहुत जल्दी आय के द्वार भी खुल रहे हैं. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. कोई छोटा निवेशादि लाभ देंगे.

मिथुन समय सामान्य है. जल्दबाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे, सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे. धन लाभ होगा. कुछ धर्म और सत्कर्म भी किया विवाद से बचें.

कर्क समय बहुत ही उत्तम है. अधिक धन भी उन्माद का कारण बनता है. इस बात का ध्यान रखें. कर्म और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. पराक्रम से वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग को अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा.

सिंह समय सामान्य है. किसी से विवाद से मानहानि हो सकती है. कुछ मानसिक तनाव हो सकता है. परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी, किसी वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या व्यापार में लाभ का योग है. आय में कुछ कमी होगा थोड़े समय के लिए. कोई कार्य करने या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है.

तुला व्यापार में निवेश करने का समय बहुत ही अच्छा है. जीवनसाथी के चलते प्रतिष्ठा बढ़ेगी.परिवार का सुख सहयोग मिलेगा.निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. कार्य होगा, पर दूसरों की देखादेखी नहीं करें.

वृश्चिक गलत लोगों से बचें. नेत्र रोग से परेशानी होगी. खान पान पर विशेष ध्यान रखें. रोग शत्रु से बचें. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. यदि कोई छोटी यात्रा हो तो यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा.

धनु प्रेम में मधुरता होगी. पर क्रोध से बचें. खास कर बच्चों से विशेष प्रेम करें. शिक्षा में सुधार होगा पर ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है.निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है.

मकर रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. पर इसके लिए विशेष प्रयास करना होगा. यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. पराक्रम सिद्ध करने का समय है.

कुंभ पराक्रम में वृद्धि होगी. आने वाले कुछ विवाद भी होगा. कार्य करें पर सजग रहें. राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. नोकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. आपके कार्य और प्रभाव से रूके हुए काम बन सकते हैं.

मीन पैतृक धन का आगमन होगा. धन आगमन के लिए दिन अच्छा है. धर्म मे व्यय होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. निवेशादि लाभ देंगे कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें. आय अच्छी होगी.

खूंटी में दो बाइक की टक्कर में जम्हार चर्च के फादर की मौत

खूंटी। जिले के जरियागढ़ थानांतर्गत डोड़मा-गोविंदपुर रोड पर दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई टक्कर में आरसी विद्यालय जम्हार के फादर फुलजेम्स बागे (49) की मौत हो गई. फादर फुलजेम्स बागे मंगलवार की शाम अपनी मोटरसाइकिल से मुरहू के हस्सा स्थित संत नॉबर्ट चर्च से जम्हार लौट रहे थे. इसी दौरान सामने से आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में पक्की सड़क पर गिरने से फादर के सिर पर गंभीर चोट लगी. उसे सदर अस्पताल खूंटी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे स्वजनों को सौंप दिया.

फंदे पर लटकता महिला का शव, हत्या का लगाया आरोप

खूंटी। कर्रा थाना क्षेत्र के कांटी पोड़ाटोली से मंगलवार की देर रात फंदे पर लटका महिला का शव मिला. मृतक महिला बुधन देवी (21) है. सदर अस्पताल में बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया. बुधन देवी के मायके वाले इसे हत्या का मामला बता रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया है कि पति सहित सांस-ससुर और जेठ बुधनी को बराबर प्रताड़ित करते थे. ससुराल में उसके साथ हमेशा मारपीट की जाती थी. उन्होंने कहा कि बुधन देवी ने आत्महत्या नहीं की है, उसकी हत्या की गई है. घटनास्थल पर जमीन पर खून के निशान हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया मतदान प्रक्रिया का प्रशिक्षण

खूंटी। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रशिक्षण कोषांग ने बुधवार को लोयोला इंटर कॉलेज खूंटी और बिरसा कॉलेज खूंटी में मतदान प्रक्रिया से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से अड़की व कर्रा प्रखंड-अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों, कर्मियों और शिक्षकों को निर्वाचन कार्य से संबंधित गहन प्रशिक्षण दिया गया. तीन पालियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान निर्वाचन प्रक्रिया, इवीएम वीवीपैट की तकनीकी जानकारी, निर्वाचन मार्गदर्शिका से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई.

एक से चार नवंबर तक चलेगा एफडीआई अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता मूट 2024

एनयूएसआरएल की टीम मध्यस्थता मूट में भाग लेने जाएगी बर्लिन

संवाददाता। रांची

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) के छात्रों की एक उत्कृष्ट टीम ने एफडीआई अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता मूट 2024 (दक्षिण एशिया राउंड) में सेमीफाइनलिस्ट के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है. इस टीम में सार्थक कुमार, लीजा गुप्ता, सूर्यांश सिंह, एयलाह सिंह और अभिनव शुक्ला शामिल हैं. कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बदौलत इन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए बर्लिन जाने का अवसर मिला है. टीम ने अपनी उत्कृष्टता के बदौलत प्रतियोगिता के टॉप फोर में जगह बनाई है. इन्हें 1-4 नवंबर, 2024 को होने वाले अंतरराष्ट्रीय राउंड में हिस्सा लेना है.

छात्रों की सफलता सामूहिक प्रयास का प्रमाण है: सोनी भोला

एनयूएसआरएल के छात्रों ने न केवल अपने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया, बल्कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से देश का मान भी बढ़ाया है. टीम ने जटिल कानूनी मुद्दों जैसे क्रमिक स्पष्टीकरण, तृतीय पक्ष फंडिंग, लागत की सुरक्षा और प्रतिकूल निष्कर्ष निकालने की शक्तियों को सफलतापूर्वक संबोधित किया. मूट कोर्ट की संयोजक सोनी भोला ने कहा कि हमारी टीम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है. सभी सदस्यों ने एक साथ मिलकर रिसर्च किया और शिक्षकों के मार्गदर्शन से संदेहों का समाधान किया. उनकी यह सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा का परिणाम नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय के बेहतरीन माहौल और सामूहिक प्रयास का भी प्रमाण है.

छात्र आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे : उपकुलपति

उपकुलपति डॉ प्रो अशोक आर पाटिल ने कहा कि हमारे छात्रों की प्रतिभा अब स्पष्ट रूप से सामने आ रही है. उनकी मेहनत के परिणाम सामने आ रहे हैं. मुझे विश्वास है कि वे आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे. पूरे विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं हैं कि वे इस प्रतियोगिता में सफल होकर लौटें. इस प्रकार, एनयूएसआरएल के छात्र न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के लोगों के साथ की बैठक

सुविधा ऐप से नामांकन प्रक्रिया में मिलेगी सुविधा

रांची में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार.

संवाददात। रांची

बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने निर्वाचन सदन में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लोगों के साथ बैठक की. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. इस दौरान सभी राजनीतिक दलों एवं निर्वाचन में भाग लेने वाले प्रत्याशियों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कुछ आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं. इसका अनुपालन कर स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित होगा. निर्वाचन प्रक्रिया में सभी के लिए समान अवसर प्राप्त हो, इस उद्देश्य से प्रत्येक प्रत्याशियों द्वारा निर्वाचन के दौरान 40 लाख रुपये की खर्च सीमा तय की गई है. प्रत्याशियों के खर्च में पारदर्शिता लाने के लिए खर्च के ब्योरा की पंजी जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में जमा करानी होती है. इस पंजी का जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा उनके कार्यालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाती है.

उन्होंने सभी को बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा सुविधा (SUVIDHA) ऐप बनाया गया है, जिसके इस्तेमाल से प्रत्याशियों द्वारा नामांकन प्रक्रिया में उपयोग होने वाले सभी आवेदनों को भरा जा सकता है. साथ ही नामांकन के दिन के लिए आरओ ऑफिस में अपॉइंटमेंट भी ली जा सकती है. इसके साथ इस माध्यम से अपना ब्योरा भरने एवं एफिडेविट बनाने में भी सहायता प्राप्त होगी. उन्होंने कहा कि सी-विजिल एप्प के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन मामलों पर त्वरित शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान प्रत्याशियों द्वारा प्रचार-प्रसार, निर्वाचन प्रक्रिया, स्टार कैंपेनर, राजनीतिक दल आदि के लिए राज्य द्वारा कुछ नियम बनाए गए हैं, साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भी क्या करे, क्या नहीं करें की निर्देशिका जारी की गई है. मौके पर सिस्टम एनालिस्ट एस एन जमील ने चुनाव में उपयोग आने वाले ऑनलाइन एप्लीकेशन जैसे सी-विजिल, सुविधा एप्प, केवाईसी आदि प्रत्याशियों के उपयोग में आने वाले विभिन्न एप्लिकेशनों के इस्तेमाल के विषय में बिंदुवार जानकारी दी. इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा, ओएसडी गीता चौबे, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

सड़क चकाचक करने का काम शुरू

शुभम संदेश इंपैक्ट

संवाददाता। मेदिनीनगर

लगातार न्यूज व शुभम संदेश में प्रकाशित खबर का असर हुआ. इस पर ग्रामीण विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता (ईई) ने संज्ञान लेते हुए गुणवत्ताहीन सड़क को चकाचक करने का कार्य शुरू कर दिया है. गुणवत्ताहीन सड़क आज तय मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है.

स्थानीय ग्रामीणों की सक्रियता और जिला प्रशासन की निगरानी ने इस बेहतर सड़क के निर्माण में बेहद भूमिका अदा की है. बता दें कि लगातार न्यूज ने मंगलवार को कौड़िया ग्रामीणों की शिकायत पर एक खबर प्रसारित की थी. जिस पर पलामू उपायुक्त शशि रंजन और कार्यपालक अभियंता ने संज्ञान लेते हुए सड़क ठीक करने का आदेश दिया था. इसके बाद बुधवार को संबंधित ठेकेदार द्वारा फिर से सड़क को उखाड़ कर बनाया जा रहा है. इधर स्थानीय ग्रामीणों ने शुभम संदेश व लगातार न्यूज के इस प्रयास के लिए आभार प्रकट किया.

मुख्यालय में प्रतिनियुक्त हुए छह पुलिस पदाधिकारी

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में दो इंस्पेक्टर समेत छह पुलिस पदाधिकारी प्रतिनियुक्त किए. डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश के बाद डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. जिनको पुलिस मुख्यालय में प्रतिनियुक्त किया गया, उसमें इंस्पेक्टर अजय कुमार, महेंद्र दास के अलावा सब इंस्पेक्टर हेमंत भगत, ऋषिकेश कुमार सिन्हा, ललित खलखो और प्रीति कुमारी शामिल है.

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी कल रांची में

रांची। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव 18 अक्तूबर को रांची पहुंचेंगे. यहां वे राजद के नेताओ-कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेंगे. प्रदेश राजद के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव ने बताया कि तेजस्वी यादव सीट शेयरिंग पर भी चर्चा करेंगे.

चुनाव की घोषणा से पूर्व ही

भारतीय वन सेवा के 20 अफसरों को सौंपा गया अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने 20 आईएफएस अफसरों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा है. चुनाव की घोषणा से पहले इन अफसरों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वन विभाग ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है.

नाम	कहां का मिला अतिरिक्त प्रभार
सत्यजीत सिंह	अध्यक्ष, झारखंड जैव विविधता पर्षद
डीके सक्सेना	अप्र निदेशक, प्रसार वानिकी, संथाल परगना, दुमका
पारितोष उपाध्याय	अप्र निदेशक, प्रसार वानिकी, दक्षिणी छोटानागपुर
संजीव कुमार	अप्र अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्य नियोजना
रवि रंजन	अप्र निदेशक, प्रसार वानिकी, उत्तरी छोटानागपुर पलामू हजारीबाग
कुमार मनीष अरविंद	अप्र झारखंड सहभागी वन प्रबंधन परियोजना, रांची
एसआर नटेश	अप्र मख्य वन संरक्षक कार्मिक अराजपत्रित
आर थांगा पांडियन	महाप्रबंधक, लघु वन पदार्थ परियोजना अंचल, रांची
पीआर नायडू	अप्र निदेशक राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
ममता प्रियदर्शी	महाप्रबंधक, लघु वन पदार्थ परियोजना अंचल, हजारीबाग
सौरभ चन्द्रा	अप्र, वन प्रमंडल पदाधिकारी, सामाजिक वानिकी वन प्रमंडल, दुमका
विजय शंकर दूबे	वन प्रबंधन परियोजना, रांची
मनीष तिवारी	अप्र वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, गिरिडीह
विकास कु. उज्जवल	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी सामाजिक वानिकी प्रमंडल हजारीबाग
श्रीकांत वर्मा	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी, प्रचार एवं प्रसार प्रमंडल, रांची
मौन प्रकाश	अप्र, वन प्रमंडल पदाधिकारी, गोड्डा वन प्रमंडल, गोड्डा
अंकित कुमार सिंह	अप्र महाप्रबंधक, लघु वन पदार्थ अंचल, गिरिडीह
अवनीश कुमार चौधरी	अप्र वन संरक्षक, योजना अंचल, रांची
अहमद बिलाल अनवर	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी, सिमडेगा
आलोक कुमार वर्मा	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी, पोडाहाट वन प्रमंडल, पोडाहाट

नरबली के जुर्म में जेल में बंद थे तीनों

जेल में बंद साबिया, सबा और शहजादी सात साल बाद निकलेंगी जेल से बाहर

विनित आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने 6 वर्षीय मासूम की नरबली के जुर्म में जेल में बंद तीन दोषियों को जमानत दे दी है. दरअसल गुमला सिविल कोर्ट ने वर्ष 2017 में चार लोगों साबिया, सब्बा, शहजादी और जमील को नरबली के जुर्म में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी. इसके खिलाफ तीनों दोषियों ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की थी. इस केस के चौथे दोषी जमील को हाईकोर्ट से पहले ही बेल मिल चुकी है. साबिया, सब्बा और शहजादी की अपील पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस नवनीत कुमार की बेंच में सुनवाई हुई. दोषियों की ओर से हाईकोर्ट की अधिवक्ता शौर्या द्विवेदी ने बहस की. साबिया, सब्बा और शहजादी तीनों सगी बहनें हैं. इनके खिलाफ एक छह वर्षीय मासूम की बली देने का जुर्म सिद्ध हुआ था. निचली अदालत द्वारा सजा सुनाये जाने के बाद तीनो दोषी सात वर्ष से जेल की सलाखों के पीछे थी. हाईकोर्ट लीगल सर्विस पैनल के जरिये दोषियों ने अधिवक्ता शौर्या द्विवेदी को अपना अधिवक्ता नियुक्त किया था.

झारखंड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा नियमावली हो गई लागू

केंद्र सरकार के विभागों में भी होगी वित्त विभाग के अंकेक्षकों की प्रतिनियुक्ति

- शैक्षणिक संस्थानों के साथ स्थानीय निकाय, बोर्ड व सहकारी समिति में भी दे सकेंगे सेवा

प्रमुख संवाददाता। रांची

अब वित्त विभाग में अंकेक्षण सेवा के कर्मियों की प्रतिनियुक्ति स्थानीय निकाय, बोर्ड, सहकारी समिति और शैक्षणिक संस्थानों में भी की जा सकेगी. इसके साथ ही इस कैडर के कर्मियों की प्रतिनियुक्ति मांग एवं उपलब्धता के आधार पर राज्य या केंद्र सरकार के किसी भी विभाग में विभागीय सहमति के बाद की जा सकेगी. इसके लिए वित्त विभाग ने झारखंड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा नियमावली लागू कर दी है. इस नियमावली के तहत केंद्र सरकार या किसी अन्य राज्य सरकार के पूर्णतः या अंशतः नियंत्रण वाले किसी कार्यालय में, उनकी मांग के अनुरूप प्रतिनियुक्ति की जा सकेगी.

सेवा संपुष्टि के लिए दो साल संतोषजनक पूरा करना होगा काम : सेवा संपुष्टि के लिए दो वर्षों की परीक्ष्यमान अवधि संतोषजनक रूप से पूर्ण करना होगा. कार्मिक विभाग द्वारा संचालित हिंदी टिप्पण व प्रारूपण परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा. परीक्ष्यमान अवधि में निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा. इस संवर्ग के कर्मियों को राजस्व पर्षद द्वारा आयोजित कम्प्यूटर ज्ञान व टंकण परीक्षा भी पास होना अनिवार्य होगा. राजस्व पर्षद द्वारा आयोजित विभागीय परीक्षा में पास होने के बाद ही सेवा संपुष्टि की जायेगी. परीक्ष्यमान अवधि में किसी तरह का दंड अधिरोपित होने की स्थिति में परीक्ष्यमान अवधि बढ़ायी जा सकेगी, जो अधिकतम दो वर्ष तक होगी. सभी विभागीय परीक्षा उत्तीर्णता के बाद अधिकतम दो वेतन वृद्धि तक दी जायेगी व अगली वेतन वृद्धियों नियमित रूप से सेवा संपुष्टि के बाद यथा नियम अनुमान्य होगी.

■ सीधी नियुक्ति से भरे जाएंगे 145 अंकेक्षक के पद : नियमावली के तहत सीधी नियुक्ति से 145 अंकेक्षक के पद भरे जाएंगे. प्रथम प्रोन्नति से वरीय अंकेक्षक के 72 पद भरे जाएंगे. द्वितीय प्रोन्नति से अंकेक्षण पदाधिकारियों के 36 पद भरे जाएंगे. सीधी नियुक्त की प्रक्रिया झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा अनुशंसा प्राप्त होने के बाद पूरी की जाएगी.

नव प्रोन्नत एएसआई को बैच पहनाकर सम्मानित किया गया

संवाददाता। रांची

रांची पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में नव प्रोन्नत एएसआई को बैच पहनाकर सम्मानित किया गया. मौके पर एसएसपी, सिटी एसपी, कोतवाली और सदर डीएसपी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे. एसएसपी ने कहा कि नवप्रोन्नत एएसआई ऐसा बदलाव लायें, जिससे खुद के साथ-साथ रांची पुलिस की भी अच्छी छवि बन सके. सम्मानित किये गये नवप्रोन्नत पुलिसकर्मियों में खुशी साफ झलक रही थी. बता दें कि झारखंड पुलिस मुख्यालय ने बीते दिनों करीब दो हजार पुलिसकर्मियों को प्रोन्नतिदी थी.

राजनीतिक हलचल विधायक रामचंद्र सिंह के लिए खतरे की घंटी, हर तरफ इसकी चर्चा

कांग्रेस ने की जिलाध्यक्ष को मैदान में उतारने की तैयारी

आशीष टैगोर। लातेहार

मनिका के कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह के लिए खतरे की घंटी बजती सुनाई दे रही है. कांग्रेस का एक बड़ा तबका अपना प्रत्याशी मैदान में उतारने की तैयारी में है. अगर ऐसा हुआ तो कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह के लिए चुनाव की डगर आसान नहीं होगी. मनिका में कांग्रेसियों ने एक बैठक की है और कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव को आसन्न विधानसभा चुनाव में मनिका से अपना प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया है. कांग्रेसियों ने कहा कि अगर संगठन मुनेश्वर यादव को टिकट नहीं देती है तो उन्हें निर्दलीय मैदान में उतारा जायेगा.

मुनेश्वर उरांव ने शुभम संदेश से कहा

जनता चाहेगी तो चुनाव अवश्य लड़ेंगे

इससे पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं मुनेश्वर उरांव

बता दें कि कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं. साल 2014 के विधानसभा चुनाव में मुनेश्वर उरांव ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था और 27,731 मत हासिल कर तीसरे स्थान पर रहे थे. भाजपा के हरिकृष्ण सिंह (31,583) ने राजद के रामचंद्र सिंह (30,500) को मात्र 1583 वोटों से हराया था. इससे पहले साल 2009 के विधानसभा चुनावों में मुनेश्वर उरांव ने झारखंड जनाधिकार मंच के टिकट से चुनाव लड़ा था और चौथे स्थान (7,425) पर रहे थे. भाजपा के हरिकृष्णा सिंह ने (18,645) कांग्रेस के रामेश्वर उरांव (16,876) को हराया था.

24अक्टूबर को नामिनेशन करेंगे मुनेश्वर उरांव : राजकिशोर सिंह

कांग्रेस पार्टी की एक बैठक मनिका में प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजकिशोर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में बूथ व पंचायतों के कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने भाग लिया. बैठक में जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव को मनिका से कांग्रेस का प्रत्याशी बनाने की मांग की गयी. राजकिशोर सिंह ने कहा कि अगर संगठन मुनेश्वर उरांव को टिकट नहीं देती है तो मुनेश्वर उरांव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 24 अक्टूबर को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेगें. बैठक में मोहन ठाकुर, मिथिलेश पासवान, अख्तर अंसारी, दिलीप राम व पवन कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे. हालांकि इस संबंध में पूछे जाने पर शुभम संदेश से बात करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव ने कहा कि वे आम आवाम की इच्छा का सम्मान करते हैं. अगर जनता चाहेगी तो वे अवश्य चुनाव लड़ेंगे.

40वीं सीनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप पांडिचेरी में कल से

झारखंड ताइक्वांडो की टीम पुडुचेरी रवाना

संवाददाता। रांची

पुडुचेरी ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन और भारतीय ताइक्वांडो महासंघ द्वारा आयोजित 40वीं सीनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 18 से 20 अक्टूबर को पुडुचेरी के राजीव गांधी इंदौर स्टेडियम में आयोजित होने वाली चैंपियनशिप के लिए झारखंड ताइक्वांडो की टीम रवाना हुई. टीम झारखंड ताइक्वांडो के वरीय सदस्य व रांची जिला के सचिव सैयद फारुक नदीम कोच के नेतृत्व में धनबाद अल्लपुजा एक्सप्रेस से रवाना हुई. देवघर, हजारीबाग, रांची, धनबाद जमशेदपुर, गोड्डा के खिलाड़ियों का चयन देवघर में आयोजित स्टेट चैंपियनशिप में किया गया था. खिलाड़ियों, जो झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे, उनमें अविनाश नारायण सिंह,आदित्य नारायण सिंह, रोशन कुमार चौहान, उत्कर्ष सिंह, हर्षित राज, चेतन कुमार, दीपक कुमार, मनजीत सिंह, अकीब जावेद. महिला खिलाड़ीयों में बुधेश्वरी कुमारी, राजनंदिनी, नीरा कुमारी, अंजली केशरी शामिल है. सभी खिलाड़ियों को झारखंड ताइक्वांडो के सचिव नीरज कुमार, उपाध्यक्ष मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष बमबम कुमार देव, संयुक्त सचिव रबीउल हुसैन, दिलीप कुमार, राजीव रंजन, देवघर ताइक्वांडो के अध्यक्ष अनूप कुमार, संरक्षक जेसी राज ने खिलाड़ियों को बधाई दी. साथ ही जीत के लिए शुभकामनाएं भी दी.

आत्म चिंतन का सुझाव

मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया सहित सभी संबंधित संस्थानों को आत्म चिंतन करने का सुझाव दिया है. चुनावों की पारदर्शिता, स्वतंत्रता, निष्पक्षता और सभी के लिए समान जमीन की उपलब्धता को ले भारत में अनेक तबकों के बीच से सवाल उठते रहे हैं. इस बार तो इलेक्ट्रॉनिक मशीनों को ले कर हरियाणा में जिस तरह के सवाल उठे हैं,उसके जवाब की प्रतीक्षा अब तक की जा रही है. देश के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार कांग्रेस ने हरियाणा के चुनाव परिणामों को लेकर जिस तरह की प्रतिक्रिया दी और उस पर चुनाव आयोग ने जिस तरह का जवाब दिया,उसे ले कर भी अनेक सवाल उठाए जा रहे हैं. इस बीच झारखंड और महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों के एलान के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने एग्जिट पोल,उसकी प्रक्रिया,सर्वेक्षण सैंपल और उसकी प्रमाणिकता को ले कर सवाल उठाया है. इसके साथ ही हरियाणा का उल्लेख करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने वोटों के गिनती और रुझानों के मीडिया पर आने के समय को ले कर जो सवाल उठाए हैं, वह भी ऐतिहासिक है. चुनाव आयोग ने लोगों के बीच संशय को खत्म करने के बजाय और पेचीदा हालात तो नहीं बना दिए हैं. यह सवाल भी उठ रहा है क्या सच में हकीकत का सामना किया जा रहा है. दरअसल यह बात अनेक महत्वपूर्ण हलकों से कही जा रही है. लोकतंत्र में चुनावों को हर हाल में निष्पक्ष बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है. किसी तरह का संदेह और सवाल न उठे इसकी गारंटी भी चुनाव आयोग ही कर सकता है. महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव को पूरी तरह निष्पक्ष बना कर चुनाव आयोग अपनी गरिमा में वृद्धि ही करेगा. अतीत में चुनाव आयोग ने समय-समय पर उठने वाले सवालों को ले कर संजीदगी का प्रदर्शन किया है और चुनाव की प्रक्रिया को पूरी तरह गरिमामयी बनाने के लिए प्रयास किए हैं. यही कारण है कि दुनिया भर में भारत के चुनाव आयोग की साख है, लेकिन देश के भीतर पिछले कुछ समय से इस साख पर संशय के बादल मंडराते रहे हैं. चुनावों में मतदान खत्म होने से लेकर वोटों की गिनती वाले दिन तक एग्जिट पोल आने, फाइनल रिजल्ट आने से पहले रुझानों और परिणामों के ट्रेंड बताए जाने को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की कड़ी प्रतिक्रिया एक अच्छी शुरुआत कही जा सकती है. राजीव कुमार ने कहा कि एग्जिट पोल्स के एक उम्मीद सेट करने से बहुत बड़ा अवरोध पैदा हो रहा है. मीडिया के लिए भी यह बड़ा आत्ममंथन का विषय है. मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि पिछले कुछ चुनावों से दो-तीन चीजें एक साथ हो रही हैं. अगर हम इस पूरे संदर्भ को एक साथ देखें तो यह समझना सभी के लिए बेहद जरूरी है, जिसमें पहले एग्जिट पोल आते हैं, जिसके बारे में कुछ पता नहीं कि उसका सैंपल साइज क्या था, उसका सर्वे कहां हुआ और उसका रिजल्ट कैसे आया. ऐसे में अगर कोई एग्जिट पोल नतीजों से मैच नहीं हुआ तो क्या आयोग की जिम्मेदारी है? इस पर चिंतन करने की जरूरत है.

> लोकतंत्र में चुनावों को हर हाल में निष्पक्ष बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है. किसी तरह का संदेह और सवाल न उठे इसकी गारंटी भी चुनाव आयोग ही कर सकता है.

सुभाषित

न प्रहृष्यति सन्माने नापमाने च कुप्यति।
न क्रुद्धः परूषं ब्रूयात् स वै साधूत्तमः स्मृतः॥

मनुस्मृति में श्रेष्ठ सज्जन को इस प्रकार परिभाषित किया गया है. जिन्हें सम्मान दिये जाने पर हर्ष नहीं होता. जिन्हें अपमानित किये जाने पर भी क्रोध नहीं आता. जो अत्यधिक क्रोध आने पर भी कठोर वचन नहीं बोलते, वैसे ही लोगों को सज्जनों में श्रेष्ठ कहा गया है.

जानलेवा है कार्यस्थल का तनाव

पुणे की घटना भी सुर्खियों में नहीं आती अगर मृत महिला कार्यपालक की माता ने अपने मार्मिक एवं विस्तृत पत्र के माध्यम से घटना को उजागर नहीं किया होता. पत्र के अनुसार उक्त कर्मी पर कार्य का दबाव उसकी बर्दाश्त करने की क्षमता से अधिक था, जिसकी परिणति इस दुखद घटना में हुई. श्रम एवं नियोजन मंत्रालय ने ऐसे संकेत तो दिए हैं कि घटना की गंभीरता से जांच की जाएगी.

• देश-काल

डॉ. प्रमोद पाठक

तेज रफ्तार के इस दौर में समाज का संस्कार और समाज की मानसिकता बदल गई है. मनुष्य बस एक मशीन बन गया है.एक पागलपन का दौर चल रहा है. प्रबंधन विज्ञानी इसे रैट रेस यानी चूहा दौड़ कहते हैं.इस चूहा दौड़ के परिणाम घातक साबित हो रहे हैं.अत्यधिक तनाव इस चूहा दौड़ की बड़ी त्रासदी है, जिससे बचना नामुमकिन है.लेकिन जीवन एक लंबी दूरी की रेस है और बहुत तेज दौड़ने वाले बहुत दूर तक नहीं दौड़ पाएंगे किंतु यह सोचने की फुर्सत किसे है.पिछले दिनों एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की पुणे की शाखा में कार्यरत एक युवा महिला कार्यपालक इसी मानसिकता का शिकार हुई और उसे जान से हाथ धोना पड़ा. कार्यस्थल के अत्याधिक तनाव का दबाव वह नहीं झेल पाई .दरअसल आज के कार्यस्थल पूरी तरह से मशीनी हो गए हैं जिसमें इंसानी भावनाओं के लिए जगह है ही नहीं.सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धि के इस युग में इन कार्यस्थलों में काम करने वाले लोग रोबोट की तरह हो गए हैं. उन पर अधिक से अधिक उत्पादन करने का अनावश्यक दबाव दिया जाता है जिसे प्रबंधन की भाषा में टारगेट कहते हैं. उत्पादकता बढ़ाने के चक्कर में इंसान का मशीनीकरण हो गया है. बहुराष्ट्रीय कंपनियां कर्ण प्रिय मुहावरे बनाकर अपनी छवि युवाओं के लिए तो आकर्षक बनाती हैं लेकिन वहां के कार्य संस्कृति की सच्चाई कुछ और ही है.पुणे की घटना तो महज एक उदाहरण है .आज के कार्यस्थल की भयावह परिस्थिति को दर्शाने वाले ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे.

पुणे की घटना भी सुर्खियों में नहीं आती अगर मृत महिला कार्यपालक की माता ने अपने मार्मिक एवं विस्तृत पत्र के माध्यम से घटना को उजागर नहीं किया होता. पत्र के अनुसार उक्त कर्मी पर कार्य का दबाव उसकी बर्दाश्त करने की क्षमता से अधिक था जिसकी परिणीति इस दुखद घटना में हुई. श्रम एवं नियोजन मंत्रालय ने ऐसे संकेत तो दिए हैं कि घटना की गंभीरता से जांच की जाएगी.लेकिन प्रश्न है कि क्या इस तरह के अनावश्यक दबाव से पीड़ित कार्यपालक खुद को बचा पाएंगे. उक्त घटना के बाद बहुत से ऐसे अन्य जगह के कर्मियों ने अपने अनुभव साझा किए हैं और कार्यस्थल की यह दबी हुई सच्चाई आज सामने आ रही है.उत्पादकता बढ़ाने का दबाव आज के प्रबंधकों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है. इसके पीछे अवधारणा यह है कि इस तरह से कार्यपालकों से अधिक से अधिक काम लेकर उत्पादन प्रक्रिया को अधिक लाभदायक बना दिया जा सकता है.किंतु ऐसी नीतियां कर्मियों पर अनावश्यक दबाव डालती हैं जिसका नतीजा पुणे जैसी दुखद घटनाओं में हम देख सकते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस तरह के दबाव से उत्पन्न मानसिक स्थिति को वर्ष 2019 में बर्नआउट का नाम दिया था.बर्नआउट अत्यधिक दबाव से पैदा हुए मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कहा जाता है जिसके चलते कर्मियों को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं. कैसी विडम्बना है कि उत्पादन बढ़ाने के लिए दिया गया यह दबाव अंततः कार्य के प्रति अरुचि बढ़ाता है और कार्य क्षमता को घटा देता है. अक्सर कर्मचारी इन परिस्थितियों में चुका हुआ महसूस करते हैं. मनोविज्ञान के शोध में आज से 100 साल से भी ज्यादा पहले यह स्थापित किया गया है कि उत्पादकता बढ़ाने के लिए दबाव नहीं, बल्कि कार्यस्थल को खुशहाल बनाना ज्यादा जरूरी है. कर्मियों की उत्पादकता उनके सुखद मानसिकता पर अधिक निर्भर है ना कि दबाव द्वारा उत्पन्न हुए भय, असुरक्षा और तनाव के माहौल पर.पर सुनता कौन है.

अब पुणे की ही घटना की बात करें. जिस कंपनी में यह दुखद घटना घटी वहां कर्मियों को चेतावनी दी जा रही है कि इस मामले पर कुछ भी बोलना उनके लिए नुकसानदेह होगा. जिस प्रबंधक के नेतृत्व में वह काम करती थी उनका कथन था की उसे उतना ही काम दिया गया जितना दूसरों को दिया गया था.अतः कार्य की अधिकता उसके दबाव का कारण नहीं थी. प्रबंधकीय भाषा में यह पूरा प्रकरण औद्योगिक संगठन की कार्य संस्कृति से जुड़ा है. प्रबंध विज्ञान की दुनिया भर में मानी हुई पत्रिका हॉवर्ड बिजनेस रिव्यू की एक शोध में यह पाया गया कि जब कोई कर्मचारी दबाव महसूस कर रहा हो या क्षुब्ध हो तो उसके वरिष्ठ प्रबंधक क्या कहते या करते हैं इसका बहुत असर पड़ता है.आज की ज्यादातर बहुराष्ट्रीय कंपनियां मुनाफा के दौड़ में कर्मचारियों की आहुति देने से भी परहेज नहीं करते.इस मामले में टाटा कंपनी के प्रबंधन से बहुत कुछ सीखा जा सकता है. किसी भी संगठन की कार्य संस्कृति उसके शीर्ष प्रबंधकों के व्यवहार पर निर्भर करती है. आज आवश्यकता है कार्य स्थलों को कर्मी हितैषी बनाने की ताकि कोई भी कर्मी अपने मन की बात शीर्ष प्रबंधन से कह सके. किंतु आज के प्रबंधन की दुनिया में इसके विपरीत बोलना मना है का सिद्धांत प्रचलित है.आज मुनाफा और उत्पादकता की अंधी दौड़ में मानवीय संवेदनाएं लुप्त हो रही हैं एवं कर्मियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है. खास करके, जहां पेंशन की व्यवस्था नहीं है वहां अधिक से अधिक काम करके भविष्य के लिए इंतजाम करने के लिए लोग अपना जीवन दांव पर लगा देते हैं. यदि कर्मचारी भविष्य की सुरक्षा के प्रति आशान्वित रहेगा तो अधिक उत्पादक तो रहेगा ही साथ ही उसके उत्पादन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी. दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है की कई बार सरकारें भी इस सच्चाई को स्वीकार नहीं करतीं कि पेंशन की सुरक्षा कर्मियों को अपने कार्य जीवन में अधिक लगन से काम करने को प्रेरित करती है.आंकड़े बताते हैं कि भारत में कार्यस्थल मशीनी बन गए हैं. कोई 51 फ़ीसदी कर्मी प्रति सप्ताह 49 घंटे या उससे अधिक काम करते हैं. इस लिहाज से कई पश्चिमी देश काफी बेहतर स्थिति में है जहां ज्यादातर लोग 32 से 33 घंटे प्रति सप्ताह काम करते हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

अलौकिक प्रेम

श्रीकृष्ण अब राजा बन गए थे. स्वाभाविक है कि राजकाज के लिए समय देना ही पड़ता. स्वयं भगवान ही जिन्हें राजा के रूप में मिल गए हों, उनकी प्रसन्नता की कोई सीमा होगी. द्वारकावासी दिनभर उन्हें घेरे रहते. जो एक बार दर्शन कर लेता, वह तो जाने का नाम नहीं लेता. बार बार आता. प्रभु मना कैसे करें और क्यों करें? ब्रज से दूर श्रीकृष्ण हमेशा अकेलापन महसूस करते. उन्हें गोकुल और ब्रज हमेशा याद आता. जिस भी ब्रजवासी के मन में अपने लल्ला से मिलने की तीव्र इच्छा होती, श्रीकृष्ण उसे स्वप्न में दर्शन दे देते. स्वप्न में आते तो उलाहना मिलती, इतने दिनों से क्यों नहीं आए. यही सिलसिला था. भक्त और भगवान वैसे तो दूर दूर थे. फिर भी स्वप्न में ही दर्शन हो जाएं तो ऐसे भाग्य को कोई कैसे न सराहे. श्रीकृष्ण से विरह से सबसे ज्यादा व्याकुल तो राधाजी थीं. राधा और कृष्ण मिलकर राधेकृष्ण होते थे पर दोनों भौतिक रूप से दूर थे. एक दिन की बात है. राधाजी सखियों संग कहीं बैठी थीं. अचानक एक सखी की नजर राधाजी के पैर पर चली गई. पैर में एक घाव से खून बह रहा था. राधा जी ने गोपियों को बहलाने का प्रयास तो किया पर सफल नहीं रहीं. किसी ने भी उनकी इस बात का विश्वास न किया. प्रश्नों से भाग रही थीं, अब पलटकर फिर से प्रश्न शुरू हो गए. सखियों ने पूछा, यदि यह घाव कान्हा के पैरों के नाखून से हुआ तो अबतक सूखा क्यों नहीं? कान्हा को गए तो कई बरस हो गए हैं. इतने में तो कोई भी घाव सूख जाए. देखो कुछ छुपाओ मत. हमसे छुपा न सकोगी. आज नहीं तो कल पता तो चल ही जाएगा. सो अच्छा है कि आज ही बता दो. राधा जी समझ गईं कि सखियों को आधी बात बताकर बहलाया नहीं जा सकता. वह तो अपने कन्हैया से आज ही रात स्वप्न में पूछ लेंगी. बात तो खुल ही जाएगी इसलिए बता ही देना चाहिए. राधा जी बोलीं, घाव तो सूखता तब न, जब मैं इसे सूखने देती. मैं रोज इसे कुरेदकर हरा कर देती हूं. सखियों की तो आंख फटी रह गई, यह सुनकर कि राधा जी घाव को हरा कर रही हैं. यह तो बड़ी विचित्र बात हुई. सबके चेहरे पर एक साथ कई भाव आए. अब राधा जी से फिर से प्रश्नों की झड़ी लगने वाली थी. इससे पहले कि कोई कुछ कहे राधाजी ने ही बात पूरी कर दी. राधा जी के पैर में चोट लगी है, घाव से खून बह रहा है. सभी चिंतित हो गए कि उन्हें यह चोट लगी कैसे. लगी भी तो किसी को पता क्यों न चला.

शालीनता और सादगी की एक मिसाल

• स्मृति

जगदीश रत्नानी

पद्म विभूषण रतन नवल टाटा का निधन टाटा समूह और भारतीय व्यापार व उद्योग की व्यापक दुनिया के लिए एक युग का अंत है. टाटा समूह का उन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक नेतृत्व किया. टाटा समूह के प्रमुख के रूप में रतन टाटा का कार्यकाल उदारीकरण के युग के साथ का सह-टर्मिनस था जिसने भारतीय व्यापार परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल दिया और उसे साहसिक दांव, गहरे बदलाव और नई दिशाओं में ले गया. इनमें से कुछ भी आसान नहीं था, विशेष रूप से यह देखते हुए कि रतन टाटा को उस समूह को स्थानांतरित करने का काम सौंपा गया था जो हिंदू विकास दर की भारतीय कहानी का इतर हिस्सा था. उन्होंने इसे तेजी से आगे बढ़ाने और उच्च स्तर पर देखने की जिम्मेदारी उठाई.

इसका मतलब था बदलाव करना. अर्थात रतन टाटा पहले टाटा कंपनी को पुराने नियंत्रण से मुक्त कर अपने पूर्ण नियंत्रण ले सकें और फिर संगठन को दायरे और आकार पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकें. दुनिया की सबसे सस्ती कार का निर्माण (या लोगों की कार, जैसा नैनो को कहा जाता था), सॉफ्टवेयर दिग्गज टीसीएस को सार्वजनिक करना, टेटली और जगुआर लैंड रोवर को खरीदना उनके करियर की कुछ झलकियां हैं जिन्होंने समूह को हिलाकर रख दिया लेकिन इसके बावजूद जहाज को स्थिर रखा. यह एक चुनौतीपूर्ण यात्रा थी. रतन टाटा शांति के साथ काम करना पसंद करते थे इसलिए इस यात्रा को इसके सभी विस्तार के साथ कभी भी पूरी तरह से नहीं बताया गया. अपने पूर्ववर्ती जेआरडी टाटा के आकर्षण और चुंबकत्व के बिल्कुल विपरीत रतन टाटा अपने पूरे जीवन में अंतर्मुखी बने रहे.

जेआरडी स्पष्ट रूप से करिश्माई थे लेकिन रतन टाटा अभी भी एक शालीन नेता के रूप में खड़े थे जिन्होंने आज की बड़बोली और तेजतर्रार व्यापारिक दुनिया में शिष्टता और समझदार तरीके को बनाए रखा था. एक ऐसे युग में जब व्यापारिक नेता सोशल मीडिया पर अनिवार्य रूप से बोलते हैं, अपनी भड़कीली रुचियों के बारे में बताते हैं या अपनी पहुंच और शक्ति का प्रदर्शन करते हैं, तो ऐसे मामलों में रतन टाटा अलग थे. वे हमेशा सुर्खियों से दूर और अलग-थलग रहे. लगभग बंद दरवाजों के पीछे उन्होंने अपने जीवन के 86 साल बिताये.

> दुनिया की सबसे सस्ती कार का निर्माण (या लोगों की कार, जैसा नैनो को कहा जाता था), सॉफ्टवेयर दिग्गज टीसीएस को सार्वजनिक करना, टेटली और जगुआर लैंड रोवर को खरीदना उनके करियर की कुछ झलकियां हैं जिन्होंने समूह को हिलाकर रख दिया लेकिन इसके बावजूद जहाज को स्थिर रखा. यह एक चुनौतीपूर्ण यात्रा थी.

टाटा समूह के जाने-माने इतिहासकार स्वर्गीय रूसी एम लाला ने एक बार बातचीत में कहा था- 'रतन टाटा के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है,' और यह कि 'जेआरडी को रतन पर गर्व होगा.' लाला ने कहा था, 'कुछ अर्थों में यह हो सकता है या यह तर्क देना संभव है कि रतन ने जो हासिल किया है- बिना करिश्मे, व्यक्तित्व या जेआरडी के चुंबकत्व के- वह जेआरडी की उपलब्धि से अधिक है. हालांकि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जेआरडी लाइसेंस राज से बंधे थे जबकि रतन उदारीकृत युग के तहत प्रदर्शन करने के लिए अपेक्षाकृत स्वतंत्र थे.'

टाटा समूह के अंदरूनी सूत्र के इस आकलन ने रतन टाटा की अनूठी उपलब्धियों के बारे में बहुत कुछ कहा. ये बातें उस समय कही गई थीं जब रतन टाटा ने अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की थी और सायरस मिस्त्री को अध्यक्ष नामित किया गया था. उत्तराधिकार की यह कहानी जो अंततः समूह के लिए, सायरस मिस्त्री के लिए और व्यक्तिगत रूप से रतन टाटा के लिए बहुत गलत साबित हुई. फिर भी रतन टाटा इस झटके से भी उभरे और समूह को लगातार स्थिर रखा. उन्होंने 2017 में समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा सन्स के अध्यक्ष के रूप में टीसीएस के तत्कालीन अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन चंद्रशेखरन को नियुक्त किया और खुद चेयरमैन एमेरिटस का पद संभाला.

चंद्रशेखरन ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा है- 'टाटा समूह के लिए श्री टाटा एक चेयरपर्सन से कहीं अधिक थे. मेरे लिए वे एक संरक्षक, मार्गदर्शक और दोस्त थे. वे उदाहरण बनकर प्रेरित करते थे. टाटा समूह ने उनके नेतृत्व में उत्कृष्टता, सत्यनिष्ठा और नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपनी नैतिकता के प्रति हमेशा सच्चे रहते हुए अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार किया.' **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

फिलिस्तीन मसले पर गहरी चुप्पी के मायने

• विमर्श

शेखर गुप्त

गाजावासियों और खासतौर पर फिलिस्तीनियों के लिए भारतीयों के मन में सहानुभूति इतनी कम क्यों है? हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला के मारे जाने का समय छोड़ दें तो कोई खास विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं हो रहा है? नसरल्ला के मारे जाने पर भी ज्यादातर विरोध कश्मीर घाटी और लखनऊ के शिया बहुल इलाकों में ही हुआ. कोई प्रमुख राजनीतिक दल, कांग्रेस या मुस्लिम मतों पर भरोसा करने वाला कोई अन्य दल मसलन समाजवादी पार्टी या तृणमूल कांग्रेस इस पर नाराजगी तक नहीं दिखा पाया, विरोध प्रदर्शन तो दूर की बात है. कुछ वामपंथी समूहों ने जरूर पिछले दिनों जंतर मंतर पर फिलिस्तीन के लिए एकजुटता दिखाते हुए प्रदर्शन किया, लेकिन वह बेहद छोटा था. जो 'धर्मनिरपेक्ष' दल शुरू में इस पर बोले, वे जल्द ही वापस अपने खोल में चले गए. वे ऊहापोह में फंस गए और मुझे लगता है कि भारत में बहुसंख्यकों के इजरायल समर्थक रुख को देखकर वे सतर्क हो गए.

कांग्रेस ने वही किया जो वह अक्सर करती है. पहले एक्स पर कुछ कहा गया फिर दूसरों ने इससे इनकार कर दिया और बाद में बहुत संभालकर कुछ लिखा या कहा गया. केवल प्रियंका गांधी ने नाराजगी जाहिर की. उन्हें वायनाड से चुनाव भी लड़ना है, जहां 40 फीसदी से ज्यादा मतदाता मुसलमान हैं. हम विपक्ष की चिंता और सावधानी समझ सकते हैं. सभी को मुसलमानों के वोट चाहिए मगर हिंदुओं को अलग जाने देने की हिम्मत भी किसी के पास नहीं है. इसीलिए बड़ा सवाल यह हैः व्यापक भारतीय जनमानस इतना उदासीन क्यों है? क्या मानवीय त्रासदी अब हमें द्रवित नहीं करती? या तमाम बड़ी शक्तियों की तरह हम भी हर परिस्थिति को राजनीति के चश्मे से देखना सीख गए हैं? तो क्या हिंदू इसे केवल इजरायल बनाम मुस्लिम मसला मान रहे हैं? दलील यह भी हो सकती है कि इसे केवल सांप्रदायिक नजरिये से नहीं देखा जा रहा है बल्कि इसे राष्ट्रीय हित की नजर से भी देखा जा रहा है. अगर फिलिस्तीनी भारत का समर्थन चाहते हैं तो पहले उन्हें पाकिस्तान, ईरान तथा तुर्किये और मलेशिया (हालांकि अब वे कश्मीर का नाम नहीं लेते) जैसे अपने दोस्तों तथा ओआईसी से आग्रह करना होगा कि वे उनके साथ कश्मीर का जिक्र बंद कर दें. वरना भारत को उनकी परवाह क्यों हो?

कश्मीर और फिलिस्तीन को समान बताकर इस्लामिक दुनिया की सहानुभूति जुटाने की पाकिस्तान की कोशिश के कारण ही भारत में कश्मीर पर सहानुभूति खत्म हो गई है. भारत के लोग पाकिस्तान द्वारा कश्मीर का मुद्दा बार-बार उठाए जाने पर नाराज हैं. कश्मीर घाटी के बाहर पूरे भारत की जनता यही कहती हैः 'आखिर कौन सा कश्मीर मुद्दा?' अगर वहां कुछ था भी तो वह 5 पांच अगस्त 2019 को खत्म हो चुका है और अब वहां के चुनाव में 63.88 फीसदी मतदान तथा भाजपा की हार के साथ बात पूरी हो गई है. घाटी में भी पाकिस्तान के नजरिये को मिलने वाला समर्थन तेजी से घट रहा है.

हमने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि हमें इसे 'मुसलमान शत्रु का शत्रु यहूदी हमारा मित्र है' जैसा सरल नहीं मानना चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि इस्लामिक दुनिया और भारत के बीच समीकरण बदल गए हैं. सोवियत संघ के पतन के बाद इजरायल शायद भारत में सबसे लोकप्रिय देश है.

विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत-इजरायल रिश्तों के बारे में पढ़िए. इसकी शुरुआत इस पंक्ति के साथ होती है कि हम अहम साझेदार हैं. उसके बाद भारत की अन्य व्यापक और अहम साझेदारियों पर नजर डालिए. संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और मिस्र जैसे सबसे ताकतवर इस्लामिक और अरब देश इसमें शामिल हैं. ये सभी इजरायल के पड़ोसी भी हैं. वे इजरायल पर हमलावर ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइलों को मार गिराते रहे हैं. इस स्तंभ में हम ने अक्सर कहा भी है कि राष्ट्रहित हमेशा इस्लाम वाद पर भारी रहा है. ईरान, उसकी शिया बुनियाद और मुस्लिम ब्रदरहुड के साथ उसके रिश्ते उन सभी के लिए साझा खतरा हैं. (बिजनेस सटैंडर्ड से साभार)

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत-इजरायल रिश्तों के बारे में पढ़िए. इसकी शुरुआत इस पंक्ति के साथ होती है कि हम अहम साझेदार हैं. उसके बाद भारत की अन्य व्यापक और अहम साझेदारियों पर नजर डालिए. संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और मिस्र जैसे सबसे ताकतवर इस्लामिक और अरब देश इसमें शामिल हैं.

मीडिया में अन्यत्र

परमाणु निरस्त्रीकरण पर बहस छिड़नी चाहिए

हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराने की अमेरिकी करतूत के बाद इन शहरों को अभूतपूर्व तबाही से गुजरना पड़ा था, जिसके 79 साल पश्चात निहोन हिदानक्यो को 2024 का नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया. इस संगठन ने बच गये लोगों (जिन्हें हिबाकुशा कहा जाता है) के कल्याण के लिए काम किया और परमाणु हथियारों के उन्मूलन की जरूरत पर आम सहमति बनाने की अथक कोशिश की. आज, बम हमलों में बचे लोगों की संख्या बमुश्किल एक लाख से ऊपर है, और हिबाकुशा की औसत उम्र 86 साल से ज्यादा है. बम हमलों में अनुमानतः 1.5 लाख लोगों की मौत हुई और बहुत से अन्य लोगों की मौत रेडियोएक्टिविटी के संपर्क में आने के पश्च-प्रभावों के चलते बाद में हुई. परमाणु बम हमलों की भयावहता और युद्धोपरांत सरकार की निष्क्रियता (जिसका मुख्य कारण हिबाकुशा की पीड़ा की खबरों पर अमेरिकी प्रतिबंध था) हिदानक्यो के गठन के रूप में सामने आयी. उसने हिबाकुशा को चिकित्सकीय एवं कल्याणकारी लाभ दिये जाने की पैरवी की और आंदोलन चलाया तथा परमाणु हथियारों के खिलाफ अडिग रुख अपनाया. उनके नारे में इस पर जोर दिया गया है, "अब और हिबाकुशा नहीं". जापान में अपनी सक्रियता (एक्टिविज्म) के अलावा, हिदानक्यो अपनी पीड़ा साझा करने और दुनिया को परमाणु हथियारों की भयावहता के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कई देशों की यात्राओं पर भी गया, जिनमें भारत भी है. नोबेल कमेटी की सराहना करनी होगी कि उसने हिदानक्यो के योगदान को स्वीकार किया. जैसा कि कुछ विद्वान दावा करते हैं, हिदानक्यो की सक्रियता ने जापान में राजनीतिक विमर्श को बृहत्तर लोकतंत्र और न्याय की ओर ले जाने तथा शांतिवाद के उस सिद्धांत के प्रति जनता को संवेदनशील बनाने में मदद की जिसे द्वितीय विश्व युद्ध में पराजय के बाद जापान के संविधान में शामिल किया गया.युद्ध-विरोधी संगठनों की सक्रियता और सामाजिक आंदोलनों (इनमें हिदानक्यो की निःस्वार्थता और यह तथ्य कि वे परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के सीधे भुक्तभोगी थे, एक अलग मुकाम रखते हैं) के बावजूद, परमाणु-शक्ति से लैस राष्ट्रों ने अपने शस्त्रागारों में परमाणु हथियारों को तैयार रखना और इनका इस्तेमाल सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के लिए करना जारी रखा है. इसका ताजा उदाहरण रूस का यह साफ बयान है कि वह पारंपरिक हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए अपने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से हिचकेगा नहीं. उसने इस धमकी का इस्तेमाल यूक्रेन पर अपना आक्रमण बेशर्मी से जारी रखने के लिए किया है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सहस्र/सहस्त्र

हजार को संस्कृत भाषा में सहस्र कहा जाता है, लेकिन इस शब्द के बोलने और लिखने में बहुत सारे लोग गलतियां करते हैं. वे सहस्र को सहस्त्र बोलते और लिखते पाये जाते हैं. इसका कारण अज्ञानता भी हो सकता है और भ्रम भी. अज्ञानता इसलिए कि वैसे लोगों को इस शब्द का सही ज्ञान नहीं है. भ्रम इसलिए कि सहस्र और सहस्त्र शब्द देखने में एक जैसे लगते हैं. यदि अर्थ के दृष्टिकोण से देखें तो सार्थक शब्द सहस्र ही है, सहस्त्र नहीं. इस संबंध में विचार अपेक्षित है. सहस्र शब्द के अंत में 'स्' और 'र' है, वहीं सहस्त्र के अंत में स्+त्र है. गौर करने की बात यह है कि 'स्र' और 'स्त्र' वाले शब्द संख्या में बहुत कम हैं. जैसे 'स्त्र' वाले शब्द हैं अस्त्र, शस्त्र, वस्त्र, मिस्त्री, शास्त्र आदि. इसी प्रकार 'स्र' से बने शब्द भी अधिक संख्या में नहीं हैं. जैसे सहस्र, स्रोत, स्राव, मिस्र, इस्राइल आदि. इसी प्रकार का भ्रम स्रोत के मामले में भी होता है, जिसे बहुत सारे लोग स्त्रोत बोलते हैं और लिखते भी हैं. स्रोत का मतलब है उद्गम स्थल यानी वह स्थान या वस्तु जहां से कुछ निकलता है या प्राप्त होता है. अगर आप स्रोत की जगह स्त्रोत लिखते हैं तो उसका कोई अर्थ नहीं होता. हां, इससे मिलता-जुलता शब्द है स्तोत्र, जिसका मतलब होता है किसी की स्तुति या प्रशंसा में लिखा गया श्लोक या ग्रंथ. यदि इन शब्दों की वर्तनी और उच्चारण को दिमाग में बैठा लिया जाये तो भविष्य में 'स्र' और 'स्त्र' को लेकर भ्रमित होने की संभावना समाप्त हो जाएगी. आश्चर्य की बात तो यह है कि हिंदी शब्द सागर के ऑन लाइन संस्करण में कहीं सहस्र तो कहीं सहस्त्र ही लिखा मिलता है. ऐसा लगता है कि जिन लोगों ने इस शब्द को कंपोज किया होगा, वे स्वयं ही सहस्त्र ही लिखने-बोलनेवाले होंगे और उसकी ढंग से प्रूफ रीडिंग नहीं की गयी होगी.

जब हुआ मेरा पुतला-दहन

• तीर-तुक्का

प्रमोद यादव

जब-जब देश, राज्य या शहर-कस्बे में कोई बड़ा घोटाला होता है, भ्रष्टाचार होता है या कोई बड़ा नेता कोई बड़ा ही बेतुका बयान बकता है तब 'पुतला-दहन' का पावन पर्व शुरू हो जाता है और फिर सियासत गरमा जाती है. देश स्तर पर होता है तो यह कार्यक्रम बिजली की गति से शहर-दर-शहर सफ़र करता है(टीवी न्यूज के माध्यम से) और कसबे या शहर स्तर का होता है तो राज्य के किसी मंत्री-संत्री या मुख्य- मंत्री का पुतला फूंक अपनी अंतरात्मा को शांत कर लेते हैं. पुतला-दहन से हमेशा की तरह होता कुछ नहीं...ना सरकार कभी इससे जलती (गिरती) है ना ही कोई मंत्री-संत्री मरता या इस्तीफा देता है. ,ना ही फूंकने वाले किसी पुण्य के भागीदार बन ' स्वर्गीय' स्थिति को प्राप्त होते हैं बल्कि अगले चुनाव के बाद पासा पलट जाता है और पुतले फूंकने वाले खुद पुतलों की शक्ल में फूंके जाते हैं. पुतला-दहन के इतिहास के विषय में केवल इतनी जानकारी है कि बचपन में पहली बार दशहरे के दिन रावण के पुतले को दहकते देखा...तब इसे एक पर्व की भांति ही जाना .इस पर्व के मर्म से मैं सर्वथा अनभिज्ञ था.पर साल-दर साल यही सब देखते-देखते समझदार होता गया तो पुतले के मर्म को समझता गया .. राम -रावण की कहानी से भिज्ञ हुआ.. जाना कि एक छोटी सी चिंगारी आग का दरिया कैसे बनती है..भाई लखन ने रावण की बहन शूर्पनखा की नाक काट दी तो नौबत यहां तक पहुंची कि लंका-दहन हो गया और रावण रिवेन्ज लेने के मूड में बेवकूफी पर बेवकूफी और अन्याय पर अन्याय करता गया पर रामजी के न्याय के आगे टिक ना सका और देवों के देव महादेव के अनन्य भक्त रावण फिसड्डी साबित हो भस्म हो गया . मोराल ऑफ़ द स्टोरी ये है कि न्याय अन्याय पर भारी पड़ता है, सच का बोलबाला, झूठे का मुंह काला होता है. अच्छाई की बुराई पर सदैव जीत होती है. इसी बात को रिमाईंड कराने हर साल दशहरे पर रावण का पुतला–दहन करते हैं. पर रावण कभी मरता नहीं, बल्कि हर साल कुछ अधिक ऊंचाई के साथ खड़ा हो जाता है. आज के दौर में सत्य-असत्य, न्याय-अन्याय, अच्छाई- बुराई के बीच का फर्क समझ से परे है. जो बुरे हैं, बुरा काम करते हैं – वे ही मलाई खा रहे हैं. पड़ोस का ठाकुर कुछ नहीं करता सिवा तिकड़म के..मोहल्ले में कोई उसे पसंद भी नहीं करता. फिर भी रोज बिरयानी की सोंधी-सोंधी खुशबू केवल उसी के घर से आती है. नए युग के नए-नए सारे उपकरण केवल उसी के घर इंट्री मारते हैं. अच्छाई के साथ चलने वाले बेचारे टेंशन में होते हैं. किसी सड़क दुर्घटना में घायल आदमी का हेल्प कर दीजिये, पुलिस के धारावाहिक इंटरव्यू से आप पागल हो जायेंगे..बार-बार थाने जाने के चक्कर में अपना घर भी भूल जायेंगे. तब कान पकड़ यही कहेंगे- 'नहीं... दुबारा ऐसी भूल नहीं करूंगा कोई मरता है तो मरे. '

लाइफ लाइन

झारखंड के औषधीय वृक्ष

पीड़ा, कफ, पित्त तथा रुधिर विकार नाशक है कुचला

कुचला एक झारखंड की औषधीय वृक्षों में से एक महत्वपूर्ण वृक्ष है. लेकिन आज वन प्रदेश में खोजने पर भी देखने को नहीं मिलता है और इसकी पहचान लगभग झारखंड के जनजाति लोगों के बीच से विलुप्त हो गई है. इसे हिंदी में कुचला कहते हैं. अंग्रेजी में प्वाइजन नट और लैटिन में स्ट्रिकनास नक्स भोमिका कहते हैं. यह एक के जहरीला फल है और इसका उपयोग गोमूत्र में शोध करके लकवा अर्थात पैरालिसिस में उपयोग पारंपरिक वैद्य जन सैकड़ों वर्षों से करते आ रहे हैं. आज भी आयुर्वेदिक की दुकानों में शोधित कुचला से बनी हुई दवा मिल जाती है.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

कुचला का फल अत्यंत पीड़ा को दूर करने वाला, कफ, पित्त तथा रुधिर विकार को नाश करने वाला होता है. पाश्चात्य मत के अनुसार कुचला के बीच उत्तेजक, स्नायु बलदायक होता है. वात, अजीर्ण, ध्वज भंग, शूल, आंतों की दुर्बलता, श्वास, शुक्र प्रमेह, मनोविकार, आक्षेप, नशा को रोकने के लिए के साथ साथ कई प्रकार के रोगों में हित कारक है. इसका उपयोग होमियोपैथी दवा के रूप में भी किया जाता है. मैं भी कुचला के बीज को शोधित कर उपयोग में लाता हूं.

कुचला के वृक्ष ऊंचे ऊंचे होते हैं. मटमैले रंग की इसकी त्वचा या छाल होती है. इसके पत्र गोल और 3-4 शिराऐं दिखाई पड़ती हैं. पुष्प हरिदाभ श्वेत एवं छोटे पुष्पदंड में लगा रहता है. इसके फल लड्डू की आकृति में छोटे नारंगी की तरह रहते हैं. पकने पर रक्ताभ पित वर्ण का दिखता है. फल के भीतर सफेद गूदा प्राप्त होते हैं. इसके बीज चपटा चक्राकार होता है और आसानी से इसका चूर्ण नहीं बनाया जा सकता है. झारखंड राज्य के वन प्रदेश से लगभग विलुप्त हो गया है और बहुत खोजने पर शायद कहीं कहीं देखने को मिल जाए. चूंकि कुचला बहुत ही उपयोगी पौधा है, इसलिए झारखंड सरकार के साथ-साथ राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड को इसके संवर्धन संरक्षण पर एक विशेष योजना बनाकर काम करने की आवश्यकता है.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

सिंघाड़ा खा कर दिल के रोगों का भगाइए

जल्द ही झारखंड के बाजारों में सिंघाड़े बिकते नजर आएंगे. बरसात के बाद मिलने वाला यह छोटा सा यह फल बेहद गुणकारी है. इसे यूं ही कच्चा छीलकर खाते हैं. इसे उबालकर हरी चटनी के साथ या नमक, चाट मसाला, नींबू और काली मिर्च आदि डाल कर भी खाते हैं. इसकी सब्जी, सलाद और अचार भी बनाए जाते हैं.

सिंघाड़े में 74 फीसदी तक पानी होता है. एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है. ये वो मॉलिक्यूल होते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स की मात्रा को भी कम करते हैं. इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक होने से ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज की आशंका घटती है. 100 ग्राम सिंघाड़े में मात्र 97 कैलोरी होती है. इसमें फाइबर, प्रोटीन, मैगनीज, पोटैशियम, कॉपर, विटामिन बी 6 भरपूर मात्रा में मिलता है. फाइबर अधिक होने से इनको खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती है. वजन घटाने में भी मददगार होते हैं.

इओसिनोफिलिस

मुश्किल से पहचान में आते लक्षण, जानिए बचाव के तरीके

इओसिनोफिलिस एक शारीरिक असमान्यता है जिसमें हमारे शरीर में इओसिनोफिलिस कोशिकाओं की संख्या बढ़ जाती है. सवाल है कि इओसिनोफिलिस कोशिका क्या होती है. इओसिनोफिल श्वेत रक्त कोशिका यानी वाइट ब्लड सेल्स का एक प्रकार है. ये कोशिकाएं हमारी रोग प्रतिरोध व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो शरीर में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस व संक्रमण से हमारा बचाव करता है. जब किसी कारण खून में इसकी संख्या बढ़ जाती है, तो इस स्थिति को इओसिनोफिलिया कहते हैं. इओसिनोफिल कोशिकाओं के बढ़े हुए स्तर को "ब्लड इओसिनोफिलिया" कहा जाता है. यही इओसिनोफिलिया ऊतकों को प्रभावित करे तो इस स्थिति को "टिश्यू इओसिनोफिलिया" कहा जाता है. इओसिनोफिलिया मरीज के फेफड़ों, दिल, रक्त वाहिकाओं साइनस, गुर्दे और मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है. इसलिए इसके इलाज के लिए यथाशीघ्र चिकित्सक से संपर्क किया जाना चाहिए.

डॉ राजेश कुमार सिंह
फिजीशियन व गहन रोग विशेषज्ञ, मेडिका, रांची

इओसिनोफिलिया के कारण

इओसिनोफिल की स्थिति में पीड़ित के रक्त में इओसिनोफिल्स की संख्या बढ़ जाती है. रक्त में इओसिनोफिल्स की संख्या बढ़ने के लिए कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं. आइए, इन कारकों की चर्चा करें-

1. एलर्जी से संबंधित विकार
कई बार जब पीड़ित एलर्जी से ग्रसित रहता है तो उसके रक्त में इओसिनोफिल्स की मात्रा बढ़ जाती है. अस्थमा, एलर्जिक राइनाइटिस, और एटोपिक डर्मेटाइटिस कुछ ऐसे एलर्जी है, जिससे एक व्यक्ति गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है.

2. पैरासाइट और फंगल इंफेक्शन
पैरासाइट और फंगल संक्रमण भी इओसिनोफिलिया के प्रमुख कारणों में शरीक हैं.

3. कैंसर
कुछ खास प्रकार के कैंसर जैसे ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, और मैलानेंट मेलानोमा आदि से ग्रस्त होने पर भी रक्त में इओसिनोफिल्स की मात्रा बढ़ जाती है.

4. दमा की शिकायत होना
यदि आपको दमा की शिकायत रहती है, तो इसके कारण इओसिनोफिलिया की समस्या हो सकती है. दरअसल दमा की वजह से ब्रोन्कियल ट्यूब में सूजन आ सकती है. रक्त में इओसिनोफिल्स बढ़ने की वजह से दमा पीड़ित अधिक परेशान हो सकते हैं.

5. एलर्जिक राइनाइटिस
एलर्जिक राइनाइटिस में इओसिनोफिल्स नाक में सूजन और खुजली जैसी समस्या उत्पन्न हो सकती है.

6. त्वचा से संबंधित कोई समस्या होना
त्वचा से संबंधित समस्याएं, जैसे कि एक्जिमा और सोरायसिस, इओसिनोफिलिया के मुख्य कारणों में से एक है.

7. ऑटोइम्यून डिजीजसमस्या होना
कुछ ऑटोइम्यून बीमारियां, जैसे रूमेटिक आर्थराइटिस और सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस, इओसिनोफिलिया जैसे रोग के मुख्य कारण बन सकते हैं.

8. बोन मैरो से संबंधित किसी प्रकार की समस्या होना
बोन मैरो या अस्थि मज्जा से संबंधित कुछ समस्याएं हैं, जैसे माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम और ल्यूकेमिया. ये समस्याएं इओसिनोफिलिया का कारण बन सकती हैं. इन स्थितियों में, बोन मैरो इओसिनोफिल्स का उत्पादन करने में असमर्थ रहते हैं और रोगी को बहुत परेशान करते हैं.

9. अन्य कारण
इन सबके अतिरिक्त, इओसिनोफिलिया के दूसरे भी अन्य कारण हो सकते हैं, जिसमें हेलमाइंथिक पैरासाइट संक्रमण एटॉपिक, एलर्जी रोग या किसी दवा के प्रति रिएक्शन आदि शामिल है.

इओसिनोफिलिया के लक्षण

आमतौर पर इओसिनोफिलिया के लक्षण स्पष्ट नहीं होते हैं. मरीज यदि खुद ध्यान दे तो कुछ लक्षणों की पहचान कर सकता है. ऐसे ही कुछ प्रमुख लक्षण हैं शरीर में सूजन होना, खुजली होना, दिल संबंधी परेशानी होना, नर्व डैमेज होना आदि. दरअसल कारणों के अनुसार मरीज में अलग अलग लक्षण भी सामने आ सकते हैं. जैसे अस्थमा के कारण इओसिनोफिलिया होने पर घबराहट होना, सांस फूलना और सांस लेने में दिक्कत होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं. वहीं किसी दवा के प्रति रिएक्शन होने पर त्वचा संबंधित लक्षण दिख सकते हैं जैसे कि त्वचा पर लाल चकत्ते होना. परजीवी संक्रमण के कारण इओसिनोफिलिया होने पर पेट में दर्द होना, बुखार, खांसी, दस्त और त्वचा पर चकत्ते होना आदि आदि लक्षण सामने आते हैं. इनके अलावा इओसिनोफलिया के कुछ दुर्लभ लक्षण भी होते हैं जो बहुत कम देखे जाते हैं. ऐसे लक्षणों में वजन घटना, रात को पसीना आना, लिम्फ नॉड्स का आकार बढ़ना और नसों को नुकसान पहुंचने के कारण प्रभावित अंगों में झुनझुनी या सुन्न महसूस होना आदि शामिल हैं. महत्वपूर्ण बात तो यह है कि हम किसी लक्षण के उभरने पर आमतौर इसकी खास जांच नहीं कराते. होता आमतौर पर यह है कि जब डॉक्टर किसी और रोग की जांच के लिए रक्त का परीक्षण करते हैं तब कराए गए ब्ल्ड टेस्ट में खुलासा होता है कि मरीज को इओसिनोफिलिया भी है. ऐसे में पाठकों को सलाह दी जाती है कि कुछ खास लक्षण यदि आप भी महसूस करते हैं तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें और उनकी सलाह पर रक्त की जांच कराएं. ये खास लक्षण हैं घरघराहट होना या सांस फूलना, पेट दर्द, दस्त, बुखार, खांसी या त्वचा पर किसी दूसरे प्रकार की समस्या, शरीर के किसी भाग का सुन्न हो जाना या उसमें झुनझुनी जैसी सनसनी महसूस होना, अपने आप शरीर का वजन कम होना आदि.

कैसे करें बचाव

बेशक इओसिनोफिलिया के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिससे बचाव संभव नहीं है. फिर भी कुछ सामान्य सावधानियां अपना कर हम इस रोग से बचाव कर सकते हैं. ऐसी ही कुछ सावधानियां है-

- एलर्जी पैदा करने वाले पदार्थों से दूरी बनाएं.
- बाहर से घर आने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह से धोएं.
- अपने शरीर के साथ-साथ घर की सफाई का खास ध्यान रखें.
- मौसम में बदलाव के समय खान-पान का ख़ास ध्यान रखें.
- कच्चे फलों और सब्जियों को खाने से पहले उन्हें अच्छी तरह धोएं.
- बाहर की चीजों और फास्ट फूड एवं कोल्ड ड्रिंक्स का अत्यधिक सेवन करने से बचें.
- खाने और पानी की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें. आवश्यकता के अनुसार पानी को उबाल कर पीएं.
- यौन संबंधी गतिविधियों में विशेष रूप से सावधानियां बरतें.
- दूध और अन्य डेयरी उत्पाद के सेवन पर खास ध्यान रखें.

इओसिनोफिलिया का परीक्षण

इओसिनोफिल्स कोशिकाओं की बढ़ती मात्रा के निदान के लिए डॉक्टर मरीज के शरीर से ऊतकों का सैंपल ले सकते हैं और उनकी जांच कर सकते हैं। परीक्षण के परिणाम के आधार पर ही डॉक्टर इलाज की योजना बनाते हैं। इतना ही नहीं इओसिनोफिलिया की जांच के लिए डॉक्टर शरीर में मौजूद अन्य द्रवों की जांच भी कर सकते हैं। इसके साथ साथ इओसिनोफिल्स (eosinophils) कोशिकाओं का बढ़ा हुआ स्तर खून की जांच के दौरान मिल सकता है। इओसिनोफिल्स या इसके कारण की पुष्टि के लिए कुछ अन्य टेस्ट भी डॉक्टर करवा सकते हैं, जैसे -लिवर फंक्शन टेस्ट, छाती का एक्स रे, अल्ट्रासाउंड, या एमआरआई कैंसर के कारण की पहचान कर सकते हैं. यूरिन टेस्ट, अन्य प्रकार के खून टेस्ट, ऊतक व बोन मेरो का बायोप्सी टेस्ट, स्टूल टेस्ट, ट्यूमर मार्कर टेस्ट आदि के जरिए डॉक्टर एक व्यापक मूल्यांकन करेंगे और स्थिति के आधार पर इलाज की योजना बनाएंगे.

इओसिनोफिलिया पीड़ित का कैसा हो आहार

क्या खाएं

- **फल :** सेब, संतरे, अंगूर, ब्लूबेरी, केला, पपीता, और अनानास
- **सब्जियां :** पालक, ब्रोकोली, गाजर, टमाटर, खीरा, और मूली
- **होल ग्रेन :** जई, ओट्स, क्विनोआ, और ब्राउन राइस
- **हेल्दी फैट :** अलसी का तेल, जैतून का तेल, और एवोकाडो
- **प्रोटीन :** चिकन, मछली, टोफू, और बीन्स

क्या न खाएं

- **एलर्जी पैदा करने वाले खाद्य पदार्थ :** डेयरी उत्पाद, अंडे, नट्स, बीज, फलियां, और सीफूड.
- **पैरासाइट संक्रमण वाले खाद्य पदार्थ :** कच्चे या आधे पके हुए मांस या समुद्री जीव का भोजन. कच्चे या अधपके अंडे, और बिना धोए हुए फल और सब्जियां भी स्थिति को खराब कर सकती हैं.
- **कैंसर वाले खाद्य पदार्थ :** प्रोसेस्ड फूड, रेड मीट, तला हुआ भोजन, और शर्करा युक्त पेय पदार्थ.

ढूंढने से नहीं मिलेगी पेट की चर्बी

बैली फैट यानी पेट की चर्बी को लेकर बड़ी संख्या में लोग बेहद चिंतित रहते हैं. खास कर महिलाएं इस समस्या से अधिक परेशान रहती हैं. बैली फैट को कम करने के लिए योग-व्यायाम और डाइट के साथ दिनचर्या में भी बदलाव लाने चाहिए. योग विशेषज्ञों से हमने जाना चार योगासन के बारे में जिन्हें नियमित करने से बेली फैट की समस्या से छुटकारा मिल सकता है. आइए, इन योगासन के बारे में जाने...

भुजंगासन

इस योग को करने से पेट पर अधिक बल पड़ता है. इससे पाचन तंत्र बहुत मजबूत होता है. इससे कब्ज, अस्थमा, महिलाओं को होने वाली मासिक धर्म में समस्या को दूर किया जा सकता है. शुरुआती दौर में भुजंगासन योग की मुद्रा में करीब 15- 20 सेकंड के लिए रहने की सलाह दी जाती है. कुछ समय अभ्यास के बाद समय सीमा को धीरे-धीरे बढ़ाकर एक मिनट करें.

ऐसे करें : भुजंगासन करने के लिए आपको सबसे पहले योग मैट पर पेट के बल लेटकर अपने दोनों पैरों के अंगूठों और एड़ियों को मिलाते हुए दोनों हथेलियों को सीने के सामने जमीन पर रखें. अब सांस लेते हुए हथेलियों पर दबाव डालें और सिर, छाती और नाभि तक पेट को ऊपर उठाएं. इस स्थिति में आसमान की तरफ देखें. गर्दन को सीधी रखें. कुछ देर इस स्थिति में बने रहें और फिर सांस छोड़ दें. धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं. इस योगासन को 3-5 बार दोहरा सकते हैं.

धनुरासन

धनुरासन करने से ना केवल पेट की बल्कि पीठ की चर्बी भी कम की जा सकती है. इसके अलावा इस योगासन के नियमित अभ्यास से ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है, यह कब्ज, अपच और लिवर की सुस्ती को कम कर सकता है. ध्यान रखें कि जिन लोगों को सिरदर्द, माइग्रेन या अनिद्रा की समस्या है, उन्हें इसे नहीं करना चाहिए.

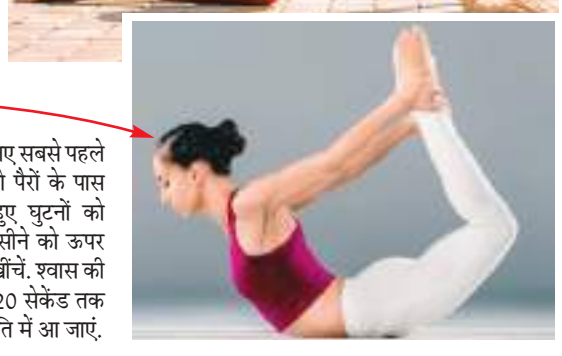

ऐसे करें : धनुरासन के अभ्यास के लिए सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं. अब हाथों को पैरों के पास रखते हुए घुटनों को मोड़ें. मुड़े हुए घुटनों को पकड़कर रखें. अब श्वास लेते हुए सीने को ऊपर की ओर उठाएं और हाथों से पैरों को खींचें. श्वास की गति पर ध्यान केंद्रित करें. अब 15-20 सेकेंड तक इस अवस्था में रहें, फिर पूर्व की स्थिति में आ जाएं.

मार्जरी आसन

इस योगासन को कैट पोज भी कहते हैं. इस आसन को करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है. इसे करने से रीढ़ की हड्डी मजबूत बनती है. महिलाएं प्रसव के बाद इस योगासन को करेंगी तो बेली फैट कम होगा.

ऐसे करें : मार्जरासन करने के लिय आप सबसे पहले फर्श पर एक योगा मैट को बिछा कर अपने दोनों घुटनों को टेक कर या वज्रासन की मुद्रा में बैठ जाएं. अब अपने दोनों हाथों को फर्श पर आगे की ओर रखें. अपने दोनों हाथों पर थोड़ा सा भार डालते हुए अपने हिप्स (कूल्हों) को ऊपर उठाएं. अपनी जांघों को ऊपर की ओर सीधा करके पैर के घुटनों पर 90 डिग्री का कोण बनाए. इस स्थिति में आपकी छाती फर्श के समान्तर होगी और आप एक बिल्ली के समान दिखाई देगें. अब आप एक लंबी सांस लें और अपने सिर को पीछे की ओर झुकाएं, अपनी नाभि को नीचे से ऊपर की तरफ धकेलें और टेलबोन (रीढ़ की हड्डी का निचला भाग)) को ऊपर उठाएं. अब अपनी सांस को बाहर छोड़ते हुए अपने सिर को नीचे की ओर झुकाएं और मुंह की ठुड्डी को अपनी छाती से लगाने का प्रयास करें. इस स्थिति में अपने घुटनों के बीच की दूरी को देखें और ध्यान रखें की इस मुद्रा में आपके हाथ झुकने नहीं चाहिए. अपनी सांस को लम्बी और गहरी रखें. अब फिर से अपने सिर को पीछे की ओर करें और इस प्रक्रिया को दोहराहएं. इस क्रिया को आप 10-20 बार दोहराएं.

अर्ध मत्स्येन्द्रासन

रीढ़ की हड्डी और पैरों सहित लगभग पूरा शरीर इस आसन में शामिल होता है. इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से यह शरीर के विभिन्न अंगों के लिए फायदेमंद होता है. मधुमेह के रोकथाम में अहम भूमिका निभाता है. अगर पेट की चर्बी कम करनी हो तो इस आसन का अभ्यास जरूर करें.

ऐसे करें : इस आसन को करने के लिए आप जमीन बैठ जाएं और पैरों को सीधा कर लें. इस समय आप रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें. इसके बाद बाएं पैर को मोड़े और इससे कुल्हे के नीचे दबाएं. अब दाएं पैर को ऊपर की मोड़े, इसका घुटना ऊपर की ओर रखें. इसके बाद जो पैर ऊपर की ओर है, उस ओर शरीर के ऊपरी हिस्से को घुमाएं. ऐसा करते समय आप ऊपर वाले पैर को नीचे वाले पैर से क्रॉस करें और तलवे को घुटने के पास ले आएं. बाएं हाथ को जमीन पर रखें और गहरी सांस को अंदर भरें. इस पोजिशन में करीब 20 से 30 सेकेंड तक शरीर स्थिर रखें. इसके बाद ठीक विपरीत दिशा में आसन को दोहराएं. शुरुआत में आसन को ज्यादा देर तक न करें. इसके बाद धीरे-धीरे समय को बढ़ाएं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

एशेज टेस्ट सीरीज : पर्थ में 21 नवंबर से खेला जाएगा पहला टेस्ट

एजेंसी। सिडनी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में शुरू होगी. यह पहली बार होगा जब एशेज टेस्ट का आयोजन नयी जगह पर किया जाएगा. पर्थ स्टेडियम 1882 से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता में एशेज टेस्ट आयोजित करने वाला आठवां ऑस्ट्रेलियाई मैदान बन जाएगा. पहला टेस्ट 21 नवंबर 2024 से 25 नवंबर तक पर्थ में खेला जायेगा, जबकि दूसरा टेस्ट चार से आठ दिसंबर तक ब्रिसबेन में होगा, जो दिन रात का टेस्ट होगा. एडीलेड ओवल में तीसरा टेस्ट 17 से 21 दिसंबर के बीच खेला जायेगा. मेलबर्न में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर से और सिडनी में पांचवां टेस्ट चार से आठ जनवरी के बीच खेला जायेगा. एशेज इस समय ऑस्ट्रेलिया के पास है जिसने 2023 में इंग्लैंड में ड्रॉ खेला था.दोनों टीमों का ऐलान अभी नहीं हुआ. सीरीज से 15 दिन पहले दोनों टीमों का ऐलान हो सकता है. पिछली बार जब इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम एशेज में भिड़ी थी, तो 5 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी रही थी. 5वां और अंतिम टेस्ट 5 दिन तक चला. अंतिम सेशन में मेजबान इंग्लैंड को 49 रनों से जीत मिली. इस तरह से 5 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी रही. एक समय ऑस्ट्रेलिया की टीम सीरीज में 2-0 से आगे थी.

एशेज सीरीज हेड टू हेड

अब तक इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 73 एशेज सीरीज खेली जा चुकी हैं, जिनमें से ऑस्ट्रेलिया ने 34 बार जीत हासिल की है, जबकि इंग्लैंड ने 32 बार बाजी मारी है. सात सीरीज ड्रॉ पर खत्म हुई हैं. दोनों ही टीमों ने एशेज में लगातार आठ-आठ बार जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड बनाया है. इंग्लैंड ने यह कारनामा 1882-83 से 1890 तक किया था, इस दौरान इंग्लैंड ने 16 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की और केवल चार मैच हारे थे. गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में इंग्लैंड के साथ 2-2 की ड्रॉ सीरीज के बाद एशेज ट्रॉफी अपने पास बनाए रखी है. अब देखना होगा कि 2025-26 में कौन सी टीम एशेज ट्रॉफी पर कब्जा करती है.

एशेज 2025-26 का शेड्यूल

- **पहला टेस्ट :** पर्थ स्टेडियम, 21-25 नवंबर 2025
- **दूसरा टेस्ट (डे-नाइट) :** गाबा, 4-8 दिसंबर 2025
- **तीसरा टेस्ट :** एडिलेड ओवल, 17-21 दिसंबर 2025
- **चौथा टेस्ट :** मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड, 26-30 दिसंबर 2025
- **पांचवां टेस्ट :** सिडनी क्रिकेट ग्राउंड, 4-8 जनवरी 2026

क्या है एशेज का इतिहास?

एशेज टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की सबसे पुरानी सीरीज है, जिसका अभी तक आयोजन होता है. इस रोमांचक सीरीज की शुरुआत 1882-83 में हुई थी. 1882 में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड खेलने आई थी. उस सीरीज का पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड के ओवल स्टेडियम में खेला गया था. यह मुकाबला कंगारुओं ने जीत लिया था. इंग्लैंड पहली बार अपने घर पर कोई टेस्ट मैच हारी थी. इसके बाद इंग्लिश मीडिया का एक बोल्ड स्टेटमेंट सामने आया था. इंग्लैंड की कंगारुओं से मिली इस हार को इंग्लिश क्रिकेट की मृत्यु कहा गया था. न्यूजपेपर द स्पोर्ट्स टाइम्स में छपा, इंग्लिश क्रिकेट की 29 अगस्त 1882 को ओवल में मौत हो गई. बॉडी के आखिरी राइट्स करने के बाद राख-एशेज को ऑस्ट्रेलिया ले जाया जाएगा. गौरतलब है कि इसके बाद 1883 में इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था. टूर पर जाने से पहले इंग्लिश कप्तान इवो ब्लिंग ने इस बात का एलान किया था कि वह एशेज लेने जा रहे हैं.

भारत-न्यूजीलैंड बेंगलुरु टेस्ट : बारिश के कारण पहला दिन टॉस भी नहीं हो सका

बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल

एजेंसी। बेंगलुरु

बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट शृंखला के पहले मैच का पहला दिन बारिश से धुल गया. बारिश के कारण पहला दिन टॉस भी नहीं हो सका. अब मैच का टॉस भी 17 अक्टूबर को होगा. मैदान पर पूरे दिन बारिश की वजह से कवर्स मौजूद थे. कई बार ऐसा अपडेट भी आया कि मैच शुरू हो सकता है, लेकिन करीब ढाई बजे मैच के प्रसारण के दौरान पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटेर सबा करीम ने घोषणा की 16 अक्टूबर का खेल रद्द हो गया है. दूसरे दिन का खेल 17 अक्टूबर को सुबह 9:15 पर शुरू होगा.

इससे पहले अंपायर दिनभर लगातार मैदान का निरीक्षण करते रहे. पिच के चारों ओर पैच और नमी दिखी. भारतीय टीम इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश को हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है. न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज भारतीय दल के लिए अपनी कमियों को दूर करने और नवंबर में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा से पहले अपनी ताकत को परखने के लिए महत्वपूर्ण होगी.

सभी की निगाहें अनुभवी रोहित शर्मा और विराट कोहली पर होंगी, जो बांग्लादेश सीरीज में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे और 4 पारियों में अर्धशतक बनाने में विफल रहे थे. जबकि यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और

ऋषभ पंत जैसे युवाओं ने बांग्लादेश के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाजों और ऑलराउंडरों ने खूब वाहवाही बटोरी. बांग्ला टाइगर्स के खिलाफ पहले टेस्ट में रविचंद्रन अश्विन की शानदार बल्लेबाजी और दो टेस्ट में जसप्रीत बुमराह की तेज गेंदबाजी ने मेहमान टीम को बुरी तरह से परेशान कर दिया था.

भारत और न्यूजीलैंड का टेस्ट इतिहास

जब भी न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर आई और उसने यहां टेस्ट सीरीज खेली है, तब-तब उसे रोना ही पड़ा है. फैंस को यहां सीधे-सरल शब्दों में बता दें कि न्यूजीलैंड की टीम अब तक भारतीय जमीन पर कोई भी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है. कीवी टीम ने पहली बार 1955 में भारत का दौरा किया था, तब उसे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से हार झेलनी पड़ी थी. इस सीरीज के तीन मुकाबले ड्रॉ रहे थे. इसके बाद न्यूजीलैंड टीम 1965 में भारत आई और इस बार भी उसे एक भी टेस्ट जीतने का मौका नहीं मिला. तब भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज में 1-0 से हराया था. 3 टेस्ट ड्रॉ रहे थे. फिर 4 साल बाद यानी 1969 में एक बार कीवी टीम ने भारत का दौरा किया और इस बार भारतीय जमीन पर उसने पहला टेस्ट जीता. इस बार न्यूजीलैंड 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर करने में सफल रही थी. एक मैच इस बार भी ड्रॉ रहा था.

- कुल सीरीज : 12
- भारत जीता : 10
- न्यूजीलैंड जीता : 00
- ड्रॉ : 2

भारत में न्यूजीलैंड टीम का टेस्ट मैचों में रिकॉर्ड

- कुल टेस्ट मैच : 36
- भारत जीता : 17
- न्यूजीलैंड जीता : 2
- ड्रॉ : 17

न्यूजीलैंड टीम को पिछली सीरीज में हार मिली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज नवंबर 2021 में हुई थी. यह सीरीज भारतीय जमीन पर ही हुई थी, जहां न्यूजीलैंड को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से हार झेलनी पड़ी थी. यदि ओवरऑल टेस्ट सीरीज और मैचों का रिकॉर्ड देखा जाए तो इसमें भी भारतीय टीम का ही पलड़ा भारी नजर आता है.

भारत-न्यूजीलैंड के बीच ओवरऑल सीरीज रिकॉर्ड

- कुल टेस्ट सीरीज : 23
- भारत जीता : 12
- न्यूजीलैंड जीता : 7
- ड्रॉ : 4

भारत-न्यूजीलैंड के बीच ओवरऑल टेस्ट रिकॉर्ड

- कुल टेस्ट मैच : 62
- भारत जीता : 22
- न्यूजीलैंड जीता : 13
- ड्रॉ : 27

न्यूजीलैंड का भारत दौरा

- **16 अक्टूबर से :** पहला टेस्ट, बेंगलुरु
- **24 अक्टूबर से :** दूसरा टेस्ट, पुणे
- **1 नवंबर से :** तीसरा टेस्ट, मुंबई

एडी टी10 लीग में पदार्पण के लिए तैयार है यूपी नवाब

एजेंसी। नयी दिल्ली

एडी टी10 लीग में नई फ्रेंचाइजी यूपी नवाब अपना पदार्पण करने के लिए तैयार है. टीम के मालिक वेंचर कैपिटलिस्ट लविश चौधरी हैं. मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले चौधरी की गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर से यात्रा उनकी जड़ों से उनके गहरे जुड़ाव और क्रिकेट के प्रति आजीवन जुनून को दर्शाती है. यह नया उद्यम उन्हें खेल के प्रति अपने प्यार को अपने रणनीतिक निवेश दृष्टिकोण के साथ जोड़कर एक ऐसी टीम बनाने का मौका देता है जो उत्तर प्रदेश की भावना और लचीलेपन का प्रतिनिधित्व करती है. लविश चौधरी ने टीम के लिए अपनी आकांक्षाओं को साझा

करते हुए एक बयान में कहा, क्रिकेट मेरे जीवन का एक मूलभूत हिस्सा रहा है, और एडी टी10 लीग में एक फ्रैंचाइजी का मालिक होना एक सपने के सच होने जैसा है. यूपी नवाबों के साथ, मेरा लक्ष्य उत्तर प्रदेश के गौरव को वैश्विक मंच पर लाना और लीग में एक मजबूत दावेदार के रूप में अपनी उपस्थिति स्थापित करना है.

डेलानी की जगह गैबी लुईस बनीं आयरलैंड की कप्तान

एजेंसी। डबलिन

गैबी लुईस को आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है, जो अब तक की सबसे अनुभवी खिलाड़ी लॉरा डेलानी की जगह लेंगी. डेलानी ने सभी प्रारूपों में आयरलैंड का 207 बार प्रतिनिधित्व किया है और पिछले आठ वर्षों से वह उनकी कप्तानी भी कर रही हैं. वे महिला टी20 विश्व कप में जगह बनाने में असमर्थ रहीं, लेकिन हाल ही में उन्हें सफलता मिली है, अगस्त में श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय मुकाबले में 1-1 से बराबरी की, जब लुईस ने शतक बनाया और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गईं. इसके बाद उनकी टीम ने वनडे में श्रीलंका को 2-1 से

हराया. लुईस, जो वर्तमान में मेलबर्न में क्लब क्रिकेट खेल रही हैं, ने कहा, मुझे पता है कि जब मैं पहली बार सीनियर टीम में आई थी, तो डेल्स उन टीम-साथियों में से एक थीं जिनसे आप प्रेरणा लेते थे. शौकिया से पेशेवर युग में जाने के बाद, उन्होंने लगातार अपने खेल को विकसित करने और सुधारने की कोशिश की है, और मैं डेल्स के साथ कई और मौकों पर खेलने के लिए उत्सुक हूं.

हरमनप्रीत को कप्तानी से हटाने की मांग

नयी दिल्ली । आईसीसी इवेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया सबसे बड़ी परेशानी का सबब बन चुकी है. पिछले कुछ वर्षों से भारत और ट्रॉफी के बीच यह टीम एक ऐसी दीवार बन गई है क्रिकेट/खेल हरमनप्रीत कौर को कप्तानी से हटाने की मांग, क्या होगा बीसीसीआई का फैसला? 16 अक्टूबर (आईएएनएस). आईसीसी इवेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया सबसे बड़ी परेशानी का सबब बन चुकी है. पिछले कुछ वर्षों से भारत और ट्रॉफी के बीच यह टीम एक ऐसी दीवार बन गई है, जिसे लांघना हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम के लिए नामुमकिन बन गया. अब महिला टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद टीम की कप्तान पर एक्शन लिया जा सकता है.

डिविलियर्स, कूक व नीतू हॉल ऑफ फेम में

एजेंसी। दुबई

आईसीसी ने एक बड़ा ऐलान किया है. उसने बुधवार को तीन नए दिग्गज क्रिकेटर्स को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है. इस बार ये सम्मान साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स, इंग्लैंड के एलिस्टर कूक के साथ भारतीय दिग्गज नीतू डेविड को मिला है. आईसीसी की हॉल ऑफ फेम की लिस्ट में कुक 113वें, नीतू डेविड 114वें और डिविलियर्स 115वें नंबर हैं. इस सम्मान समारोह का जश्न महिला टी20 विश्व कप 2024 टूर्नामेंट के अंतिम चरण के दौरान दुबई में मनाया जाएगा. बता दें आईसीसी हॉल फेम की शुरुआत 2009 में हुई थी. इसके जरिए आईसीसी क्रिकेट दिग्गजों को सम्मानित करती है. नीतु डेविड बनीं दूसरी भारतीय महिला

भारतीय महिला क्रिकेट की लेजेंड नीतु डेविड आईसीसी हॉल ऑफ द फेम की लिस्ट में शामिल होने वाली भारत की दूसरी महिला खिलाड़ी हैं. वह टीम इंडिया की बेहतरीन स्पिनर्स में से एक थीं. उन्होंने भारतीय टीम के लिए 97 वनडे और 10 टेस्ट मैच खेल चुकी हैं. नीतु ने अपने करियर के दौरान वनडे में 16.34 की औसत से 141 और टेस्ट में 18.90 की औसत से 41 विकेट चटकाए थे. इतना ही नहीं वह 100 वनडे विकेट हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकटर भी हैं. नीतु का करियर 13 सालों का रहा. उन्होंने 1995 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था, वहीं आखिरी मुकाबला 2008 में खेला था.

आईपीएल 2025 से ठीक पहले मुंबई इंडियंस ने टीम में कई अहम बदलाव किए

पारस महाम्ब्रे बने मुंबई इंडियंस के नये बॉलिंग कोच

एजेंसी। मुंबई

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 से ठीक पहले टीम में कई अहम बदलाव किए हैं. मुंबई ने टीम के लिए नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया है. मुंबई इंडियंस ने टीम इंडिया के पूर्व कोच पारस महाम्ब्रे को मौका दिया है. वे टीम के नए बॉलिंग कोच हैं. पारस से पहले महेला जयवर्धने को भी अहम जिम्मेदारी मिली थी. वे टीम के हेड कोच हैं. पारस की बात करें तो उनका कोचिंग में अब तक शानदार रिकॉर्ड रहा है. वे टी20 विश्व कप 2024 के दौरान टीम इंडिया के साथ थे. मुंबई इंडियंस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए बताया कि पारस को बॉलिंग कोच बनाया गया है. मुंबई के लसिथ

मलिंगा भी हैं. मलिंगा के साथ पारस के आने से कोचिंग स्टाफ काफी मजबूत हो गया है. पारस इससे पहले भी मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं. उनका क्रिकेट करियर भी अच्छा रहा है. पारस मुंबई के लिए घरेलू मैचों में राइम-आर्म मीडियम पेसर की भूमिका निभाते थे. टी20 वर्ल्डकप विनिंग टीम इंडिया का हिस्सा रह चुके हैं पारस

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीता था. भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था. पारस इस टीम का हिस्सा थे. वे बॉलिंग कोच की भूमिका में थे.

ऐसा रहा है पारस का क्रिकेट करियर

पारस का क्रिकेट करियर बहुत ज्यादा लंबा नहीं रहा. उन्होंने टीम इंडिया के लिए 2 टेस्ट और 3 वनडे मैच खेले. पारस ने फर्स्ट क्लास मैचों में 284 विकेट झटके हैं. वे 105 पारियों में 1665 रन भी बना चुके हैं. पारस ने लिस्ट ए के 83 मैचों में 111 विकेट लिए हैं. वे अपने क्रिकेट करियर के बाद कोच की भूमिका में आ गए.

महेला जयवर्धने को मुंबई ने बनाया हेड कोच

मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2024 में काफी निराशाजनक प्रदर्शन रहा था. लेकिन इससे पहले टीम दमदार प्रदर्शन कर चुकी है. मुंबई ने अगले सीजन से ठीक पहले महेला जयवर्धने को हेड कोच बना दिया. अब टीम कप्तान भी बदल सकती है.

बड़ी घोषणा | कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार मिला, क्लब तैयारी में जुटा

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स पुरुष टीम के प्रभारी बने रहेंगे साइमन कैटिच

एजेंसी। मैनचेस्टर

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइमन कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार दिया है, जबकि इस सत्र में उनकी पुरुष टीम ने केवल एक जीत हासिल की थी, हालांकि क्लब ने स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटा दिया है. पैरी ने दो साल तक महिला टीम की कमान संभाली थी. दोनों कोचों के भविष्य पर निर्णय ओरिजिनल्स बोर्ड द्वारा लिए गए, जिसे 2025 से लंकाशायर के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों को दर्शाने के लिए पुनर्गठित किया गया है. काउंटी अगले सत्र में ओरिजिनल्स में बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाएगी,

खास बातें

- मैनचेस्टर से इस सत्र में सिर्फ एक मैच जीत सका
- स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटाया

जब उन्हें ईसीबी द्वारा 51% हिस्सेदारी सौंपी जाएगी, जबकि शेष 49% एक निजी निवेशक को बेची जाएगी. लंकाशायर के क्रिकेट निदेशक मार्क चिल्टन को पैरी के उत्तराधिकारी के रूप में महिला टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति प्रक्रिया का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई

है. लंकाशायर बोर्ड में शामिल जेम्स शेरिडन ने ब्रॉडकास्टर मार्क चैपमैन से ओरिजिनल्स के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला है, हालांकि चैपमैन बोर्ड में बने रहेंगे. ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज कैटिच ने 2021 में हंड्रेड के उद्घाटन सत्र से ओरिजिनल्स के पुरुषों को कोचिंग दी है, और कहा कि 2025 में वापसी के लिए सहमत होने के बाद उनका अधूरा काम रह गया है. कैटिच ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से कहा, पिछले तीन वर्षों में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का नेतृत्व करते हुए मुझे बहुत मज़ा आया और मैं अगले साल का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं. ओरिजिनल्स पुरुषों के हंड्रेड के 2022 और 2023 सीजन में उपविजेता रहे, ट्रेंट रॉकेट्स और ओवल इनविंसिबल्स के खिलाफ़ कड़े फ़ाइनल में हार गए. लेकिन वे इस साल चोटिल जोस बटलर की अनुपस्थिति से उबरने में विफल रहे, फिल साल्ट की कप्तानी में अपने आठ मैचों में से केवल एक में जीत हासिल करने के बाद सातवें स्थान पर रहे. कैटिच ने कहा, हम सभी इस बात से निराश हैं कि यह सीजन कैसा रहा, खास तौर पर 2022 और 2023 में हम इतने करीब आ गए थे. मुझे लगता है कि हंड्रेड के पिछले तीन संस्करणों की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास अधूरा काम है और ओरिजिनल्स में हम सभी यह सुनिश्चित करेंगे कि हम अगले साल फिर से पटरी पर लौटें... हम मैनचेस्टर के लिए इसे जीतने के लिए दृढ़ हैं. इस बीच, पैरी को इस सीज़न में महिला हंड्रेड में छठे स्थान पर रहने के बाद बदल दिया गया है.

मैंने अपने भविष्य के बारे में कोई समय सीमा तय नहीं की है : मेसी

ब्यूनस आयर्स। फीफा विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में बोलिविया पर 6-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपनी 10वीं अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक लगाने के बाद लियोनेल मेसी ने कहा कि जब भी वह नेशनल टीम के लिए खेलते हैं, तो उन्हें एक बच्चे जैसा महसूस होता है. आठ बार के बैलन डी''ओर विजेता ने बोलिविया पर कॉनमेबोल विश्व कप क्वालीफाइंग जीत में अपनी हैट्रिक के अलावा दो असिस्ट भी दर्ज किए. मैच के बाद मेसी ने कहा, यहां आकर हमारे लिए लोगों का सपोर्ट महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है. जिस तरह से वे मेरा नाम पुकारते हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं. हम सभी लोगों के साथ जुड़ाव का आनंद लेते हैं और हमें अर्जेंटीना में खेलना बहुत पसंद है.

अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस के लिए युगांडा ने किया क्वालीफाई

एजेंसी। जुबा

युगांडा ने रोमांचक मुकाबले में दक्षिण सूडान को 2-1 से हराकर मोरक्को में होने वाले 2025 अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) के लिए क्वालीफाई कर लिया है. युगांडा ने 11 अक्टूबर को कंपाला में हुए उलट मुकाबले में दक्षिण सूडान को 1-0 से हराया था. दक्षिण सूडान के मुख्य कोच निकोलस डुपुइस ने कहा कि युगांडा व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर टीम थी, उन्होंने कहा कि मैच का फैसला करने में यह महत्वपूर्ण था. दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में एक ब्रीफिंग में डुपुइस ने कहा, हमारे लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि युगांडा हमसे बेहतर था, इसलिए मुझे लगता है कि परिणाम

सामान्य है. व्यक्तिगत रूप से वे बेहतर थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की. यह पर्याप्त नहीं है लेकिन हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ खेला.डुपुइस ने कहा कि उनकी टीम का ध्यान अब 25 अक्टूबर को टोटल एनर्जीज अफ्रीकन नेशंस चैंपियनशिप में केन्या के खिलाफ होने वाले आगामी मुकाबले पर केंद्रित है. युगांडा के मुख्य कोच पॉल जोसेफ पुट ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि उनकी टीम ने मैच की शुरुआत से लेकर अंत तक दबदबा बनाए रखा.

ब्रीफ खबरें

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना

भागलपुर । स्मार्ट मीटर के विरोध में भागलपुर के समाहरणालय चौक पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने एक दिवसीय धरना दिया. धरना का नेतृत्व भागलपुर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष परवेज जमाल कर रहे थे. मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि स्मार्ट मीटर के अंदर अंबानी और अडानी का लोगो लगा हुआ है. इससे साफ जाहिर होता है कि यह स्मार्ट मीटर अंबानी और अडानी कंपनी के द्वारा ही सप्लाई किया जाता है. बिहार से बड़े राज्य में भी अभी स्मार्ट मीटर नहीं लगाया गया है लेकिन बिहार में स्मार्ट मीटर चालू है. इससे लोगों का शोषण हो रहा है.

तीन दिन बाद किया गया मगरमच्छ का रेस्क्यू

पूर्वी चंपारण । जिले अरेराज अनुमंडल क्षेत्र के गंडक दियरा से सटे पीपरा पंचायत में बीते तीन दिनों से हडकंप मचाये मगरमच्छ का बुधवार सुबह रेस्क्यू किया गया. बीते तीन दिन पूर्व आधी रात में अचानक गांव में मगरमच्छ के घुसने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल कायम था. हालांकि ग्रामीणों ने आग का लुक दिखाकर मगरमच्छ को खदेड़ना शुरू किया तो मगरमच्छ भाग कर जितवारपुर गांव स्थित एक पोखरा में प्रवेश कर गया. जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी. हालांकि वन विभाग पहुंचा और पोखरा से मगरमच्छ का रेस्क्यू करने में जुटा रहा. लेकिन मगरमच्छ नहीं मिला. जिससे ग्रामीणों में दहशत में व्याप्त रहा.

किशनगंज सांसद को जान से मारने की धमकी

किशनगंज । किशनगंज लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद मो. डा. जावेद आजाद को जान से मारने की धमकी मिली है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 12 अक्टूबर को धमकी भरा पोस्ट किया गया है. इस मामले में अब सांसद के निजी सचिव ने दिल्ली स्थित पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में 15 अक्टूबर को इस संबंध में आवेदन दिया है. सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा गया है, मोहम्मद जावेद तू अल-कायदा का आतंकी है. तुम्हारे जैसे आतंकियों के लिए गिरिराज भईया ठीक बोलते हैं. इस देश में जितने भी दाढ़ी-टोपी और हिजाब वाला मदरसा छाप आतंकी है उनके लिए इस देश में कोई जगह नहीं है.

तरारी विस सीट से एसके सिंह होंगे जन सुराज के उम्मीदवार

प्रेस वार्ता के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा- पूरी पार्टी इनके साथ है, तीन सीटों पर फैसला बाद में लिया जाएगा

संवाददाता । पटना

बिहार की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है. चारों सीटों पर जन सुराज पार्टी लड़ेगी. बुधवार को घोषणा की गई कि तरारी विधानसभा सीट से रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिंह उम्मीदवार होंगे. बाकी तीन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा अभी नहीं की गई है. प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नाम का ऐलान किया गया. इस दौरान जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जीत का फॉर्मूला बताते हुए कहा कि एसके सिंह जनता के आशीर्वाद से तरारी सीट से जीतेंगे.

प्रत्याशी बनते ही एसके सिंह ने कहा कि मैं अग्निवीर योजना के पक्ष में नहीं हूं. इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है. इसमें सुधार करने की जरूरत है. इसमें जवान उस जज्बे से काम नहीं कर पाएंगे जैसे पहले करते थे. उनसे पूछा गया था कि इस योजना पर आपकी क्या राय है. इस मौके पर मौजूद प्रशांत किशोर ने कहा कि रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिंह बिहार के लाल हैं. उनसे बेहतर तरारी का लाल कोई नहीं हो सकता है. अगर आपकी नजर में कोई है तो खोज कर दिखा दीजिए. उनकी पत्नी नहीं, दो बच्चे विदेश में रहते हैं. दिल्ली में सब सुख-सुविधा इनके पास है. सब छोड़कर तरारी आए हैं ताकि जनता की सेवा कर सकें.

मेरी पूरी ताकत इनके साथ है : प्रशांत किशोर ने कहा कि मेरी पूरी ताकत इनके साथ है. पीके से पूछा गया कि रिटायर्ड लोगों पर ही आप भरोसा जता रहे. युवाओं को मौका क्यों नहीं दे रहे हैं? इस पर उन्होंने कहा कि यह तपे तपाए सोना हैं. हर परिस्थिति का सामना कर चुके हैं. अन्य तीन सीटों पर भी उम्मीदवारों के नाम का ऐलान 2-3 दिन में करेंगे. युवाओं को भी मौका देंगे. पीके ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम चाहते तो राज्यसभा जा सकते थे, लेकिन नया बिहार बनाने के लिए अपनी मिट्टी बिहार में आकर काम कर रहे हैं. इस सवाल पर कि बिहार में स्थापित पार्टियों के तिलिस्म को कैसे तोड़िएगा? इस पर कहा कि 23 नवंबर को उप चुनाव के नतीजे आएंगे. आप लोग और हम भी यहीं रहेंगे. देखिएगा कैसे तिलिस्म तोड़ेंगे. बिहार में बीजेपी का भविष्य अंधकार में है. इस सवाल पर कि 2025 में विधानसभा चुनाव है. उससे पहले इसी साल चार सीटों पर उपचुनाव है. सेमी फाइनल मानते हैं? पीके ने कहा कि यह उपचुनाव ही फाइनल सेमी फाइनल सब है. जो हारा वह गया.

विस चुनाव को देखते हुए तेजस्वी ने रद्द की दूसरे चरण की यात्रा

संवाददाता । पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने दूसरे चरण की यात्रा को रद्द करने का फैसला कर लिया है. बुधवार से ही उन्होंने दूसरे चरण की यात्रा की शुरुआत बांका से की है. इस बीच बड़ी जानकारी सामने आई है कि वे अब आगे की यात्रा नहीं करेंगे. इसे बीच में उन्होंने रोकने का फैसला किया है. आरजेडी की ओर से भी इसकी जानकारी दी गई है. बताया जा रहा है कि झारखंड में विस का चुनाव है जबकि बिहार में भी चार सीटों पर उपचुनाव होने वाला है. इसी को देखते हुए तेजस्वी यादव का 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' में अब संशोधन किया गया है. आरजेडी प्रवक्ता चितरंजन गगन ने बताया कि 16 से 26 अक्टूबर तक के घोषित कार्यक्रम में केवल 16 अक्टूबर और 17 अक्टूबर का कार्यक्रम पहले की तरह जारी रहेगा. 18 से 26 अक्टूबर तक का जो कार्यक्रम था उसे तत्काल स्थगित कर दिया गया है.

बताया गया कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बुधवार को बांका में आयोजित 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' में शामिल हो रहे हैं. आज जमुई में आयोजित 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम'' भी होगा. इसके बाद आगे वाला कार्यक्रम फिलहाल नहीं होगा. आरजेडी प्रवक्ता ने बताया कि बिहार के उपचुनाव के साथ ही झारखंड में होने जा रहे चुनाव में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की व्यस्तता को देखते हुए कार्यक्रम में संशोधन किया गया है.

बिहार में जहरीली शराब ने फिर बरपाया कहर

छपरा में एक की जान गई, दो की हालत गंभीर, कई भर्ती

संवाददाता । पटना

मरने वाले आठ लोगों के नाम आये सामने

बिहार में जहरीली शराब कांड फिर भीषण रूप में सामने आया है. सारण में एक की मौत और दो के गंभीर होने की पुष्टि हुई, जबकि सीवान में मरने वाले सात लोगों का नाम सामने आ चुका है. सीवान के ही एक मृतक के ग्रामीण ने 15-16 लोगों की मौत की बात कही है. प्रशासन की ओर से पुष्टि के बाद मौत का आंकड़ा स्पष्ट हो सकेगा.

मरने वालों में कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह (40), रामेंद्र सिंह (30), माघर पोखरा के संतोष महतो उम्र (35), मुन्ना (32), बृज मोहन सिंह और दिनेश राम शामिल है. वहीं सीवान के भगवानपुर हाट थाने के माघर निवासी गंगा साह के पुत्र मोहन साह की पीएमसीएच पटना के जाने के क्रम में रास्ते में मौत हो गई है. इधर, ग्रामीणों ने पुलिस के डर से कुछ शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है. वहीं, सारण में घटना मशरक थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में हुई है, जो सीवान जिले के भगवानपुर हाट और सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र की सीमा पर है. जहरीली शराब पीने से मशरख थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव निवासी लतीफ मियां के 30 वर्षीय पुत्र इस्लामुद्दीन अंसारी की मौत हुई है. आलम अंसारी के 29 वर्षीय पुत्र मुमताज अंसारी और रियाज अंसारी के 18 वर्षीय पुत्र शमशाद अंसारी का इलाज चल रहा है. दोनों युवकों से पुलिस शराब के मंगाने, पीने और बीमार होने तक के बारे में पूछताछ कर रही है.

सीवान में छह मृतकों का नाम सामने आया : सीवान में भगवानपुर थाना क्षेत्र के दो गांव मगरी और बाइस कट्टा गांव में कई लोगों की मौत की जानकारी आ रही है. जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की पुष्टि प्रशासनिक स्तर पर नहीं हुई है, लेकिन मृतकों के यह नाम सामने आए हैं कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह 40 वर्ष, रामेंद्र सिंह 30 वर्ष, माघर पोखरा के संतोष महतो उम्र 35 वर्ष, मुन्ना 32, बृज मोहन सिंह, भगवानपुर हाट थाने के माघर निवासी गंगा साह के पुत्र मोहन साह.

मिलावटी शराब की बात जिला प्रशासन ने मानी : सारण जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान के अनुसार सारण जिले के मसरक थाना क्षेत्र अंतर्गत मिलावटी शराब पीने से इब्राहिमपुर गांव के एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मृत्यु होने की सूचना मिली है. दो अन्य व्यक्तियों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक के चिकित्सक कर रहे हैं. पुलिस टीम एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत के संबंध में जांच कर रही है. मशरक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उक्त दोनों युवकों को छपरा स्थित सदर अस्पताल रेफर कर दिया है. साथ ही नियमों का पालन करते हुए अन्य कार्यवाही की जा रही है.

हथियार व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिले के छतौनी थाना पुलिस ने हथियार और जिंदा कारतूस के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार बदमाश थाना क्षेत्र के भवानीपुर जिरात मोहल्ला निवासी आदित्य कुमार है. उसके पास से एक देसी पिस्टल, चार कारतूस बरामद किया गया है. उक्त जानकारी देते छतौनी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर भवानीपुर जिरात स्थित स्टेडियम के भीतर से उक्त अपराधी को हथियार लेकर घूमते हुए गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अपराधी आदित्य ने पूछताछ में कई अहम खुलासा किया है.

लूटकांड का आरोपी दो कारतूस के साथ धराया

फारबिसगंज । अररिया के भरगामा पुलिस ने मधेपुरा जिला के श्रीनगर थानाक्षेत्र के लक्ष्मीपुर भगवती वार्ड संख्या 10 से मास्टरमाइंड मो एजाज उर्फ चुन्ना को एक देसी कट्टा एवं दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है. फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साह ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर एक टीम का गठन किया गया और पुलिस ने नाटकीय अंदाज में आर्म्स एक्ट व लूटकांड के मास्टरमाइंड मो एजाज उर्फ चुन्ना को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने बताया कि मो एजाज भरगामा थाने में दर्ज चार मामलों के अभियुक्त है.

सनकी युवक ने अधेड़ का प्राइवेट पार्ट ही काट डाला

गया । गया में एक सनकी युवक ने एक शख्स का प्राइवेट पार्ट काट दिया. आनन-फानन में घायल अधेड़ शख्स को इलाज के लिए पहले सीएचसी में भर्ती कराया गया. इसके बाद यहां से रेफर एएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया. यह पूरा मामला बेलागंज थाना क्षेत्र का है. बेलागंज थाना क्षेत्र के सिंदानी गांव में हुई. पीड़ित व्यक्ति ने बेलागंज थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है. हालांकि युवक मौके से फरार हो गया. लोगों का कहना है कि सनकी युवक हमेशा ग्रामीणों के साथ मारपीट करता है.

नवादा में हाइवा-स्कॉर्पियो की सीधी टक्कर

एक ही परिवार के 8 घायल, एक की मौत

संवाददाता । नवादा

जिले में रजौली थानाक्षेत्र के हरदिया सेक्टर-ए स्थित सुगा होटल के समीप राष्ट्रीय राज्यमार्ग-20 पर बुधवार को हाइवा और स्कॉर्पियो में भीषण टक्कर हो गई. जिसमें एक व्यक्ति की मौत घटनास्थल पर ही हो गई और स्कॉर्पियो में सवार एक ही परिवार के आठ अन्य सदस्य बुरी तरह से घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए अनुमंडलीय रजौली अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिंताजनक हालत में छह लोगों को बेहतर इलाज के लिए पावापुरी स्थिति विम्स रेफर कर दिया गया. मृतक की पहचान पटना जिले के बख्तियारपुर थानाक्षेत्र के घनसुपुर निवासी शनिचर महतो के (60 वर्षीय) पुत्र राजेंद्र महतो के रूप में की गई है. घायलों में बख्तियारपुर निवासी बिपिन कुमार, संजय राउत, दीपक कुमार, चंदन कुमार, दीपक कुमार और अभिषेक कुमार, अवधेश कुमार और पवन कुमार शामिल है. घटना की सूचना के बाद रजौली थानाध्यक्ष राजेश कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और सभी घायलों को ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया. वहीं शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेज दिया.

प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो हाईवा ट्रक और स्कॉर्पियो में टक्कर इतनी जबरदस्त थी की स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए. स्कॉर्पियो हाईवे ट्रक में फस गया है. जिसे हाइवा ट्रक चालक ने भागने के दौरान लगभग 100 मीटर तक स्कॉर्पियो को घसीटता रहा.

कारोबार

भारत का कॉफी निर्यात 55 प्रतिशत बढ़ गया

नयी दिल्ली । भारत का कॉफी निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सालाना आधार पर 55 प्रतिशत बढ़कर 7,771.88 करोड़ रुपये हो गया है, यह पिछले वित्त वर्ष की सामन अवधि में 4,956 करोड़ रुपये पर था. इसमें बढ़त की वजह दुनिया में भारतीय कॉफी की मांग में इजाफा होना है. कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि अप्रैल से सितंबर की अवधि में भारत द्वारा 2.2 लाख टन कॉफी का निर्यात किया गया है. बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 1.91 लाख टन था.

बीईएमएल बनाएगी पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की पब्लिक सेक्टर कंपनी बीईएमएल लिमिटेड देश में ही भारत का पहला स्वदेशी बुलेट ट्रेन बनाने वाली है. बीईएमएल को दो हाई स्पीड ट्रेन सेट्स बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है. चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने इस सरकारी कंपनी को दो बुलेट ट्रेन की डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, और स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किए गए रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई से उसे दो हाई-स्पीड ट्रेनसेट्स की मैन्युफैक्चरिंग के लिए आर्डर मिला है.

एनसीएलएटी के खिलाफ फैसला सुरक्षित रखा

नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और अन्य की उस याचिका पर अपना फैसला बुधवार को सुरक्षित रख लिया जिसमें राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश को चुनौती दी गई थी. एनसीएलएटी ने बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज की समाधान योजना को बरकरार रखते हुए इसका स्वामित्व जालान कलरॉक गठजोड़ (जेकेसी) को हस्तांतरित करने को मंजूरी दी थी. भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं.

बुधवार को आई रिपोर्ट : सामने आयीं कई जानकारियां

जेन जेड आबादी 1.8 ट्रिलियन डॉलर करेगी खर्च

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत को एक युवा राष्ट्र माना जाता है. देश की 377 मिलियन आबादी जनरेशन जेड से आती है. जनरेशन जेड देश की कंजप्शन ग्रोथ को लेकर एक बड़े योगदानकर्ता होंगे. बुधवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, जेन जेड 2025 तक 1.8 ट्रिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष खर्च लाने में सक्षम होंगे. बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के साथ साझेदारी में स्नैप इंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में, जनरेशन जेड का प्रत्यक्ष खर्च 250 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा. इस समय तक हर दूसरा जनरेशन जेड कमाई कर रहा होगा. जेन जेड की सामूहिक व्यय क्षमता 860 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जो 2035 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी.

जनरेशन जेड, मिलेनियल्स के बराबर ही खरीदारी करता है. वे अपने खर्च पर 1.5 गुना ज्यादा रिसर्च करते हैं. स्नैप इंक के भारत में प्रबंध निदेशक पुलकित त्रिवेदी ने कहा, "भारत एक युवा राष्ट्र है, जिसकी 377 मिलियन जनरेशन जेड आबादी है, जो अगले दो दशकों में भारत के विकास के भविष्य को आकार देगी. जेन जेड को सेवा देने वाले प्लेटफॉर्म के रूप में हम ब्रांड और बिजनेस के साथ काम करने को तैयार हैं." लगभग 45 प्रतिशत व्यवसाय जनरेशन जेड की क्षमता को पहचानते हैं, लेकिन केवल 15 प्रतिशत ही सक्रिय रूप से उन्हें संबोधित करने के लिए कार्रवाई करते हैं, जो एक बड़े अवसर का संकेत देता है.

स्नैपचैट के डेली एक्टिव यूजर्स में 90 प्रतिशत की आयु 13-34 वर्ष है, जिससे पता चलता है कि यह प्लेटफॉर्म भारत में युवाओं का लोकप्रिय मंच बन गया है. बीसीजी इंडिया की सीनियर पार्टनर और मैनेजिंग डायरेक्टर निमिषा जैन ने कहा, जनरेशन जेड पहले से ही भारत के उपभोक्ता खर्च का 43 प्रतिशत हिस्सा चला रही है.

फोटो सेशन

मुंबईः अभिनेत्री राधिका मदान व अनन्या पांडे मुंबई में फिल्म सीटीआरएल की सफलता पार्टी में शामिल हुईं.

इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियों के जरिए भारत में क्रांति लाएगा सरला एविएशन

नई दिल्ली । भारत में ट्रैफिक एक बड़ी समस्या है. इस समस्या से निजात दिलाने के लिए सरला एविएशन अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (ईवीटीओएल) विमान विकसित करने पर काम कर रहा है, जो शहरी यातायात परिवर्तन के लिए एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा. एड्रियन श्मिट द्वारा सह-संस्थापक कंपनी का उद्देश्य बेंगलुरु, मुंबई, दिल्ली और पुणे सहित भारत के सबसे भीड़भाड़ वाले शहरों में तेज, स्वच्छ और अधिक कुशल परिवहन प्रदान करना है. सरला एविएशन की प्रमुख पहल में सात सीटों वाली इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियां शामिल हैं, जो यात्रा के समय में कटौती का वादा करती हैं. उदाहरण के तौर पर बेंगलुरु एयरपोर्ट से इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी तक की यात्रा में आमतौर पर सड़क मार्ग से 150 मिनट से अधिक का समय लगता है.

शीर्ष 30 में से 19 बड़े आईपीओ रिटर्न देने में असफल

मुंबई । देश के शीर्ष 30 बड़े आईपीओ में से 19 ने सीएनएक्स 500 इंडेक्स से कम रिटर्न दिया है. बुधवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. वेल्थ मैनेजमेंट फर्म कैपिटलमाइंड फाइनेंसियल सर्विसेज की रिपोर्ट में जानकारी दी गई कि देश में अब तक आए बड़े 30 में से आठ बड़े आईपीओ ने नकारात्मक रिटर्न दिया है. हाई-प्रोफाइल आईपीओ में रिलायंस पावर ने निवेशकों को सबसे ज्यादा नकारात्मक रिटर्न दिया है. यह अपने समय का सबसे बड़ा आईपीओ था. शीर्ष 10 आईपीओ में केवल दो आईपीओ ने सीएनएक्स500 से ज्यादा रिटर्न दिया है. कोल इंडिया का शेयर पिछले 14 वर्षों में दोगुना हुआ है. अगर इसके द्वारा दिए गए डिविडेंड को मिला दिया जाए तो कोल इंडिया ने इंडेक्स के बराबर रिटर्न दिया है. रिपोर्ट में आगे कहा गया कि शीर्ष 10 में से जोमैटो ही निवेशकों को शानदान रिटर्न दे पाया है. इसके बाद शीर्ष 30 बड़े आईपीओ में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग्स और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने भी निवेशकों को इंडेक्स से अच्छा रिटर्न दिया है. रिपोर्ट में आगे बताया गया कि बीते दो वर्षों में आए 10 सबसे बड़े आईपीओ में बजाज हाउसिंग फाइनेंस, भारती हैक्साकॉम और ब्रेनबीज (फर्स्ट क्राई) ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है. सर्च हेड अनूप विजयकुमार कहना है कि तेज के बाजारों के अंतिम चरण में बड़े आईपीओ देखने को मिलते हैं.

भारत में दूसरी तिमाही में दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी

एजेंसी । नयी दिल्ली

इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर्ज हुई है. बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर दोपहिया वाहनों की बिक्री में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि देखी गई. दूसरी ओर, तिपहिया वाहनों की बिक्री में एक अंक में वृद्धि दर्ज हुई. थोक मात्रा का रुझान मिश्रित रहा. जुलाई से सितंबर के बीच, ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) के राजस्व और मुनाफे में अलग-अलग वृद्धि हुई.

दोपहिया वाहनों ने अन्य वाहनों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया. बीएनपी पारिबा इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, हम अभी भी सेक्टर की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए यात्री वाहनों (पीवी) के प्रति दीर्घकालिक रूप से सकारात्मक हैं और वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) में कमजोरी को एक अस्थायी बाधा के रूप में देखते हैं. यात्री वाहनों की मात्रा में मामूली गिरावट आई और वाणिज्यिक वाहनों की मात्रा भी कमजोर रही, जो लम्बे समय तक मानसून रहने और बुनियादी ढांचे की गतिविधियों में मंदी के कारण प्रभावित हुई. होंडा मोटरसाइकिल ने दोपहिया में सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी (खुदरा) हासिल की, जबकि हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में सबसे अधिक नुकसान उठाया. यात्री वाहनों में, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जबकि मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और हुंडई को नुकसान हुआ.

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में दो पहियों वाले वाहन की बिक्री में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि महिंद्रा को छोड़कर यात्री वाहनों की बिक्री में थोड़ी कमी आ सकती है. यात्री वाहन इन्वेंट्री के उच्च स्तर, बढ़ती छूट और त्योहारी मांग को लेकर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा. रिपोर्ट में कहा गया है, वैश्विक स्तर पर कमजोर होती ऑटो मांग को देखते हुए, अब हम जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) द्वारा अपने वित्त वर्ष 2025 के मार्गदर्शन में कटौती करने का जोखिम देखते हैं.

बाजार

आईटी ऑटो शेयरों ने बिगाड़ा बाजार का मूड, सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ हुआ बंद

निवेशकों को लगा 80,000 करोड़ रुपये का झटका

- बीएसई सेंसेक्स 319 अंकों की गिरावट के साथ 81,501 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 86 अंकों की गिरावट के साथ 24,971 अंकों पर बंद हुआ
- निफ्टी के 50 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 34 गिरावट के साथ बंद हुए

एजेंसी । मुंबई

निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ है. बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में गिरावट के चलते बाजार में ये बिकवाली आई है. मिडकैप शेयरों में भी सत्र में गिरावट दर्ज की गई. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 319 अंकों की गिरावट के साथ 81,501 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 86 अंकों की गिरावट के साथ 24,971 अंकों पर बंद हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल 5 शेयर तेजी के साथ बंद हुए. 25 स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 34 गिरावट के साथ बंद हुए. बीएसई पर कुल 4068 शेयरों में ट्रेडिंग हुई जिसमें 2023 तेजी के साथ और 1940 स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. 105 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है. तेजी वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ 1.79 फीसदी, डॉ रेड्डी 1.34 फीसदी, ग्रासिम 1.05 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.97 फीसदी, बजाज ऑटो 0.88 फीसदी, भारती एयरटेल 0.86 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए. गिरने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.76 फीसदी, इंफोसिस 2.05 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.39 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.21 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.19 फीसदी, आईटीसी 1.11 फीसदी, टाइटन 1.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. वहीं बुधवार के कारोबार में जिन सेक्टर्स के शेयरों में तेजी रही उसमें एनर्जी, ऑयल एंड गैस, इंफ्रा, रियल एस्टेट शामिल है. जबकि आईटी, ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. बुधवार के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में भी गिरावट रही.

निवेशकों को लगा 80000 करोड़ रुपये का झटका : बाजार में गिरावट के चलते बुधवार के कारोबारी सत्र में निवेशकों को नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 463.06 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जबकि पिछले सत्र में ये 463.86 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि बुधवार के सेशन में 80000 करोड़ रुपये मार्केट कैप में कमी आई है.

▼ न्यूज अपडेट

अमेरिका ने दी इजराइल को चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिका ने इजराइल से अगले 30 दिनों के भीतर गाजा में मानवीय सहायता को बढ़ाने के लिए कहा है. ऐसा नहीं होने पर अमेरिकी मदद रोके जाने की चेतावनी दी है. इस संबंध में अमेरिकी विदेश और रक्षा सचिवों ने पिछले सप्ताह एक पत्र पर सह-हस्ताक्षर किए जो उनके इजराइली समकक्षों को भेजा गया. मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन द्वारा पत्र पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि की.

इजराइली एयर स्ट्राइक एक युद्ध अपराध

तेहरान। ईरान ने मध्य गाजा पट्टी में एक हॉस्पिटल कैंपस के पास विस्थापित लोगों के टेंट कैंप पर इजराइल की घातक एयर स्ट्राइक की कड़ी निंदा की और इस हमले को 'युद्ध अपराध' करार दिया. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि आग लगाने वाले बम का इस्तेमाल करके, हमला करना 'युद्ध अपराध' का पूर्ण उदाहरण है. एयर स्ट्राइक फिलिस्तीनियों के खिलाफ 'नरसंहार की साजिश' का हिस्सा है. नागरिकों, अस्पतालों, राहत और चिकित्सा केंद्रों को निशाना बनाना प्रतिबंधित है.

इसराइल ने फिर किया बेरूत पर हमला

बेरूत। पांच दिनों के बाद इसराइली सेना ने एक बार फिर से लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमले किए हैं. वहीं दक्षिण लेबनान के नबातिह शहर में हुए इसराइली हमले में पांच लोगों की मौत हुई है. मारे गए लोगों में नबातिह के मेयर भी शामिल हैं. मंगलवार की देर रात को इसराइली सेना ने बेरूत के दक्षिणी इलाक़ों पर हवाई हमला किया. इससे पहले लेबनान ने कहा था कि हाल ही में किए गए हमलो में दक्षिणी इलाक़ों में कई लोगों की मौत हुई थी.

प्रवासियों से भरी नाव डूबने से 4 की मौत

एथेंस। एजियन सागर में ग्रीक आइलैंड 'कोस' के तट के पास प्रवासियों की एक नाव के डूब जाने से चार लोगों की मौत हो गई. पीड़ितों में दो महिलाएं और दो बच्चें शामिल हैं. हेलेनिक तटरक्षक बल ने 26 लोगों को बचा लिया है. बता दें कि साल 2015 से ग्रीस, यूरोपीय संघ के देशों में प्रवेश के लिए शरणार्थियों और प्रवासियों के लिए मुख्य एंट्री प्वाइंट रहा है. ग्रीस उन देशों में से एक है, जहां गरीबी या युद्ध से परेशान अफ्रीका, एशिया और मध्य पूर्व के देशों के लोग यूरोपीय संघ में प्रवेश करने के इरादे से पहुंचते हैं.

मेक्सिको में मेयर की चाकू मारकर हत्या

मेक्सिको सिटी। दक्षिण मेक्सिको के ओक्साका राज्य के एक छोटे शहर के मेयर की 'पारस्परिक' संघर्ष के कारण चाकू मारकर हत्या कर दी गई है. रिपोर्ट के अनुसार, देश में 10 दिनों से भी कम समय में यह दूसरे मेयर की हत्या की गई है. इससे पहले, दक्षिणी गुएरेरो राज्य की राजधानी चिलपानसिंगो के मेयर एलेजांद्रो आर्कोस की 6 अक्टूबर को पदभार ग्रहण करने के कुछ ही दिनों बाद हत्या कर दी गई थी. कैंडेलारिया लोक्सिचा शहर के मेयर रोमन रुइज की 'पारस्परिक' संघर्ष के कारण हत्या कर दी गई है.

कमलनाथ राष्ट्रीय राजनीति में होंगे सक्रिय

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ बीते कुछ समय से राजनीतिक तौर पर कम सक्रिय हैं मगर अब उनके फिर से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होने के आसार बन रहे हैं. यह अनुमान राहुल गांधी से उनकी दिल्ली में हुई मुलाकात के आधार पर लगाए जा रहे हैं. कमलनाथ ने वर्ष 2018 में राष्ट्रीय राजनीति से मध्य प्रदेश की ओर रुख किया था. उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सत्ता हासिल की थी. बाद में आपसी खींचतान के चलते सत्ता हाथ से खिसक गई.

बहराइच मामले में हुईं 50 गिरफ्तारियां

बहराइच। बहराइच मामले पर जिला मजिस्ट्रेट मोनिका रानी ने बताया कि पुलिस ने 50 से ज़्यादा गिरफ़्तारियां की हैं और आगे भी कार्रवाई की जाएगी. घटना के बाद पूरा क्षेत्र सेक्टर और ज़ोन में बांटा गया है. पुलिस के अधिकारी और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं. अधिकारियों की डबल शिफ्ट में ड्यूटी लगी हुई है और इलाके की पूरी निगरानी रखी जा रही है. वहीं राम गोपाल मिश्रा की मौत के बारे में सीएमओ ने बताया कि 25-30 छर्रों के कारण बहुत ज्यादा रक्तश्राव हुआ.

नाइजीरिया में बड़ा हादसा, 94 की मौत

अबूजा। नाइजीरिया के उत्तरी राज्य जिगावा के मजिया शहर में बीती रात तेल से भरा एक टैंकर फटने से 94 लोगों की मौत हो गई है. यह घटना उस वक्त हुई जब लोगों की भीड़ एक हादसे के बाद टैंकर से लीक हो रहे तेल को लूटने पहुंचे थे. पुलिस ने बताया कि तेल से भरा टैंकर पलट गया था और उसमें आग लगने की वजह से कम से कम 94 लोगों की जलकर मौत हो गई है. धमाके में 50 अन्य लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें जिगावा राज्य के रिनगिम शहर के नज़दीकी अस्पताल में भर्ती किया गया है.

टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर में एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या के बाद तनाव फैल गया है. मृतक की पहचान प्रदीप दत्ता के रूप में हुई है. दत्ता जब सुबह की सैर पर निकले थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने दत्ता पर नजदीक से सात गोलियां चलाई. गोली चलने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग अपने घर से बाहर निकले और देखा कि दत्ता का शरीर खून से लथपथ था.

एससीओ बैठक : भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को लगाई फटकार, कहा

आतंकवाद व व्यापार साथ-साथ संभव नहीं

एजेंसी। इस्लामाबाद

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को एससीओ काउंसिल की 23वीं बैठक में इशारों-इशारों में पाकिस्तान को फटकार लगाई और कहा कि आतंकवाद के साथ-साथ व्यापार की संभावना नहीं है. इससे पहले एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की 23वीं बैठक की शुरुआत मंगलवार शाम को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर से दिए गए वेलकम डिनर के साथ हुई. यह 9 साल में किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा है. पूर्व विदेश मंत्री स्व. सुषमा स्वराज ने अफगानिस्तान पर एक सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए 2015 में इस्लामाबाद का दौरा किया था.

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद 'तीन बुराइयां' हैं, जिनका समाधान नहीं किया गया तो सहयोग और एकीकरण का फायदा हासिल नहीं हो सकेगा. यदि सीमा पार से आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद जैसी गतिविधियां होती हैं, तो इनसे व्यापार, ऊर्जा प्रवाह, संपर्क और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा मिलने की संभावना नहीं है. उन्होंने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को 'अच्छे पड़ोसी' होने का महत्व समझाया. उन्होंने कहा कि यदि विश्वास की कमी है या सहयोग नाकाफी है, अगर दोस्ती में कमी आई है और अच्छे पड़ोसी होने की भावना कहीं गायब है, तो निश्चित रूप से आत्मनिरीक्षण करने और इन समस्याओं का समाधान खोजने की जरूरत है. शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के समक्ष चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इसका मकसद आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी संबंधों को मजबूत करना, बहुआयामी सहयोग, विशेष रूप से क्षेत्रीय प्रकृति के सहयोग को विकसित करना है. संगठन का लक्ष्य संतुलित विकास, एकीकरण और संघर्ष की रोकथाम के मामले में एक सकारात्मक शक्ति बनना है. चार्टर में यह भी स्पष्ट है कि मुख्य चुनौतियां क्या हैं. ये मुख्य रूप से तीन हैं, जिनका मुकाबला करने के लिए एससीओ प्रतिबद्ध है, ये हैं - आतंकवाद; अलगाववाद; चरमपंथ. इससे पहले जयशंकर ने पाकिस्तान स्थित इंडियन हाई कमीशन कैंपस में सुबह की सैर की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को बढ़ावा देते हुए एक पौधा लगाया.

इस्लामाबाद में बुधवार को एससीओ की बैठक में भाग लेने पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तानी प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ से हाथ मिलाया. -एजेंसी

शहबाज की कश्मीर पर चुप्पी, साथ काम करने की गुहार

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की बैठक का समापन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से इजरायल-गाजा संघर्ष पर तत्काल ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया. दिलचस्प बात यह है कि जिन्ना कन्वेंशन सेंटर में रूस को अध्यक्षता सौंपते समय शरीफ ने कश्मीर मुद्दे का जिक्र करने से परहेज किया, जो कि भारत-पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनाव की वजह रहा है. कश्मीर मुद्दा कई बार इस्लामाबाद के आधिकारिक बयानों का हिस्सा रहा है.

अपने समापन भाषण में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने राजनीतिक मतभेदों और विभाजनों पर सहयोग को प्राथमिकता देने की अपील की. उन्होंने कहा कि आइए हम राजनीतिक मतभेदों और विभाजनों पर सहयोग को प्राथमिकता दें. अपनी उपलब्धियों पर निर्माण करें, साझा चुनौतियों का समाधान करें, और यह सुनिश्चित करने के लिए हाथ से हाथ मिलाकर काम करें कि एससीओ हमारे लोगों के लिए स्थिरता, विकास और पारस्परिक लाभ का प्रतीक बना रहे. इसके बाद उन्होंने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रहे संघर्ष का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि हम गाजा में चल रहे नरसंहार को नजरअंदाज नहीं कर सकते. अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम सुनिश्चित करे, जिससे 1967 से पहले की सीमाओं के आधार पर फिलिस्तीन राज्य की स्थापना हो सके, जिसकी राजधानी अल-कुद्स हो. वह भारत पर कोई भी बयान देने को लेकर काफी सतर्क दिखे. इससे पहले दिन में, उन्होंने आपसी लाभ के लिए सहयोग का आह्वान किया था, साथ ही आग्रह किया था कि चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए. हालांकि, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि एससीओ बैठक में कश्मीर का उल्लेख न करने के शरीफ के फैसले की पाकिस्तान के भीतर उनके राजनीतिक विरोधियों द्वारा आलोचना की जा सकती है.

खास बातें

- इजरायल और गाजा संघर्ष पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान
- मतभेदों व विभाजनों पर सहयोग को प्राथमिकता देने की अपील

इस्लामाबाद में बोले एस जयशंकर, एससीओ को सुरक्षा परिषद में सुधार की करनी चाहिए वकालत

भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच से एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की अपनी मांग दोहराई, ताकि परिषद को बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप ढाला जा सके. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां बुधवार को एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि 'बहुराष्ट्रीय संगठनों में सुधार' की सख्त जरूरत है और एससीओ को इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर चुप बैठने की बजाय इस तरह के बदलावों की वकालत करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए. उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद को पुनर्गठित करने का समय आ गया है ताकि यह ज्यादा देशों का प्रतिनिधित्व कर सके, अधिक समावेशी, पारदर्शी, प्रभावी, लोकतांत्रिक और उत्तरदायी बन सके. स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार की जरूरत है.

द्विपक्षीय वार्ता आवश्यक, लेकिन पहले आतंकवाद रोके पाकिस्तान : कर्ण सिंह

नयी दिल्ली। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर बातचीत होनी चाहिए. बिलावल भुट्टो के इस बयान का कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने स्वागत किया है. इसके साथ ही उन्होंने आतंकवाद खत्म करने की नसीहत भी दी. कर्ण सिंह ने कहा कि यह स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान भारत के साथ सकारात्मक संबंध बनाएगा, तो दोनों देशों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी. हालांकि एक महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवादी गतिविधियां समाप्त नहीं करता, तब तक बातचीत की कोई सार्थकता नहीं होगी. आतंकवाद के मुद्दे को सुलझाए बिना बातचीत आगे नहीं बढ़ सकती. मैं भी चाहता हूं कि पाकिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते हों, क्योंकि पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना आवश्यक है. लेकिन आतंकवाद की समस्या इस प्रक्रिया को बाधित कर रही है. इसलिए मैं बिलावल भुट्टो से कहना चाहूंगा कि यदि वे आतंकवाद को समाप्त कर दें, तो भारत से बातचीत संभव हो सकती है. जम्मू-कश्मीर की नयी सरकार को कांग्रेस द्वारा बाहर से समर्थन देने पर कहा कि मुझे इस बात से खुशी है कि वहां चुनाव सफलतापूर्वक हुए. यह एक महत्वपूर्ण घटना है, क्योंकि यह पिछले दस वर्षों में पहली बार हुआ है.

वायु प्रदूषण पर पंजाब और हरियाणा सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

- शीर्ष अदालत ने जताई पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई न करने पर नाराजगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण की समस्या का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है. बुधवार को कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को फटकार लगाई है. सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पराली जलाने की घटनाओं के लिए दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं करने के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है. सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब किया है और उन्हें 23 अक्टूबर को अदालत में पेश होकर अपनी सफाई पेश करने के लिए कहा है.

कोर्ट ने कहा कि दोनों राज्य प्रदूषण की समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं. कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पराली जलाने वाले लोगों पर मामूली जुर्माना लगाकर उन्हें छोड़ दिया जा रहा है. यही वजह है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने में कोई मदद नहीं मिल रही है. कोर्ट ने आगे कहा कि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है. कोर्ट ने एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन को निर्देश दिया है कि वह उन अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करें जो अदालत के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं.

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर : उल्लेखनीय है कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है. एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खतरे के निशान के पार पहुंच गया है. नोएडा ग्रेटर, नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं जहां पर एक्यूआई 300 के आंकड़े को पार कर चुका है. स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस सिस्टम यानी ग्रैप का पहला चरण लागू कर दिया है. ग्रैप के पहले चरण के तहत पूरे दिल्ली एनसीआर में आतिशबाजी, होटल रेस्टोरेंट में कोयला और लकड़ी जलाने के उपयोग पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है. इसके साथ ही खुले में कूड़ा फेंकना और कचरा जलाना भी पूरी तरीके से प्रतिबंधित कर दिया गया है.

प्रधानमंत्री मोदी बने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य, अभियान हुआ शुरू

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भाजपा के देशभर में चलाए जाने वाले सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के संयोजक विनोद तावड़े की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी पार्टी के पहले सक्रिय सदस्य बने. इसी के साथ उन्होंने पार्टी के सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ भी कर दिया.

मोदी ने स्वयं भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बनने की तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि विकसित भारत बनाने के हमारे प्रयास को गति प्रदान करते हुए भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में आज प्रथम सक्रिय सदस्य बनने और सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ करने पर गर्व है. यह एक आंदोलन है जो जमीनी स्तर पर हमारी पार्टी को और मजबूत करेगा. एक सक्रिय सदस्य बनने के लिए, एक कार्यकर्ता को एक बूथ पर या एक विधानसभा सीट पर 50 सदस्यों को पंजीकृत करना होगा. ऐसे कार्यकर्ता मंडल समिति और उससे ऊपर के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे. साथ ही आने वाले समय में उन्हें पार्टी के लिए काम करने के कई मौके मिलेंगे.

दक्षिण में भारी बारिश, कई इलाके जलमग्न

लगातार न्यूज नेटवर्क

दक्षिणी राज्यों में लगातार दूसरे दिन भी भारी बारिश जारी रही. तमिलनाडु में चेन्नई और आसपास के जिलों में कई इलाकों में पानी भरने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लगातार हो रही बारिश से पूर्वोत्तर मानसून के आगमन का संकेत मिल रहा है.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारी बारिश से अन्ना नगर पश्चिम, कोलाथुर, पम्मल, पेरम्बूर और राज्य की राजधानी के अन्य हिस्सों में आवासीय क्षेत्र में घुटनों तक पानी भर गया है. वहीं चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर जिलों के कई हिस्सों में ट्रैफिक जाम की जानकारी सामने आई है. मौसम विभाग ने उत्तरी भागों और डेल्टा क्षेत्र के 12 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है. गुरुवार तक रानीपेट और वेल्लोर समेत अन्य उत्तरी जिलों में भी बारिश हो होने की संभावना है. चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों में गुरुवार को भी भारी बारिश हो सकती है. दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है. वहीं बेंगलुरु बुधवार को भारी बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया. अधिकारियों ने प्रभावित निवासियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए दो ट्रैक्टरों की व्यवस्था की है. मौसम विभाग ने गुरुवार को भी लगातार बारिश होने का संभावना जताई है. सोमवार से मंगलवार तक 30 मिमी बारिश हुई है. मंगलवार को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 60 मिमी से 70 मिमी बारिश दर्ज की गई. बेंगलुरु के उत्तरी हिस्से में भारी बारिश हुई है. सभी झीलें भर गई हैं और पानी के ओवरफ्लो होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है.

वहीं बेंगलुरु बुधवार को भारी बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया. गुरुवार को भी लगातार बारिश होने का संभावना है. सोमवार से मंगलवार तक 30 मिमी बारिश हुई है. मंगलवार को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 60 मिमी से 70 मिमी बारिश दर्ज की गई. बेंगलुरु के उत्तरी हिस्से में भारी बारिश हुई है. सभी झीलें भर गई हैं. पानी के ओवरफ्लो होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है.

चेन्नई व उसके पड़ोसी जिलों सहित तमिलनाडु के उत्तरी भागों व डेल्टा क्षेत्र में अभी राहत नहीं

बेंगलुरु में भारी बारिश से कई इलाकों में भरा पानी, लोगों को आने-जाने में हो रही परेशानी

बारिश से तिरुपति में विमान परिचालन प्रभावित

वहीं आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भारी बारिश की वजह से बुधवार को रेनिगुंटा हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन प्रभावित हुआ. तिरुमाला मंदिर जाने वाले पहाड़ी रास्ते पर भूस्खलन की खबर है. भारी बारिश से रनवे पर पानी भर जाने के कारण हैदराबाद से आने वाली कुछ उड़ानों को चेन्नई की ओर डायवर्ट कर दिया गया. लगातार हो रही बारिश से हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सड़क भी जलमग्न हो गई. मंगलवार से हो रही भारी बारिश की वजह से निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. इस बीच, घाट रोड पर भूस्खलन से तिरुमाला पहाड़ी पर स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है.

संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से समाज में महिला और पुरुष के बीच अंतर बढ़ रहा

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की स्थिति अच्छी नहीं

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की संस्था संयुक्त राष्ट्र महिला ने हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि दुनिया भर में 2 अरब महिलाओं और लड़कियों में पुरुषों के मुकाबले समानता का अंतर काफी ज्यादा है.

विकास में महिलाओं की भूमिका पर विश्व सर्वेक्षण 2024 नाम से जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से समाज में महिला और पुरुष के बीच अंतर बढ़ रहा है. हमारे समाज की मुख्यधारा में लाभ, बेरोजगारी संरक्षण, पेंशन और स्वास्थ्य देखभाल सहित अनेक ऐसी नीतियां हैं जिसकी वजह से महिलाएं और लड़कियां गरीबी की ओर अधिक संवेदनशील हो रही हैं. अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस (17 अक्टूबर) से पहले प्रकाशित इस रिपोर्ट में साफ तौर पर बताया गया है कि साल 2015 के बाद से लोगों के सामाजिक सुरक्षा के स्तर में वृद्धि हुई है. इसके बावजूद लैंगिक असमानता (स्त्री पुरुष के बीच का अंतर) बढ़ गया है. इससे यह कहना आसान हो गया है कि हाल में लिए गए सरकारी फैसलों में पुरुषों को अधिक लाभ हुआ है. हालांकि इस रिपोर्ट में महिलाओं की उन्नति के बारे में भी बताया गया है. रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं की प्रगति के बावजूद, दुनिया भर में 63 प्रतिशत से अधिक महिलाएं अभी भी मातृत्व लाभ के बिना ही बच्चे को जन्म देती हैं. अफ्रीकी महाद्वीप के कई देशों में स्थिति 94 फीसदी महिलाओं के साथ है. बता दें कि एक अध्ययन में बताया गया है कि मातृत्व अवकाश के दौरान वित्तीय सहायता की कमी न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाती है, बल्कि उनके और उनके बच्चों के स्वास्थ्य को भी खतरे में डालती है, जिससे पीढ़ियों तक गरीबी बनी रहती है.

अध्ययन में महिलाओं व लड़कियों की संख्या गरीबों में सबसे ज़्यादा

इस रिपोर्ट में लिंग आधारित गरीबी के बारे में विशेष जानकारी दी गई है. इसमें विस्तार से बताया गया है कि महिलाओं और लड़कियों की संख्या गरीबों में सबसे ज़्यादा है, और सबसे ज्यादा अंतर उनके बच्चे पैदा करने के वर्षों में है. इसके मुताबिक 25-34 वर्ष की आयु की महिलाओं के समान आयु वर्ग के पुरुषों की तुलना में अत्यंत गरीब घरों में रहने की संभावना 25 प्रतिशत अधिक है. संघर्ष और जलवायु परिवर्तन इस असमानता को और बढ़ाते हैं. नाजुक परिस्थितियों में रहने वाली महिलाओं के गैर-नाजुक वातावरण में रहने वाली महिलाओं की तुलना में अत्यधिक गरीबी में रहने की संभावना 7.7 गुना अधिक है.

सैनी ने किया सरकार बनाने का दावा

- **हरियाणा :** सौंपी विधायकों की सूची, सीएम पद की शपथ आज

एजेंसी। चंडीगढ़

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया. उन्होंने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया है. नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल को अपने समर्थन में आए विधायकों की सूची भी सौंपी है.

बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी को विधायक दल का नेता चुना गया. विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने सभी विधायकों का धन्यवाद दिया. मुख्यमंत्री पद के लिए विधायकों ने उनके नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई है. विधायक दल की बैठक में अनिल विज और मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम प्रस्तावित किया था. अमित शाह ने कहा कि मुझे यह जानकर अत्याधिक प्रसन्नता हो रही है कि नायब सिंह सैनी को फिर से विधायक दल का नेता चुना गया है और वह मुख्यमंत्री का पद ग्रहण करने जा रहे हैं. इस बीच, वह विपक्ष पर भी हमलावर दिखे. उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा यह दुष्प्रचार किया गया कि किसानों के अन्याय हो रहा है. भाजपा के शासनकाल में किसानों के हितों पर कुठाराघात किया जा रहा है, लेकिन, ऐसा नहीं है. हमारी सरकार में समाज के हर वर्ग के हितों का विशेष ख्याल रखा जा रहा है. सैनी 17 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. शपथ ग्रहण से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)